दैनिक नवसंदेश

सबकी बात, रोजाना साथ

R.N.- UDYAM-BR-26-0012779

पटना : मंगलवार, 11 अगस्त, 2026 | वर्ष -01 | अंक-175 | पृष्ठ-15 | मूल्य : 01 रु. | ई मेल- dainiknavsandesh@gmail.com

संक्षिप्त खबरें

गांगुली समेत पत्नी को जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली और उनकी पत्नी डोना गांगुली को जान से

मारने की धमकी मिली है। भारत के पूर्व कप्तान और बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष की निजी सचिव की तरफ से ठाकुरपुकुर पुलिस स्टेशन में औपचारिक लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। लिखित शिकायत में जिक्र है, "मैं, तानिया भट्टाचार्य, सौरव गांगुली की तरफ से आपको यह पत्र लिख रही हूं, जिनके साथ मैं बतौर निजी सचिव काम करती हूं।

मोदी व शरद पवार साथ दिखे, शाह भी रहे मौजूद

मुंबई। पीएम मोदी, शरद पवार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को एक साथ दिखे। पक्ष-विपक्ष के कई नेता सुप्रिया सुले की बेटी रेवती सुले के शादी रिसेप्शन में पहुंचे थे। प्रधानमंत्री ने इससे कुछ घंटे पहले ही शरद पवार की पार्टी के 8 सांसदों के साथ मुलाकात भी की। मोदी और पवार की साथ बैठे फोटो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इससे पहले, 22 जुलाई को शरद पवार और सुप्रिया सुले ने दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की थी।

बाढ़ में 5 लाख के जेवरात व घरेलू सामान ले गए चोर

बाढ़। बाढ़ थाना क्षेत्र के बलौर गांव में चोरों ने एक घर को निशाना बनाकर लाखों रुपये की चोरी कर ली। घटना में करीब पांच लाख रुपये मूल्य के जेवरात के साथ पीतल के बर्तन, कपड़े और अन्य घरेलू सामान चोरी होने की बात सामने आई है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, बलौर निवासी दीपक कुमार उर्फ पिंटू सिंह बाढ़ के कांग्रेस मैदान के समीप स्थित अपने मकान में रहते हैं।

कोलंबिया में आया 7.4 तीव्रता का भूकंप

कोलंबिया । सोमवार की सुबह दक्षिण अमेरिकी देश कोलंबिया के लिए एक खौफनाक सुबह साबित हुई. जब लोग अपने दिन की शुरूआत कर रहे थे, तभी अचानक जमीन इतनी जोर से हिली कि पूरा देश दहल उठा. कोलंबिया में 7.4 की बेहद खतरनाक तीव्रता का एक भीषण भूकंप आया है. झटके इतने ज्यादा तेज थे कि देखते ही देखते चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल बन गया. लोग अपने-अपने घरों, दफ्तरों और ऊंची इमारतों से निकलकर जान बचाने के लिए सड़कों और खुले मैदानों की तरफ भागने लगे।

मध्य प्रदेश : नाले में बही वैन, 9 की मौत

भोपाल। पुलिस ने बताया कि सोमवार को मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में 11 यात्रियों को ले जा रही एक वैन उफनते नाले के तेज बहाव में बह गई, जिससे तीन बच्चों और दो महिलाओं समेत नौ लोगों की मौत हो गई। यह हादसा सुबह करीब 9.30 बजे पचोर-सारंगपुर रोड पर पडाना के पास हुआ। इस दौरान दो यात्री तैरकर सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहे।

चमोली में बादल फटा तबाही का मंजर

उत्तराखंड । उत्तराखंड के चमोली जिले के तमक इलाके में बादल फटने से भीषण तबाही मची है। अचानक आए सैलाब और भारी मलबे के कारण एक भारी-भरकम पुल ताश के पत्तों की तरह पानी में बह गया, कई वाहन इसकी चपेट में आ गए, और सीमा सड़क संगठन (BRO) का एक कर्मचारी भी लापता बताया जा रहा है।

कोई भी पात्र व्यक्ति पेंशन योजना से वंचित नहीं रहेगा : मुख्यमंत्री

राज्य में 1.01 करोड़ पेंशनधारियों के खाते में भेजे 1157 करोड़ रुपए

बिहार पेंशन दिवस पर मुख्यमंत्री ने डीबीटी से किया राशि का ट्रांसफर

पटना (एनएसबी)। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को लोक सेवक आवास स्थित संकल्प सभागार में 1 करोड़ 1 लाख 33 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के खाते में डीबीटी के माध्यम से प्रति व्यक्ति 1100 रुपये की दर से कुल 1157 करोड़ 72 लाख रुपये की राशि का हस्तांतरण किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित इस

गरीब, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों की सामाजिक सुरक्षा के प्रति सरकार प्रतिबद्ध

छूटे हुए सभी पात्र लाभार्थियों को जिलाधिकारी पेंशन योजना का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें

कार्यक्रम में सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारी तथा सभी जिलों के जिलाधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति भी जुड़े हुये थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज राज्य के 1 करोड़ 1 लाख 33 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के बैंक खातों में 1157 करोड़ 72 लाख

रुपये की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पेंशन दिवस के इस अवसर पर सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों को बधाई एवं शुभकामनायें देता हूं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के लिये राशि 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये की गयी। हमलोगों की सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के खाते में प्रत्येक महीने की 10 तारीख को राशि हस्तांतरित कर दी जायेगी। यह सरकार की पारदर्शी, जवाबदेह एवं तकनीक आधारित जनकल्याणकारी व्यवस्था का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि हमलोगों की सरकार गरीब, बुजुर्ग, दिव्यांग एवं समाज के वंचित वर्गों के सम्मान और सामाजिक सुरक्षा को सर्वाच्च प्राथमिकता देती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि कोई भी सामाजिक सुरक्षा पेंशन के पात्र लाभार्थी छूटे नहीं। उन्होंने कहा कि पेंशन वितरण समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से होता रहे ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक को सम्मानपूर्वक सामाजिक सुरक्षा का लाभ मिल सके। सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये किये जाने से लोगों के जीवन में बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि राज्य के 1 करोड़ 70 लाख परिवारों को 125 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान की जा रही है। इसके लिये 23 हजार करोड़ रुपये की सब्सिडी राज्य सरकार की तरफ से खर्च की जा रही है। गरीब, वंचित एवं जरूरतमंद वर्गों की सामाजिक सुरक्षा के प्रति सरकार प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री बिजेन्द्र प्रसाद यादव, समाज कल्याण मंत्री डॉ श्वेता गुप्ता, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, समाज कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव एचआर श्रीनिवास, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, सामाजिक सुरक्षा की निदेशक डॉ प्रीति सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे जबकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के जिलाधिकारी, गणमान्य व्यक्ति एवं लाभार्थीगण जुड़े हुये थे।

तिरंगे की गरिमा और सम्मान की रक्षा करना युवा पीढ़ी का दायित्व : सम्राट

पटना (एनएसबी) । मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत सोमवार को जेपी गोलंबर से कारगिल चौक तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा कार्यक्रम का गांधी मैदान में मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं तिरंगा झंडा लहराकर विधिवत शुभारंभ किया। सीएम के नेतृत्व में निकली इस तिरंगा यात्रा में भारत माता की जयघोष, राष्ट्रभक्ति की धुन एवं ढोल-नगाड़ों की गूंज के बीच बिहार सरकार के मंत्रीगण, विधायकगण, विधान पार्षदगण, स्कूली छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि पीएम मोदी एवं पूर्व सीएम नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में बिहार में तिरंगा यात्रा की शुरूआत हुई है, जो 17 अगस्त तक चलेगी। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल तीन रंगों का ध्वज नहीं है। हमारे पूर्वजों एवं स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को आजादी दिलाई है। तिरंगा उनके त्याग, बलिदान और हमारे राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। यह देश की अखंडता, संप्रभुता, एकता, लोकतंत्र और स्वाभिमान की पहचान है। भारत शांति का पक्षधर है, लेकिन देश की सुरक्षा एवं संप्रभुता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता।

सीएम के नेतृत्व में जेपी गोलंबर से कारगिल चौक तक निकाली गई भव्य तिरंगा यात्रा

तिरंगा यात्रा में दोनों डिप्टी सीएम रहे नदारद

पटना। राजधानी में हर घर तिरंगा अभियान के तहत भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा की शुरूआत सुबह 10:30 बजे जेपी गोलंबर से हुई। यात्रा में सीएम सम्राट भी शामिल हुए। वो हाथों में तिरंगा लेकर जेपी गोलंबर से कारगिल चौक तक 1.5 किलोमीटर पैदल चले। हालांकि कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ मंच और कार्यक्रम स्थल पर दोनों उपमुख्यमंत्रियों की मौजूदगी नहीं दिखी।

भोजपुर एनकाउंटर मामला : कोर्ट का बड़ा एक्शन

SDM समेत 11 अफसरों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट

आरा (एनएसबी)। भोजपुर के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में सोमवार को आरा की अदालत ने बड़ा कदम उठाते हुए एसडीएम, एसडीपीओ और थाना प्रभारी सहित कुल 11 अधिकारियों के खिलाफ गैर-जमानती वारंट (ठइह) जारी करने का आदेश दिया। अदालत ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय के भीतर गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। अदालत की इस कार्रवाई को मामले की सुनवाई में अहम मोड़ माना जा रहा है। भरत तिवारी एनकाउंटर को लेकर पिछले कई सप्ताह से न्यायिक प्रक्रिया जारी है और इस मामले में पुलिस कार्रवाई पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। कोर्ट ने अब आदेश के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए सख्त रुख अपनाया है। इससे पहले पटना हाईकोर्ट भी मामले में सभी महत्वपूर्ण साक्ष्यों—जैसे सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (उउफ), स्टेशन डायरी, वायरलेस लॉग और पोस्टमार्टम रिकॉर्ड—को सुरक्षित रखने का निर्देश दे चुका है, ताकि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से आगे बढ़ सके।

इंडिया-फुकेट फ्लाइट हादसा ऑटो पायलट हुआ डिस्कनेक्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया के 4 अगस्त को दिल्ली-फुकेट फ्लाइट में हुए टबुर्लेंस पर नया खुलासा हुआ है। न्यूज एजेंसी ढळक ने सूत्रों के मुताबिक बताया कि, फ्लाइट में कई तकनीकी खराबियां आई थीं। विमान का हाइड्रोलिक सिस्टम तीन बार फेल हुआ। ऑटो पायलट भी डिस्कनेक्ट हो गया था। इसके तुरंत बाद को-पायलट ने मैनुअल तरीके से विमान का कंट्रोल संभाला। विमान के कई इंडिकेटर स्विच कुछ समय के लिए बंद हो गए थे। इस दौरान विमान को हवा में झटके भी लगे। जिसके बाद विमान अचानक करीब 300 फीट नीचे आ गया था। फ्लाइट में 137 यात्री और 8 क्रू मेंबर सवार थे। 17 लोग घायल हुए। मामले की जांच एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) कर रहा है।

लंबित ऋण आवेदनों को 10 दिनों में स्वीकृति करें बैंक : प्रत्यय अमृत

पटना (एनएसबी)। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के यूएलए मॉडल की सोमवार को मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की अध्यक्षता में विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिलावार प्रगति, लाभार्थियों को बैंक ऋण उपलब्ध कराने की स्थिति, रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना तथा योजना के निर्धारित लक्ष्यों की समीक्षा की गई।

मुख्य सचिव ने बैंकों के शीर्ष अधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना से जुड़े सभी लंबित ऋण आवेदनों का 10 दिनों के अंदर स्वीकृति सुनिश्चित करें। उन्होंने पात्र लाभार्थियों के ऋण आवेदन को अनावश्यक रूप से रिजेक्ट नहीं करने तथा रिजेक्शन के कारणों की बैंक स्तर पर

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की विस्तृत समीक्षा

समीक्षा करने को कहा। जिन आवेदनों में आवश्यक कमियां हैं, उन्हें दूर कर पात्र लाभार्थियों को जल्द ऋण उपलब्ध कराने की दिशा में कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। सभी बैंकों को राज्य के सभी जिलों में शाखा-वार समीक्षा करने का निर्देश दिया गया। विशेष रूप से उन तीन जिलों पर फोकस करने को कहा गया, जहां ऋण रिजेक्शन की दर अधिक है और ऋण स्वीकृति में अधिक समय लग रहा है। बैठक में स्पष्ट किया गया कि ऋण स्वीकृति के लिए बैंकों द्वारा लाभार्थियों से ऑनलाइन जमा किए गए दस्तावेजों के अतिरिक्त किसी अन्य आय प्रमाण संबंधी दस्तावेज की मांग नहीं की जाएगी। केवल संपत्ति के स्वामित्व अथवा बिजली बिल के स्वामित्व संबंधी विवरण में अंतर के आधार पर ऋण आवेदन को रिजेक्ट नहीं किया जाएगा।

झारखंड विस गेट पर छात्रों का उग्र प्रदर्शन

मुख्यमंत्री बोले-छात्रों की मांगों पर सरकार गंभीर, छात्रों ने बैरिकेडिंग तोड़ी, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

रांची (एजेंसी)। झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित धांधली के खिलाफ रांची में 18 दिनों से जारी छात्र आंदोलन थमने का नाम नहीं ले रहा।

सोमवार सुबह से विधानसभा मार्च के लिए इकट्ठा हुए हजारों छात्र देर शाम तक डटे रहे। इस दौरान पुलिस और छात्रों के बीच कई बार झड़प हुई। छात्रों के उग्र प्रदर्शन को रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का प्रयोग किया। फिर छात्र मानने को तौयार नहीं हुए तब पुलिस न बल प्रयोग किया। पुलिस ने छात्रों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, आंसू गैस के गोलों और लाठीचार्ज के बावजूद आंदोलित युवा पीछे हटने का नाम नहीं ले रहे थे। आंदोलन की गूंज के बीच झारखंड विधानसभा की कार्यवाही सोमवार को विपक्ष

की गैरमौजूदगी में संचालित हुई। दोपहर बाद सगन की कार्यवाही मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी गई, लेकिन सड़कों पर जमा हजारों की भीड़ जिद पर अड़ी हुई है। सुरक्षा के बहुस्तरीय घेरे को ताश के पत्तों की तरह ध्वस्त करते हुए जब प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग हटाकर आगे बढ़ने लगे, तब स्थिति बेहद बेकाबू हो गई। भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस ने पहले वाटर कैनन से पानी की बौछारें छोड़ीं, लेकिन जब बेखौफ छात्र आगे बढ़ते रहे तो पुलिस ने आंसू गैस के छह गोले दागे और फिर लाठीचार्ज कर दिया।

छात्रों पर बल प्रयोग गलत : राहुल गांधी

रांची। झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग को गलत बताते हुए राज्य सरकार से छात्रों की बात सुनने और बातचीत के जरिए समस्या का समाधान करने की अपील की। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि झारखंड में विरोध प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ बल का इस्तेमाल गलत है।

IAS दीप्ति गौर मुखर्जी नई उच्च शिक्षा सचिव नियुक्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सोमवार को IAS दीप्ति गौर मुखर्जी को नया उच्च शिक्षा सचिव नियुक्त किया। नियुक्ति केंद्र सरकार के शीर्ष स्तर के नौकरशाही फेरबदल के तहत की गई है।

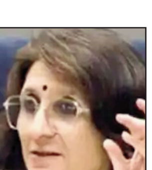

पहले कॉरपोरेट मामलों की सचिव थीं

दीप्ति गौर मुखर्जी 1993 बैच की मध्य प्रदेश कैडर की क्अर अधिकारी हैं। वे अभी कॉरपोरेट मामलों की सचिव के तौर पर काम कर रही थीं। मुखर्जी, विनीत जोशी की जगह लेंगी। विनीत जोशी को पिछले महीने पंचायती राज मंत्रालय का सचिव नियुक्त किया गया था। कोलकाता के एक स्कूल की कम से कम 24 छात्राओं को सोमवार रात आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि छात्राएं अचानक बीमार हो गई थीं। सभी छात्राओं का अस्पताल के इमरजेंसी विभाग में इलाज चल रहा है। उन्होंने बुखार, पेट दर्द और उल्टी की शिकायत की है, हालांकि उनकी हालत स्थिर है। अधिकारी के मुताबिक, छात्राओं के एक ही समय पर बीमार होने की सही वजह अभी पता नहीं चली है।

अब शिक्षकों को टीईटी पास करने का समय 2028 तक बढ़ा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सोमवार को लोकसभा में बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निदेर्शानुसार आरटीई अधिनियम के दायरे में आने वाले स्कूलों में शिक्षक के रूप में नियुक्ति के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य न्यूनतम योग्यता है। पात्र शिक्षकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर टीईटी योग्यता हासिल करनी होगी। शिक्षा राज्यमंत्री जयंत चौधरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने एक सितंबर 2025 के अपने फैसले में टीईटी को बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 की धारा 23 के तहत निर्धारित न्यूनतम योग्यताओं में शामिल माना था। अदालत ने पात्र शिक्षकों को निर्धारित समय सीमा में टीईटी उत्तीर्ण करने का निर्देश दिया था। बाद में 29 मई 2026 को समीक्षा याचिकाओं का निपटारा करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने टीईटी योग्यता हासिल करने की समय सीमा 31 अगस्त 2027 से बढ़ाकर 31 अगस्त 2028 कर दी।

बागमती नदी खतरे के निशान से ऊपर, कटाव बढ़ा

पटना (एनएसबी)। उत्तरी बिहार और नेपाल में बागमती नदी के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के कारण नदी का जलस्तर फिर से बढ़ गया है और यह खतरे के निशान को पार कर गया है।

डुब्बाघाट गेज स्टेशन पर बागमती नदी का खतरे का स्तर 61.28 मीटर है। नदी अभी 61.33 मीटर पर बह रही है, जो खतरे के निशान से 5 सेंटीमीटर अधिक है। बताया जा रहा है कि इस मौसम में यह अब तक का सबसे अधिक जलस्तर है और बहाव लगातार तेज हो रहा है। नदी का जलस्तर बढ़ने के साथ ही पानी तटबंधों के

निचले इलाकों में घुसा बाढ़ का पानी

भीतर तेजी से फैल रहा है और कई निचले इलाकों की ओर बढ़ रहा है। बाढ़ का पानी डुब्बाघाट स्थित एनडीआरएफ कैंप में भी घुस गया है। डुब्बाघाट, पिपराही घाट, अडौरी घाट और मोटनाजे सहित कई जगहों पर भारी कटाव की सूचना मिली है। खेती की जमीन और खड़ी फसलें प्रभावित हो रही हैं क्योंकि कृषि भूमि के हिस्से धीरे-धीरे बह रहे हैं। जलस्तर बढ़ने और तेज बहाव के कारण तटबंधों के पास रहने वाले गांवों के लोगों में चिंता बढ़ गई है। हालात बिगड़ने के साथ ही बाढ़ का खतरा भी बढ़ रहा है। पिपराही में बागमती पुल के पिलर नंबर 1 के पास भी लगातार कटाव हो रहा है और प्रभावित क्षेत्र धीरे-धीरे बढ़ रहा है। नदी के दोनों किनारों पर कटाव की सूचना मिली है, जिससे आसपास के बुनियादी ढांचे और बस्तियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। जिला मजिस्ट्रेट प्रतिभा रानी के निर्देशों पर जिला प्रशासन और बागमती डिवीजन की टीमों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। बाढ़ को रोकने और तटबंधों को मजबूत करने का काम लगातार चल रहा है। कटाव को रोकने के लिए कमजोर जगहों पर बड़े पत्थर और रेत की बोरियां लगाई जा रही हैं। बागमती डिवीजन की टीमें नदी पर चौबीसों घंटे नजर रख रही हैं और पानी के स्तर में होने वाले बदलावों पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं।

भूमिहीन विद्यालयों को प्राथमिकता के आधार पर मिलेगी जमीन : डा. जायसवाल

दैनिक नवसंदेश

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डा. दिलीप जायसवाल ने आश्वासन दिया है कि राज्य के भूमिहीन विद्यालयों को प्राथमिकता के आधार पर भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। दो महीने में 20 केंद्रीय विद्यालयों के लिए पांच-पांच एकड़ भूमि दी गई है। विद्यालयों और खेल मैदानों से अतिक्रमण हटाया जाएगा। शिक्षा विभाग के भूमि संबंधी कार्यों के निष्पादन के लिए अलग से डीसीएलआर या एडीएम स्तर के पदाधिकारी को नोडल अफसर के रूप में तैनात किया जाएगा।

अधिवेशन भवन में चल रहे राज्यस्तरीय कार्यशाला सह चिंतन शिविर के दूसरे दिन सोमवार को डा. जायसवाल ने शिक्षा अधिकारियों को काम की गुणवत्ता सुधारने और तनावमुक्त होकर काम करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में माननीय शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी भी मौजूद रहे।

डा. जायसवाल ने कहा कि राजस्व विभाग के पास अबतक ऐसे 147 विद्यालयों की सूची आई है जहां पर अतिक्रमण है। यह संख्या और बढ़ सकती है। ऐसे विद्यालयों को अतिक्रमणमुक्त कराने और विद्यालयों तक पहुंच पथ के लिए जमीन देने की दिशा में त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

अधिवेशन भवन में चल रहे राज्यस्तरीय कार्यशाला सह चिंतन शिविर के दूसरे दिन सोमवार को राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डा. दिलीप जायसवाल का स्वागत करते शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी।

बोले-शिक्षा विभाग के कार्यों के निष्पादन के लिए अलग से नोडल अफसर की होगी तैनाती

महीने में एक दिन विद्यालय में जाकर बच्चों से संवाद करें अधिकारी

डा. जायसवाल ने कहा - राजस्व विभाग के पास अबतक ऐसे 147 विद्यालयों की सूची आई है जहां पर अतिक्रमण है

उन्होंने कहा कि शिक्षक और शिक्षा विभाग के अधिकारी नई पीढ़ी को तैयार करने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी की पहल से शिक्षकों की समस्याएं एक-एक कर दूर की जा रही हैं। शिक्षक भी शिक्षा की गुणवत्ता में लगातार सुधार के लिए समर्पित होकर काम करें।

राजस्व मंत्री ने सुझाव दिया कि विभागीय सचिव, डीईओ, आरडीडी और डीपीओ सहित सभी पदाधिकारी महीने में कम से कम एक दिन किसी विद्यालय में जाकर बच्चों से संवाद करें और कक्षा लें। इससे शिक्षा व्यवस्था की जमीनी स्थिति को समझने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को सोने से पहले पूरे दिन के काम का आकलन करना चाहिए। साथ ही अगले दिन किए जाने वाले कार्यों की योजना बनाकर ही सोना चाहिए। काम का मूल्यांकन करने से उसकी गुणवत्ता में सुधार आता है।

उन्होंने शिक्षा अधिकारियों से कहा कि काम के दबाव को अपने ऊपर हावी न होने दें। अधिकारी कलम और दिमाग से काम करते हैं। इसलिए मानसिक तनाव को कम करना जरूरी है। दिन में कई लोगों से मिलने वाले अधिकारी को हर व्यक्ति से नई ऊर्जा और मुस्कान के साथ मिलना चाहिए। यह जरूर ध्यान रहे कि आपका हर काम परिणाम केंद्रित होना चाहिए।

राजस्व मंत्री ने कहा कि अधिकारियों और शिक्षकों को समय-समय पर ऐसे चिंतन शिविरों के माध्यम से अपने काम की समीक्षा करनी चाहिए। इससे शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार का आकलन किया जा सकेगा।

इससे पहले शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और मोमेंटो देकर स्वागत किया।

खबरें : एक नजर में

बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डा. प्रेम कुमार ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की

पटना (दैनिक नवसंदेश)। बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डा. प्रेम कुमार ने भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान पटना में शहीद हुए अमर क्रांतिकारियों को नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि 11 अगस्त 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान पटना में हुए ऐतिहासिक घटनाक्रम की गूंज आज भी हमारे दिलों में है। इस दिन हजारों छात्रों ने पटना सचिवालय पर राष्ट्रीय झंडा फहराने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में अंग्रेजी प्रशासन ने युवाओं पर अंधाधुंध गोलियां चलाईं, जिसमें सात वीर युवा शहीद हो गए। इन सात युवाओं का बलिदान न केवल बिहार, बल्कि देश भर के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बना। यह घटना स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में साहसिक छात्र बलिदान का प्रतीक है। ध्यातव्य है कि पटना कांड की स्मृति में पटना सचिवालय के समक्ष स्थित श्सप्तमूर्तिश शहीद स्मारक आज भी उनके अतुल्य बलिदान की याद दिलाती है।

रक्तदान महादानः आपका एक कदम, किसी के जीवन की नई उम्मीद

पटना (दैनिक नवसंदेश)। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त को इंडिया पजिटिव द्वारा आयोजित होने वाले विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में अब तक अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने वाले सभी रक्तवीरों का हृदय से आभार एवं अभिनंदन किया गया है। यह संकल्प किसी जरूरतमंद के जीवन में नई आशा और नई मुस्कान लेकर आएगा। टीम इंडिया पजिटिव आपकी इस मानवीय पहल के लिए हार्दिक धन्यवाद एवं साधुवाद प्रकट करती है। यदि आप भी इस पुण्य एवं महादान में सहभागी बनना चाहते हैं, तो कृपया अपना नाम एवं मोबाइल नंबर भेजकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। आइए, स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या को मानवता की सेवा के इस महान अभियान का हिस्सा बनें। एक यूनिट रक्त कई जिंदगियों के लिए अमूल्य उपहार।

अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाने की घोषणा

मोकामा/ पटना (दैनिक नवसंदेश)। शुक्रवार को मोकामा थाना क्षेत्र अंतर्गत चिंतामणिचक से गिरफ्तार किए गए रंजन कुमार की गिरफ्तारी के विरोध में सोमवार को मोकामा नगर परिषद कर्मियों ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारे लगाए और प्रदर्शन किया।साथ ही नगर परिषद कर्मियों ने अनिश्चित कालीन हड़ताल पर जाने की घोषणा की।हालांकि विरोध प्रदर्शन में शामिल कई कर्मियों ने बातचीत में बताया कि उन्हें कुछ पता नहीं है कि किस बात के लिए प्रदर्शन हो रहा है।प्रदर्शन में शामिल कई कर्मियों ने आरोप लगाया कि रंजन कुमार को गलत तरीके से फंसा कर जेल भेजा गया है।प्रदर्शन में शामिल लोगों ने रंजन कुमार की तत्काल रिहाई,पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई,लिखित रूप से माफी और भविष्य में बिना समुचित जाँच एवं पर्याप्त साक्ष्य के नगर परिषद कर्मचारी को गलत तरीके से फंसाने अथवा गिरफ्तार करने की कार्रवाई पर रोक लगाने की माँग की।

ईशा फाउंडेशन को तारापुर में दी गई 15 एकड़ जमीन, आदियोगी प्रतिमा और आधुनिक योग केंद्र की होगी स्थापना, शिव परिपथ और कांवरिया पथ के केंद्र तारापुर को मिलेगी नई पर्यटन पहचान

पटना (दैनिक नवसंदेश)। बिहार सरकार ने पर्यटन को नई ऊंचाई प्रदान करने और आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। मुंगेर जिले के तारापुर प्रखंड के गाजीपुर गांव में सांस्कृतिक, धार्मिक और पर्यटकीय सुविधाएं विकसित होंगी। हाल ही में कैबिनेट ने तारापुर के गाजीपुर में 15.01 एकड़ सरकारी जमीन को तमिलनाडु के कोयंबटूर के वेल्लियांगिरी फुटहील स्थित ईशा फाउंडेशन को 99 वर्षों की लीज पर मात्र 1 रुपये प्रतिवर्ष के टोकन रेंट पर देने की मंजूरी दे दी है। ईशा फाउंडेशन यहां अंतरराष्ट्रीय स्तर का योग केंद्र, भव्य आदियोगी प्रतिमा तथा अत्याधुनिक सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और पर्यटन अवसंरचना का विकास करेगा।

तारापुर प्राचीन अंग जनपद की पावन भूमि है, जो शिव परिपथ और कांवरिया पथ का महत्वपूर्ण केंद्र भी है। यहां हर वर्ष लाखों श्रद्धालु आस्था की यात्रा पर आते हैं। इस परियोजना के पूरा होने के बाद तारापुर न केवल बिहार बल्कि पूरे देश और विश्व स्तर पर योग, ध्यान, वेलनेस तथा आध्यात्मिक पर्यटन का प्रमुख गंतव्य बन जाएगा। परियोजना के तहत यहां भव्य आदियोगी महादेव प्रतिमा की स्थापना की जाएगी, अंतरराष्ट्रीय मानकों वाला ईशा योग केंद्र स्थापित होगा, योग-ध्यान एवं आध्यात्मिक कार्यक्रमों के लिए आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, सांसतिक एवं पर्यटन अवसंरचना का विकास होगा तथा देवघर मार्ग से बेहतर यातायात कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जाएगी।

जिला सांख्यिकी पदाधिकारी-सहायक निदेशक के मुख्य (लिखित) प्रतियोगिता परीक्षा का परिणाम जारी

पटना (दैनिक नवसंदेश)। विज्ञापन संख्या 38/2025 के तहत योजना एवं विकास विभाग, बिहार के अन्तर्गत जिला सांख्यिकी पदाधिकारी सहायक निदेशक के पदों पर नियुक्ति के लिए 29 जनवरी एवं 30 जनवरी को आयोजित मुख्य (लिखित) प्रतियोगिता परीक्षा में कुल 483 उम्मीदवार उपस्थित हुए। सामान्य अध्ययन 1, सामान्य अध्ययन एवं एक ऐच्छिक विषयय कुल 03 विषयों के प्राप्तांक के योग के अनुसार तैयार की गयी संयुक्त मेधा सूची एवं कोटिवार मेधा सूची के आधार पर आयोग, साक्षात्कार हेतु कुल 124 सफल उम्मीदवारों का परीक्षाफल, अनुक्रमांकवार प्रकाशित किया गया है।

आयोग के मुताबिक लिपीकीय टंकण भूलवश हुई किसी त्रुटि के कारण परीक्षाफल में संशोधन हो सकता है।

उपर्युक्त सफल घोषित उम्मीदवारों में अनारक्षित कोटि के अन्तर्गत 50, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग कोटि के अन्तर्गत 13, अनुसूचित जाति कोटि के अन्तर्गत 18, अत्यंत पिछड़ा वर्ग कोटि के अन्तर्गत 25, पिछड़ा वर्ग कोटि के अन्तर्गत 15 एवं पिछड़े वर्गो की महिला कोटि के अन्तर्गत 03, कुल 124 उम्मीदवार हैं।

उपर्युक्त 124 उम्मीदवारों में दिव्यांगता के आधार पर देय क्षैतिज आरक्षण के प्रावधान के तहत सफल घोषित 03 अस्थि दिव्यांग एवं 03 मनोविकार बहु दिव्यांग उम्मीदवार शामिल हैं।

उक्त 124 उम्मीदवारों की सूची में बिहार राज्य के भूतपूर्व स्वतंत्रता सेनानियों के नाती नातिनी पोता पोती कोटि के 03 उम्मीदवार शामिल है।

केंद्रीय पर्यटन मंत्री से मिले मंत्री केदार गुप्ता

पटना (दैनिक नवसंदेश)। पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता ने राज्य के प्रमुख तीर्थ एवं पर्यटन स्थलों के समग्र विकास के लिए केंद्र सरकार के समक्ष प्रस्तुत प्रस्ताव पर शीघ्र क्रियान्वयन हेतु पहल करने का अनुरोध केंद्रीय पर्यटन मंत्री से किया है। पर्यटन मंत्री गुप्ता ने भारत सरकार के पर्यटन एवं संस्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से मुलाकात कर केंद्रीय बजट घोषणा 2024-25 के अनुपालन हेतु दिए गए प्रस्ताव पर शीघ्र विचार का अनुरोध किया। मंत्री श्री गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय बजट घोषणा 2024-25 के अंतर्गत राज्य में प्रमुख तीर्थ एवं पर्यटन स्थलों के विकास के लिए गयाजी-बोधगया, नालंदाराजगीर हेतु अंतिम व्यापक गंतव्य रणनीति एवं विकास योजना प्रस्तुत की गई थी। इस योजना का उद्देश्य संबंधित क्षेत्रों की पर्यटन क्षमता में वृद्धि करना तथा केंद्रीय बजट घोषणा के अनुरूप समन्वित एवं सतत विकास सुनिश्चित करना है।

इसी क्रम में बिहार सरकार द्वारा गयाजी-बोधगया के लिए 1,080.00 करोड़ एवं नालंदाराजगीर के लिए 1,050.00 करोड़ की विकास योजना तैयार की गई है। जिनका विस्तृत आधारभूत विश्लेषण प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया गया है। प्रसाद योजना के तहत बेगूसराय जिलान्तर्गत सिमरिया घाट के विकास हेतु 1,216.02 लाख का परियोजना प्रस्ताव भी दिया जा चुका है तथा इसकी स्वीति प्रतीक्षित है। पर्यटन मंत्री द्वारा अनुरोध किया गया कि केंद्रीय बजट घोषणा 2024-25 के अनुपालन में प्रस्तुत योजनाओं पर शीघ्र विचार किया जाए, ताकि राज्य के महत्वपूर्ण तीर्थ, ऐतिहासिक एवं पर्यटन स्थलों के विकास की प्रक्रिया को अपेक्षित गति प्रदान की जा सके। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा संबंधित योजनाओं पर यथाशीघ्र सैद्धांतिक स्वीति प्रदान की जाए, ताकि गयाजी, बोधगया, नालन्दा एवं राजगीर के प्रस्तावित विकास कार्यो को बिना विलम्ब आगे बढ़ाया जा सके।

केंद्रीय पर्यटन मंत्री से मिले मंत्री केदार गुप्ता।

पटना के कलेक्ट्रेट घाट से गंगाजल लेकर 35 किमी पैदल बैकठपुर पहुंचे शिवभक्त

खुसरूपुर (दैनिक नवसंदेश)। प्रखंड के बैकठपुर स्थित ऐतिहासिक श्रीगौरीशंकर मंदिर 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गूंजायमान रहा। सावन की दूसरी सोमवारी को एक लाख से अधिक शिवभक्तों ने जलाभिषेक किया। सावन की दूसरी सोमवारी को लेकर आधी रात से ही भक्तों की कतार लगनी शुरू हो गई थी। इसके बाद जलाभिषेक के लिए सोमवार तड़के 1:30 बजे ऐतिहासिक श्रीगौरीशंकर मंदिर का पट खोला गया। जलाभिषेक के लिए देर शाम तक शिवभक्तों की लंबी कतार लगी रही। उधर, पटना के कलेक्ट्रेट घाट से गंगाजल लेकर श्रद्धालु 35 किमी पैदल चलकर बैकठपुर पहुंचे और श्रीगौरीशंकर मंदिर में जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की। प्रशासन की ओर से भीड़ को नियंत्रित करने के लिए मंदिर परिसर में बैरिकेडिंग की गई थी। महिला और पुरुष भक्तों को अलग-अलग कतार से गर्भगृह तक पहुंचाया गया। जिला प्रशासन और मंदिर प्रबंधन ने सुरक्षा का पुख्ता इंतजाम किया। समाजसेवी संजय कुमार जायसवाल एवं कनक लता जायसवाल ने लगातार नौवें वर्ष भी मंदिर में शिविर लगाकर शिव भक्तों के बीच नींबू शरबत,फल एवं बिस्किट का वितरण किया।वहीं प्रेम यूथ फाउंडेशन के दर्जनों स्वयंसेवकों ने भीड़ नियंत्रण में प्रशासन को सहयोग किया। खुसरूपुर बीडीओ पूजा कुमारी, सीओ रवींद्र कुमार चौपाल, थानाध्यक्ष संजीव कुमार सिंह देर रात से ही मंदिर पर डटे रहे ।

बैकठपुर स्थित ऐतिहासिक श्रीगौरीशंकर मंदिर 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गूंजायमान रहा।

बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय 5 एकड़ भूखण्ड पर बनकर तैयार

एक ही छत के नीचे होंगे सभी प्रशासनिक कार्य

पटना (दैनिक नवसंदेश)। बिहार में इंजीनियरिंग शिक्षा को नई दिशा देने के उद्देश्य से बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय का भवन और परिसर लगभग तैयार हो चुका है। भवन निर्माण विभाग द्वारा 66.92 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति से पटना के मीठापुर में लगभग 5 एकड़ भूमि पर बिहार अभियंत्रण विश्वविद्यालय परिसर का निर्माण पूरा किया गया है। विश्वविद्यालय का मुख्य भवन जी़ 4 संरचना में विकसित किया गया है, जिसमें आधुनिक प्रशासनिक जरूरतों और सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा गया है। ग्राउंड फ्लोर से लेकर चतुर्थ तल तक छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों के काम करने में सहजता को प्रमुखता दी गई है।

इवैल्यूएशन सेंटर से लेकर स्कैनिंग रूम तक मौजूद

- **ग्राउंड फ्लोर :** यहां रजिस्ट्रार, डीन, फाइनेंस अधिकारी और परीक्षा नियंत्रक के कार्यालय बनाए गए है। साथ ही इवैल्यूएशन सेंटर, स्टोर रूम, कैफेटेरिया, डबल हाइट एंट्री एरिया और प्रसाधन की व्यवस्था है।
- **प्रथम तल :** इस तल पर कुलपति का कार्यालय, भव्य कांफ्रेंस हल, स्कैनिंग रूम और इवैल्यूएशन सेंटर स्थापित किए गए हैं।
- **द्वितीय तल :** इस फ्लोर पर 11 कार्यालय कक्ष, छह स्टोर रूम, पांच स्कैनिंग रूम, एक इवैल्यूएशन सेंटर और एक कांफ्रेंस हल निर्मित हैं।
- **तृतीय तल :** यहां पांच रिकर्ड रूम के साथ पर्याप्त स्टोर और स्कैनिंग सुविधाएं हैं।
- **चतुर्थ तल :** सबसे आखिरी तल पर एक और इवैल्यूएशन सेंटर तथा दो विशाल हल बनाए गए हैं।
- परिसर में एक मंजिला गेस्ट हाउस, केयरटेकर के लिए आवासीय व्यवस्था और गार्ड रूम भी शामिल हैं।

कम शब्दों में काव्य-बिंब के माध्यम से बड़ी बात कह जाना सार्थक कविता : सिद्धेश्वर

संवेदना, संबंध और सकारात्मक दृष्टि की शायरा हैं अनीता मिश्रा 'सिद्धि'

पटना (दैनिक नवसंदेश)। कम शब्दों में लयात्मकता और काव्य-बिंब के माध्यम से बड़ी बात कह जाना सार्थक कविता की पहचान है। आज सपाट कविता पाठकों से दूर होती जा रही है। यह विचार वरिष्ठ साहित्यकार सिद्धेश्वर ने 'अवसर कविता सप्ताह' के समापन पर आयोजित 'हेलो फेसबुक कवि सम्मेलन' में व्यक्त किए। भारतीय युवा साहित्यकार परिषद एवं अवसर साहित्य यात्रा के तत्वावधान में आयोजित कविता सप्ताह के समापन अवसर पर गूगल मीट के माध्यम से सम्मेलन हुआ, जिसका फेसबुक एवं यूट्यूब पर सीधा प्रसारण भी किया गया।

सिद्धेश्वर ने चर्चित कवयित्री एवं शायरा अनीता मिश्रा 'सिद्धि' की रचनात्मकता पर चर्चा करते हुए कहा कि उनकी गजल हो या आजाद गजल, अभिव्यक्ति बेबाक, स्पष्ट और आत्मविश्वासपूर्ण है। वे अनावश्यक अलंकरणों से बचते हुए सहज भाषा में प्रभावशाली ढंग से अपनी बात कहती हैं। उनकी रचनाओं में जीवन, समाज, राष्ट्र और मानवीय संवेदनाओं के विविध रंग दिखाई देते हैं। उन्होंने उनकी गजल के इस शेर को विशेष रूप से उल्लेखनीय बताया-

जिंदगी में जो कभी पहला-सा प्यार होता है,
दिल परिंदा-सा हवाओं पर सवार होता है।

प्रथम सप्ताह की अध्यक्ष, सुप्रसिद्ध शायरा शमा कौसर शमा, ने गजल और आजाद गजल पर चर्चा करते हुए कहा कि आजाद गजल की अपनी विशेषता है, किंतु रदीफ, काफिया और बहर के निर्धारित मानकों पर खरी न उतरने वाली रचना को गजल के बजाय आजाद गजल कहना अधिक उचित है।

भारतीय युवा साहित्यकार परिषद एवं अवसर साहित्य यात्रा के तत्वावधान में आयोजित कविता सप्ताह के समापन अवसर पर गूगल मीट के माध्यम से सम्मेलन हुआ, जिसका फेसबुक एवं यूट्यूब पर सीधा प्रसारण भी किया गया।

दूसरे सप्ताह की अध्यक्ष अनीता मिश्रा 'सिद्धि' ने कहा कि समकालीन कविता पहले से बेहतर और नए तेवर के साथ लिखी जा रही है। आजाद गजल अधिक प्रासंगिक हुई है और सिद्धेश्वर ने इसे आंदोलन का रूप दिया है। उन्होंने कहा कि नए रचनाकारों को इस पहल का स्वागत करना चाहिए।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अनीता मिश्रा 'सिद्धि' ने अपनी तीन कविताओं का प्रभावशाली पाठ किया। उन्होंने कहा कि सिद्धेश्वर ने 'कविता सृजन यात्रा' जैसे रचनात्मक अभियानों के माध्यम से अनेक नई प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया है, जो सराहनीय और अभिनंदनीय कार्य है। दूसरे सत्र में घनश्याम कालजयी, निशा भास्कर, अनीता मिश्रा 'सिद्धि', सिद्धेश्वर, इंदु उपाध्याय, कमल किशोर, रशीद गौरी, राज प्रिया रानी, विजय कुमारी मौर्या, शंकर भगवान सिंह एवं ड़ अनुज प्रभात ने गीत, गजल और कविताओं का प्रभावशाली पाठ किया। इनके अतिरिक्तप्रणय सिंह, जयप्रकाश, निवेदिता झा, खुशबू मिश्रा एवं उमेश चंद्र आदि की भी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम अध्यक्ष ने रचनाओं की त्वरित एवं सार्थक समीक्षा करते हुए कहा कि कविता में चेतना का होना आवश्यक है। बिना चेतना के कविता प्रभावहीन हो जाती है। उनकी समीक्षा की सभी ने मुक्तकंठ से सराहना की। आभार-प्रदर्शन ड़ अनुज प्रभात ने किया। कविता सप्ताह में शमा कौसर शमा एवं अनीता मिश्रा 'सिद्धि' की अध्यक्षता तथा सिद्धेश्वर के संयोजन में आयोजित विभिन्न साहित्यिक गतिविधियों में रशीद गौरी, इंदु उपाध्याय, घनश्याम कालजयी, नंदलाल मणि त्रिपाठी, नंदकुमार आदित्य, दिलीप समदर्शी, विजय कुमारी मौर्य, सुनीता जागृति, प्रभात कुमार धवन, त्रिपुरारी पाण्डेय, साची लोदी, पुष्पा पांडेय, तेज नारायण राय, सुरेंद्र कुमार अरोड़ा, सुभाष सलूजा, अपूर्व कुमार, एऩ एल़ एम़ त्रिपाठी, मिंटू झा, अमरेंद्र झा उन्मेष, निर्मल कर्ण, मणि शंकर दुबे, शेख शहजाद उस्मानी, ड़ अनुज प्रभात, कमल किशोर चौधरी, वीरेंद्र नारायण झा, शंकर भगवान दास, हजारी सिंह आदि की सहभागिता रही।

खबरें खास-खास

कोलकाता में अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा की बैठक

संगठन की मजबूती और राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने का लिया संकल्प

पटना (दैनिक नवसंदेश)। कोलकाता में अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार विधान सभा अध्यक्ष डा. प्रेम कुमार ने की। बैठक में संगठन राष्ट्रीय महामंत्री रणविजय रोशन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रणजीत चंद्रवंशी, राष्ट्रीय महामंत्री संजय सिंह एवं प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह सहित संगठन के विभिन्न पदाधिकारी एवं समाज के प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

कोलकाता में अखिल भारतवर्षीय चंद्रवंशी क्षत्रिय महासभा में बोलते महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार विधान सभा अध्यक्ष डा. प्रेम कुमार।

बैठक को संबोधित करते हुए महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार विधान सभा अध्यक्ष डा. प्रेम कुमार ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति के लिए मजबूत संगठन, सामाजिक एकजुटता और राजनीतिक जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। चंद्रवंशी समाज को गांव से लेकर प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर तक संगठन को और अधिक मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि समाज की राजनीतिक और शासन में भागीदारी बढ़ाने के लिए लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से निरंतर संघर्ष करना होगा। समाज के युवाओं को संगठन से जोड़ना, महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना तथा समाज के प्रतिभावान लोगों को आगे लाना महासभा की प्राथमिकताओं में शामिल होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल सामाजिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी समाज के लोगों को आगे बढ़ाने का प्रयास होना चाहिए। डा. प्रेम कुमार ने कहा कि पश्चिम बंगाल के विकास, सुशासन, रोजगार, सुरक्षा और सामाजिक समरसता के लिए जनता की आकांक्षाओं को समझते हुए लोकतांत्रिक तरीके से सकारात्मक भूमिका निभाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता का मत सर्वोपरि है और जनता के विश्वास को विकास एवं सुशासन के माध्यम से मजबूत करना जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है।

हर घर तिरंगा अभियान के जरिए गांव-गांव तक देशभक्ति की भावना का संचार करने का प्रयास : रामकृपाल यादव

हर घर तिरंगा-2026 : राज्य के सभी पैक्सों ने निकाली बाइक रैली और तिरंगा यात्रा

पटना (दैनिक नवसंदेश)। वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सहकारिता विभाग के अंतर्गत आने वाले राज्य के सभी सहकारी समितियों एवं कार्यालयों द्वारा हर घर तिरंगा-2026 का व्यापक स्तर पर आयोजन किया जा रहा है। राज्यभर के जिला स्तरीय सहकारी बैंक, पैक्सों (प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों) एवं अन्य सहकारी संस्थानों द्वारा सोमवार को बाइक रैली निकाल कर लोगों को जागरुक किया गया है। साथ ही, पंचायत स्तर पर तिरंगा यात्राएं भी निकाली गयीं, जिनमें सहकारिता विभाग से जुड़े अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सहकारी समिति के सदस्यों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की है। सभी जिला मुख्यालयों के महत्वपूर्ण चौक-चौराहों से गुजरती हुई बाइक रैली एवं तिरंगा यात्रा लोगों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहीं। अगले एक सप्ताह में विभाग द्वारा जिला एवं पंचायत स्तर पर विविध जागरुकता कार्यक्रमों का संचालन प्रस्तावित है, जिसमें सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी, रंगोली, सेल्फी विद तिरंगा इत्यादि मुख्य रूप से शामिल हैं। सहकारिता विभाग के मंत्री रामकृपाल यादव के अनुसार, राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में सहकारिता विभाग का महत्वपूर्ण योगदान है। विभाग की पंचायत स्तर तक मजबूत उपस्थिति है। हर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से गांव-गांव तक आमजन में देशभक्ति की भावना का संचार करने का प्रयास किया जा रहा है। विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देश के अनुरूप 17 अगस्त 2026 तक इस अभियान को संचालित किया जा रहा है।

मंत्री रामकृपाल यादव।

हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत तिरंगा यात्रा में 'सुधा' ने उपलब्ध कराए निःशुल्क पेय पदार्थ

पटना (दैनिक नवसंदेश)। कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार द्वारा 'हर घर तिरंगा अभियान-2026' के अंतर्गत 10 अगस्त 2026 को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बिहार के नेतृत्व में जेपी गोलंबर से कारगिल चौक, पटना तक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना से ओत-प्रोत इस तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, युवाओं एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। तिरंगा यात्रा में शामिल प्रतिभागियों की सुविधा एवं सेवा के लिए बिहार स्टेट मिल्क को-अपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड द्वारा यात्रा मार्ग में 'सुधा' का विशेष स्टल लगाया गया। इस स्टॉल के माध्यम से तिरंगा यात्रा में शामिल लोगों को निःशुल्क सुधा जल, लस्सी एवं छाछ सहित अन्य पेय पदार्थ उपलब्ध कराए गए। इस अवसर पर बिहार सरकार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, ने 'सुधा' द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण किया। इस दौरान अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक, द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्य सचिव का स्वागत किया गया। 'सुधा' के स्टल पर तिरंगा यात्रा में शामिल विद्यार्थियों, नवयुवकों एवं अन्य गणमान्य नागरिकों ने शीतल एवं पौष्टिक पेय पदार्थो का सेवन किया। भीषण गर्मी के बीच निःशुल्क पेय पदार्थो की यह व्यवस्था यात्रा में शामिल लोगों के लिए काफी उपयोगी एवं राहत देने वाली रही।

सर्वे कार्य महत्वपूर्ण, इसे पूरा करने के लिए सरकार पूरी तरह वचनबद्ध : डा. दिलीप कुमार जायसवाल

पांच जिलों के अधिकारियों के साथ विशेष सर्वेक्षण कार्यो की समीक्षा बैठक

रिकार्ड तत्काल अपलोड करने और दस्तावेजों के सुरक्षित रख-रखाव के निर्देश

पटना (दैनिक नवसंदेश)। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री डा. दिलीप कुमार जायसवाल ने अपने कार्यालय कक्ष में सोमवार को पांच जिलों में चल रहे विशेष सर्वेक्षण कार्यो की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जहानाबाद, लखीसराय, शिवहर, अरवल एवं शेखपुरा जिलों के बंदोबस्त पदाधिकारियों के साथ सर्वेक्षण कार्य के प्रगति की समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। मंत्री ने कहा कि विशेष सर्वेक्षण का कार्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है और सरकार इसे पूरा करने के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है। सर्वेक्षण कार्य पूरा होने से भूमि अभिलेखों में पारदर्शिता आएगी और जमीन से जुड़े विवादों में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि थानों में बड़ी संख्या में मामले भूमि विवाद से जुड़े होते हैं। ऐसे में विशेष सर्वेक्षण का सफल एवं समयबद्ध निष्पादन राज्य में भूमि विवादों के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। बैठक के दौरान भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय के निदेशक सुहर्ष भगत ने प्रजेंटेशन के माध्यम से सर्वे कार्यो की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया। विभाग के सचिव जय सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सर्वेक्षण कार्य के साथ-साथ गैप एनालिसिस पर भी विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि सर्वेक्षण कार्यो में आ रही कमियों एवं चुनौतियों की पहचान कर उनका समयबद्ध समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि गैप एनालिसिस के आधार पर सर्वेक्षण कार्य की प्रगति की लगातार समीक्षा की जानी चाहिए, ताकि निर्धारित लक्ष्य को समय पर पूरा किया जा सके। समीक्षा के दौरान कुछ मौजों के आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने की जानकारी सामने आने पर मंत्री ने नाराजगी व्यक्त की।

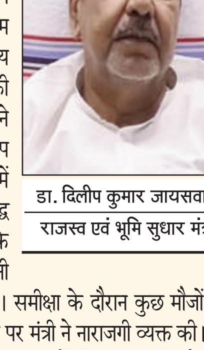

डा. दिलीप कुमार जायसवाल
राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री

इस दौरान भू-अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय के निदेशक सुहर्ष भगत, सहायक निदेशक सुबोध कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी अनुपम प्रकाश, सहायक निदेशक सह जनसंपर्क पदाधिकारी सुश्री जूही कुमारी, सहायक बंदोबस्त अधिकारी श्रीमती पल्लवी, राजस्व अधिकारी श्रीमती अनुजा सिन्हा, राजस्व अधिकारी ऐमन फातिमा समेत सर्वे से जुड़े सभी पांचों जिलों के संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

श्रावण की दूसरी सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

तारडीह (एनएसबी)। श्रावण मास की दूसरी सोमवारी के अवसर पर सोमवार को तारडीह प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर ह्यहर-हर महादेवह्ण और ह्यबोल बमह्ण के जयघोष से गूंजते रहे।श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक कर बेलपत्र, धतूरा, आक, पुष्प एवं फल अर्पित किए और परिवार की सुख-समृद्धि व क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। तारडीह स्थित बाबा भोलेश्वरनाथ मंदिर, बिदेश्वर बाबा मंदिर, कटरा, इजरहटा, बथिया, महथौर सहित विभिन्न शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। महिला, पुरुष और युवा श्रद्धालुओं ने उपवास रखकर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की।सोमवारी को लेकर मंदिर समितियों एवं स्थानीय लोगों की ओर से साफ-सफाई, पेयजल समेत श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। दिनभर मंदिरों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही और देर शाम तक जलाभिषेक व पूजा-अर्चना का सिलसिला जारी रहा। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण के बीच शिवभक्ति की विशेष छटा देखने को मिली।

अनियंत्रित ऑटो की ठोकर से मोटरसाइकिल सवार सहित कई घायल

दो की हालत गंभीर चल रहा इलाज, मौके पर पहुंची लहेरियासराय थाना की पुलिस

दरभंगा (एनएसबी)। सोमवार की दोपहर लहेरियासराय थाना क्षेत्र के इमामबाड़ी यतीमखाना के निकट मुख्य सड़क पर एक बड़ी दुर्घटना घटित हो गई। सूचना मिलते ही लहेरियासराय थाना की पुलिस मौके पर पहुंचकर घटना का लिया जायजा। बताया जाता है की इस सड़क दुर्घटना में एक ऑटो ने मोटरसाइकिल एवं सड़क किनारे लगी कई ठेलागाड़ियों ठोकर मार दिया। जिससे कई गाड़ियों को काफी नुकसान पहुंची है। इस भीषण सड़क दुर्घटना में दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही जिनका इलाज चल रहा है। वही अन्य लोगों को हल्की चोट आई है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष से मिले पैट 2024 के अभ्यर्थी, राजभवन से हस्तक्षेप की मांग

दरभंगा (एनएसबी)। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के पैट अभ्यर्थियों के एक प्रतिनिधिमंडल प्रिंस राज, शरद कुमार सिंह, विकाश साह ने रविवार को नगर विधायक सह भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी मिलकर विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा को राजभवन के निर्देश पर रद्द किए जाने के मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि पैट 2024 की पूरी प्रक्रिया विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित यूजीसी रेगुलेशन 2016 के अनुसार के अनुसार संपन्न कराई गई थी। परीक्षा आयोजित हुई, परिणाम प्रकाशित हुए और अभ्यर्थी नामांकन प्रक्रिया शुरू होने की प्रतीक्षा कर रहे थे। इसी बीच राजभवन के द्वारा पूरी प्रक्रिया रद्द कर दी गई, जिससे 1700 से अधिक सफल अभ्यर्थियों का भविष्य अनिश्चितता के दौर में पहुंच गया है। छात्रों ने कहा कि वर्षों की मेहनत और तैयारी के बाद सफलता प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों के साथ यह निर्णय अन्यायपूर्ण है। उन्होंने मांग की कि इस मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर पैट 2024 को पुनः बहाल कराया जाए तथा नामांकन प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ कराई जाए।

दहेज के लिए विवाहिता के साथ मारपीट, पति सहित नौ नामजद

सिंहवाड़ा (एनएसबी)। स्थानीय थाना क्षेत्र के भजौडा गांव मे दहेज के लिए विवाहिता के साथ ससुराल के लोगो ने मारपीट करने का मामल प्रकाश मे आया है। इस मामले मे भजौडा निवासी मनीषा कुमारी ने पति सतीश कुमार,सास बीना देवी, ससुर मदन ठाकुर, जेठ नितीश ठाकुर, मौसेरी सास अनीता देवी, मौसेरे ससुर रमण ठाकुर, ददिया सास पार्वती देवी, चचेरी सास संजू देवी सहित ससुराल पक्ष के नौ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। जिसमे दहेज के लिए मारपीट, प्रताड़ना और फांसी लगाने के प्रयास का आरोप लगाई है। दर्ज एफआईआर के अनुसार मनीषा ने 20 फरवरी 2024 को सतीश कुमार से प्रेम विवाह किया था। दोनों एक ही गांव के हैं। आरोप है कि उपरोक्त आरोपी दहेज में एक लाख रुपये व मोटरसाइकिल की मांग कर मारपीट करते हैं। उसने 29 जून को मारपीट कर गला दबाने और फांसी लगाने का प्रयास करने का आरोप लगाई है। थानाध्यक्ष बसंत कुमार ने बताया कि मामले का अनुसंधान किया जा रहा है।

जिले में 40 हजार सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के बैंक खातों में आधार सीडिंग का कार्य शेष

बैंक खातों में आधार सीडिंग हेतु जागरूकता प्रचार-प्रसार रथ हुआ रवाना

दरभंगा (एनएसबी)। जिलाधिकारी, दरभंगा कौशल कुमार द्वारा समाहरणालय परिसर से सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के बैंक खातों में आधार सीडिंग कराने हेतु जागरूकता प्रचार-प्रसार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जिले के सभी सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों से अपने बैंक खाते में आधार सीडिंग का कार्य शीघ्र सुनिश्चित कराने की अपील की,ताकि उन्हें पेंशन की राशि का भुगतान ससमय एवं सुचारू रूप से प्राप्त हो सके।जिलाधिकारी ने कहा कि ह्लआधार सीडिंग करवाएं, पेंशन समय पर पाएं, बैंक खाता आधार से जोड़ें। सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के लिए बैंक खाते में आधार सीडिंग कराया जाना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को भी अपने व्यवहार और संवाद में सकारात्मक परिवर्तन लाना चाहिए

हिंसा के विरुद्ध एकजुट हुए चिकित्सक, अभया दिवस पर निकाली जागरूकता रैली

दरभंगा (एनएसबी)। फेडरेशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफ इंडिया फॉग्सी के देशव्यापी आह्वान पर रविवार को दरभंगा में अभया दिवस मनाया गया। इस अवसर पर दरभंगा ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी के सदस्यों ने चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों और महिलाओं के विरुद्ध हिंसा रोकने तथा समाज में सुरक्षा, सम्मान और संवेदनशीलता का संदेश देने के लिए जागरूकता रैली निकाली। रैली स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के गायनी वार्ड से प्रारंभ हुई। चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मी हिंसा-विरोधी संदेशों के साथ एमसीएच एवं सर्जिकल ब्लॉक होते हुए अस्पताल अधीक्षक और प्राचार्य कार्यालय के सामने से गुजरे। इसके बाद रैली प्रशासनिक भवन के प्रांगण में पहुँचकर सभा में परिवर्तित हो गई। सभा में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. भरत प्रसाद की ओर से भेजा गया संदेश पढ़कर सुनाया गया। उन्होंने महिलाओं, चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों से अपने अधिकारों एवं सुरक्षा के प्रति सजग और सशक्त बनने की अपील की। दरभंगा ऑब्स्टेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी की अध्यक्ष डॉ. कुमुदिनी झा ने कहा, ह्लहमें हर प्रकार की हिंसा को स्पष्ट रूप से ह्यनहींह्ण कहना होगा। इसके साथ ही चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को भी अपने व्यवहार और संवाद में आवश्यक सकारात्मक परिवर्तन लाना चाहिए। रोगियों तथा उनके परिजनों के साथ सहानुभूतिपूर्ण बातचीत, सम्मान और भाईचारे का व्यवहार चिकित्सक-रोगी संबंधों को मजबूत बनाता है। सोसाइटी की सचिव डॉ. राजश्री पूर्वे,स्त्री एवं प्रसूति रोग विभागाध्यक्ष डॉ. पूजा महासेठ ने अपने विचार व्यक्त किय। वही डॉ. ओम प्रकाश ने कहा कि स्वास्थ्यकर्मियों के विरुद्ध हिंसा उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने के साथ रोगी-सेवा की गुणवत्ता को भी नुकसान पहुँचाती है। चिकित्सक सुरक्षित और मानसिक रूप से निश्चिंत रहेंगे, तभी वे रोगियों को सर्वोत्तम चिकित्सा-सेवा दे सकेंगे। रैली एवं सभा में , डॉ. अलका मिश्रा, डॉक्टर रूही यास्मीन डॉक्टर संगीता सिंह, डॉ. मधु सिन्हा डॉक्टर अर्चना भारती और डॉ. राखी सतपाल सहित स्नातकोत्तर रेजिडेंट चिकित्सकों, नर्सों एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने भाग लिया।

जागरूकता रैली में भाग लेते चिकित्सक एवं कर्मी।

बाबा कुशेश्वर नाथ महादेव मंदिर में एक लाख श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

लाइन में खड़े श्रद्धालु ।

कुशेश्वरस्थान पूर्वी (एनएसबी)। मिथिलांचल के देवघर के नाम से विख्यात कुशेश्वरस्थान शिव मंदिर में सावन की दूसरे सोमवारी को आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। लगभग एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने बाबा कुशेश्वर नाथ महादेव का जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, अमन-चैन की मंगलकामना किया। आधी रात से ही श्रद्धालु शिवगंगा घाट में स्नान कर गजेन्द्र नारायण सिंह धर्मशाला में बनाए गए घुमावदार बैरिकेडिंग में कतारबद्ध होकर मंदिर का पट खुलने का इंतजार करते रहे। इस दौरान हर-हर महादेव, बोल बम और कुशेश्वरनाथ की जय के जयघोष से पूरा मंदिर क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।अहले सुबह सरकारी पूजा संपन्न होने के बाद करीब दो बजे आम श्रद्धालुओं के लिए मंदिर परिसर का प्रवेश द्वार खोल दिया गया। श्रद्धालुओं ने चंद्रकूप से पवित्र जल लेकर अरघा में जल, बेलपत्र, पुष्प, अक्षत एवं चंदन अर्पित कर बाबा का जलाभिषेक किया। मंदिर के पश्चिमी द्वार से श्रद्धालुओं की निकासी की व्यवस्था की गई थी। भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। न्यास समिति के अध्यक्ष सह एसडीओ शशांक राज, उपाध्यक्ष सह डीएसपी प्रभाकर तिवारी, थानाध्यक्ष गौरव प्रसाद, आधी रात से ही भीड़ को नियंत्रित करने में लगे रहे और पुलिस बल को आवश्यक निर्देश देते हुए दिखे। श्रद्धालुओं की भीड़ का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि महिलाओं की कतार हजारी हाउस तथा पुरुषों की आसमा तक पहुंच गई थी। बाजार में वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने के लिए सतीघाट और धोबलिया पुल के पास बैरिकेडिंग की गई थी। सतीघाट से श्रद्धालुओं को करीब पांच किलोमीटर पैदल चलकर मंदिर पहुंचना पड़ा। समस्तीपुर, खगड़िया, मुजफ्फरपुर, मधुबनी, सहरसा समेत उत्तर बिहार के विभिन्न जिलों के अलावे नेपाल से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए पहुंचे। देर शाम तक पूजा-अर्चना का सिलसिला जारी रहा। शाम में बाबा की श्रृंगार पूजा एवं महाआरती का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। उधर, पूर्वी प्रखंड के तिलकेश्वर महादेव मंदिरों में भी दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा इलाका शिवमय बना रहा।

तिरंगा हर भारतीय के लिए आन बान और शान का प्रतीक : डा गोपाल जी ठाकुर

सांसद डा गोपाल जी ने अपने आवास पर फहराया तिरंगा

दरभंगा (एनएसबी)। हर घर तिरंगा अभियान के तहत दरभंगा के सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने दिल्ली स्थित अपने आवास पर तिरंगा फहराया तथा तथा राष्ट्र के प्रति अपने समर्पण तथा देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए अपने संकल्पों को व्यक्त किया। हर घर तिरंगा अभियान को भाजपा कार्यकताओं के लिए प्रेरणाप्रद बताते हुए सांसद डा ठाकुर कहा कि अब यह तिरंगा अभियान हर भारतीय के लिए राष्ट्र के प्रति संकल्प समर्पण तथा सम्मान का प्रतीक बन चुका है यही कारण है कि राष्ट्रवाद को अपना आदर्श मानने वाले नागरिक अपने घरों पर तिरंगा फहराना अपना नैतिक कर्त्तव्य समझते हैं। सांसद डा ठाकुर ने इस अभियान को राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम बताते हुए सांसद डा ठाकुर ने बताया कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान पर देश स्तर पर आम आवाम के द्वारा उत्साह के साथ अपने घरों पर झण्डा फहराया जा रहा है जो इस बात का प्रमाण है कि 140 करोड़ देशवासियों में राष्ट्र प्रथम की भावना सर्वोपरि है। सांसद डा ठाकुर ने तिरंगा झंडा को भारतीय चेतना का श्रेष्ठ उदाहरण बताते हुए कहा कि यह तिरंगा देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए शहीद हुए वीर जवानों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि तथा इस बात का परिचायक है कि राष्ट्र की बलिवेदी पर भारत माता की रक्षा के लिए हर नागरिक के मन में समर्पण की भावना समाहित है।

बज्रपात से प्राय आंख, कान एवं मस्तिष्क को होता है ज्यादा आघात

लनामिवि के एनएसएस कोषांग द्वारा आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण जारी

दरभंगा (एनएसबी)। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के एनएसएस कोषांग के तत्वावधान में बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पटना के सौजन्य से मधुबनी के विभिन्न कॉलेजों के 200 एनएसएस स्वयंसेवकों का सात दिवसीय "युवा आपदा मित्र आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम" जुबिली हॉल में तीसरे दिन भी जारी रहा, जिसमें शिविर संयोजक डॉ आर एन चौरसिया, कार्यक्रम समन्वयक-द्वितीय डॉ शबनम कुमारी, डॉ सोनू राम शंकर, डॉ युगेश्वर साह, डॉ अरविन्द कुमार मिलन, डॉ अनुपम प्रिया, डॉ प्रियंका राय, डॉ सुनीता कुमारी, डॉ रीता कुमारी, डॉ कमलेश्वर प्रसाद कमल, डॉ दिलीप झा, डॉ संतोष कुमार, मनीष राज सुमित कुमार झा, अमित कुमार झा, रवीन्द्र कुमार सिंह, मणिकान्त ठाकुर, मुकेश कुमार झा आदि ने सक्रिय सहयोग किया। वहीं एसडीआरएफ, पटना की ओर से हवलदार कृष्ण नंदन सिंह, रूपेश कुमार पासवान, मालिक कुमार, राजू कुमार, खोखो कुमार, देव कुमार, तनुजा कुमारी एवं संतोषी कुमारी ने स्वयंसेवकों को कई तरह से प्रशिक्षित किया। शिविर का शुभारंभ करते हुए डॉ अनुपम प्रिया ने कहा कि वैसे सीखने की कोई उम्र नहीं होती, पर युवा छात्र- छात्राओं में सीखने की काफी क्षमता एवं ललक होती है। एसडीआरएफ राजू कुमार ने बज्रपात होने के कारण, प्रभाव तथा इसके दौरान क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए को विस्तार से बताते हुए कहा कि हम बिजली गिरने की प्राकृतिक घटना को रोक नहीं सकते हैं, परंतु इससे होने वाले जन-धन के नुकसानों को कम जरूर कर सकते हैं। कहा कि बज्रपात से प्रायः आंख, कान एवं मस्तिष्क को ज्यादा आघात पहुंचता है।

प्रशिक्षण प्राप्त करते युवा आपदा मित्र एवं अन्य ।

द्वितीय वर्ष बी.एड. सत्र 2025-27 के उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

दरभंगा (एनएसबी)। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के शिक्षा संकाय, बी.एड. नियमित में सत्र 2025झ्र27 के द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षु शिक्षकों के लिए द्वितीय वर्ष उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन सोमवार को विभाग के बहुउद्देशीय सभागार में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षु शिक्षकों को द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम, शैक्षणिक गतिविधियों, शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया तथा आगामी सत्र की कार्ययोजना से अवगत कराना था। कार्यक्रम में द्वितीय वर्ष के शत-प्रतिशत प्रशिक्षु शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार मिलन एवं विभाग के सभी प्राध्यापक की गरिमामयी उपस्थिति में दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार मिलन ने स्वागत भाषण एवं प्रशिक्षु शिक्षकों को संबोधित किया तथा विभाग में नवागत प्राध्यापकों का परिचय कराया।

डॉ मिलन ने शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाते हुए प्रशिक्षु शिक्षकों के ज्ञान, कौशल, व्यक्तित्व एवं शिक्षण दक्षता को और अधिक विकसित करने पर बल दिया। सीखने की प्रक्रिया में विद्यार्थी केवल ज्ञान प्राप्त करने वाला नहीं, बल्कि अपनी सीखने की यात्रा का सक्रिय नेतृत्वकर्ता होना चाहिए। कार्यक्रम के अगले सत्र में डॉ. निधि वत्स ने द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्या का विस्तृत परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में डॉ. कुमारी स्वर्णरेखा, डॉ. उदय कुमार, कुमार सत्यम, गोविंद कुमार, डॉ. जयशंकर सिंह, डॉ. रेशमा तबस्सुम, डॉ. श्वेता झा, डॉ. अक्षय कुमार,डा. मो. सबिहुर रहमान, डॉ. कन्हैया पांडे, डॉ. नम्रता पराशर , डॉ. शंभू प्रसाद, डॉ. अखिलेश कुमार मिश्रा, डॉ. शगुफ्ता जबीन एवं डॉ. आनंद मोहन सहित विभाग के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

शुभारंभ करते विभागाध्यक्ष डॉ. अरविंद कुमार मिलन एवं अन्य।

नशा मुक्त समाज और सशक्त राष्ट्र का निर्माण समय की मांग

दरभंगा (एनएसबी)। नशा मुक्त समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए तरूण निदान के अंतर्गत श्यामा मंदिर परिसर में प्रारंभ की गई जागरूकता अभियान। तरुण निदान के संरक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता अजीत कुमार मिश्र ने बताया कि युवाओ में बढ़ते सूखे की नशा आज चुनौती बनते जा रही है। नशा की वजह से साधारण मामले को लेकर हत्या कर दिए जाते हैं। आज छोटे छोटे नावालिग बेटी के साथ बलात्कार गैंग रेप जैसी घटनाएं घट रही है जिसके पीछे नशा मुख्य वजह है। नशा के कारण युवा अपनी जवानी खो देते हैं। परिवार परेशान और बर्वाद होता है।नशा मुक्त समाज बनाकर ही सुंदर समाज और राष्ट्र की परिकल्पना संभव है और इसके लिए समाज और सरकार दोनों को एक साथ मिलकर कार्य करना होगा। ऐसे में शिक्षालय और देवालय की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है और इसीलिए मिथिला के सुप्रसिद्ध श्यामा मंदिर परिसर से इस अभियान की शुरूआत तरुण निदान से जुड़े लोग और संगठन के द्वारा की जा रही है। छात्र नेता दिलीप कुमार ने कहा सत्याग्रह हमारी सबसे बड़ी अस्त्र है जिसके बल पर छात्र युवा सरकार से अपने मांग की पूर्ति करवाने में कामयाब होते रहे हैं. वही डॉ रमण राजेश ने कहा कि नशा मुक्त अभियान सरकार के द्वारा भी चलाए जा रहे हैं, लेकिन इसमें समाज के लोगों को भी आगे आना होगा इसके लिए विद्यालय स्तर पर अभियान चलाने की जरूरत है। प्रो विजय कुमार झा ने कहा कि हरेक विद्यालय और महाविद्यालय में नियमित रूप से नशा पर चर्चा होनी चाहिए। मनोवैज्ञानिक डॉ वैद्यनाथ कुमार ने कहा कि नशा के आदि युवकों को उनके शरीर से हानिकारक नशीले पदार्थों को सुरक्षित तरीके से बाहर निकाल कर मुख्य धारा में लाया जा सकता है। शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय घोघरडीहा के व्याख्याता डॉ बैजू बावरा ने बताया कि सरकार इसके लिए काफी गंभीर है और नशा दूर करने के लिए हरेक पहलुओं पर कार्य की जा रही है। अंबेडकर युवा केंद्र के सचिव विजय कुमार पासवान ने कहा कि इस अभियान को घर घर पहुंचाने की जरूरत है। इंदिरा कुमारी ने कहा नशा के वजह से महिला ज्यादा प्रताड़ित होती है। वरिष्ठ परामर्शी राम शंकर झा के द्वारा मेडिटेशन कराया गया।जागरूकता अभियान को सफल बनाने में मोदु बाबू संतोष यादव हरिदर्शन चौपाल डॉ अनिल शाह रौशन यादव जनार्दन मुखिया राकेश यादव आर्यन,चंदन, दुर्गेश विक्रम जय किशोर सुनील पासवान और शोभा शुक्ला का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

केवटी एवं गौड़ाबौराम प्रखंड के शिक्षक एवं शिक्षिकाओ का प्रशिक्षण शुरू

प्रखंड अध्यापक शिक्षा संस्थान माधोपट्टी मे आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

केवटी (एनएसबी)। शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल, कार्यक्षमता एवं शिक्षण दक्षता में अभिवृद्धि के उद्देश्य से प्रखंड अध्यापक शिक्षा संस्थान (बाइट), माधोपट्टी, केवटी में निरन्तर चल रहे पाँच दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का पुनः सोमवार को विधिवत शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 200 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को हर सप्ताह के सोमवार से शुक्रवार तक दिया जाता है। इस दौरान प्रशिक्षण में केवटी एवं गौड़ाबौराम प्रखंड के शिक्षक एवं शिक्षिकाएँ भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण पूर्णतः आवासीय है, जिसमें प्रतिभागी शिक्षक निर्धारित अवधि तक संस्थान में रहकर विभिन्न सत्रों में प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के अध्यापक अभ्युदय कुमार एवं रिंकू कुमारी, एडमिन ऐश्वर्या तथा प्रशिक्षु शिक्षक प्रशान्त कुमार झा एवं साक्षी कुमारी द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ ही प्रशिक्षण कार्यक्रम का औपचारिक रूप से आगाज हुआ।उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए संस्थान के अध्यापक ने प्रशिक्षण क्यों आवश्यक है इस विषय पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि शिक्षक केवल विषय-वस्तु का ज्ञान देने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, व्यवहार, चिंतन एवं भविष्य को दिशा प्रदान करने वाला मार्गदर्शक होता है। बदलते समय, नई शैक्षणिक आवश्यकताओं, नवीन शिक्षण-पद्धतियों, तकनीकी संसाधनों तथा बाल-केंद्रित शिक्षा के अनुरूप शिक्षकों का निरंतर कौशल वर्धन अत्यंत आवश्यक है। नियमित प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षक अपने अनुभवों को समृद्ध करने के साथ-साथ कक्षा-कक्ष में शिक्षण को अधिक प्रभावी, रुचिकर एवं गुणवत्तापूर्ण बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान शैक्षणिक परिवेश में शिक्षक की भूमिका निरंतर विस्तृत हो रही है। नई शिक्षा नीति, मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान एफ एल एन गतिविधि आधारित शिक्षण, समावेशी शिक्षा, बाल मनोविज्ञान तथा सूचना एवं संचार तकनीक जैसे विषयों की जानकारी शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी है। ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को नवीनतम शैक्षणिक अवधारणाओं एवं व्यवहारिक तकनीकों से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इस प्रशिक्षण के दौरान सुबह 6 बजे से योगा के साथ साथ प्रशिक्षण कार्य चलता रहता है। प्रशिक्षण के के दौरान अमोल चन्द्र झा, अरुण कुमार चौधरी, काजल कुमारी, कविता कुमारी, सीमा अफरोज, वसी आलम सहित केवटी एवं गौड़ाबौराम प्रखंड के सैकड़ों प्रशिक्षु शिक्षक एवं शिक्षिकाएँ उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथि एवं अन्य।

संक्षिप्त खबरें

खरसंड पूर्वी में सड़क पर बना बड़ा गड्ढा, हादसे की आशंका

मुख्य सड़क पर बना बड़ा गड्ढा, राहगीरों और वाहन चालकों की बढ़ी परेशानी

समस्तीपुर (एनएसबी)। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र के खरसंड पूर्वी में डीहवारनी स्थान से लक्ष्मीपुर दुर्गा स्थान जाने वाली मुख्य सड़क पर छह लेन के समीप बना बड़ा गड्ढा राहगीरों और वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। सड़क के बीचोंबीच बने गड्ढे के कारण लोगों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार पिछले कुछ समय से सड़क की स्थिति खराब होने लगी है। छह लेन के पास सड़क में बने बड़े गड्ढे के कारण इस मार्ग से गुजरने वाले दोपहिया और चारपहिया वाहनों के चालकों को विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है। अचानक सामने गड्ढा आने पर वाहन अनियंत्रित होने की आशंका बनी रहती है। खासकर बाइक सवारों के लिए यह गड्ढा दुर्घटना का कारण बन सकता है। बारिश के दौरान समस्या और गंभीर हो जाती है। गड्ढे में पानी जमा हो जाने के कारण उसकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। ऐसे में तेज गति से आने वाले वाहन चालक अचानक गड्ढे में चले जाने पर दुर्घटनाग्रस्त हो सकते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय इस मार्ग से गुजरना और भी जोखिम भरा हो जाता है, क्योंकि पर्याप्त रोशनी के अभाव में गड्ढा दूर से दिखाई नहीं देता। ग्रामीणों ने बताया कि यह सड़क आसपास के कई गांवों को जोड़ती है और प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग इस मार्ग से आवागमन करते हैं। विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, किसानों और बाजार आने-जाने वाले ग्रामीणों को भी इसी सड़क से गुजरना पड़ता है। सड़क पर बने गड्ढे के कारण सभी को परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग और प्रशासन का ध्यान इस समस्या की ओर आकृष्ट कराते हुए सड़क का तत्काल निरीक्षण कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि फिलहाल गड्ढे को भरकर सड़क को मोटरेबल बनाने के साथ स्थायी रूप से सड़क की मरम्मत कराई जाए, ताकि बारिश के मौसम में किसी बड़े हादसे की आशंका को टाला जा सके।

गुरु सम्मान समारोह में छलका शिष्यों का सम्मान और कृतज्ञता, पूर्व शिक्षकों को किया गया सम्मानित

समस्तीपुर (एनएसबी)। बीटी उच्च विद्यालय किशनपुर के पूर्ववर्ती छात्रगण के तत्वावधान में सोमवार को विद्यालय परिसर में भव्य गुरु सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ निर्धारित समय शाम पांच बजे विधायक वीरेंद्र पासवान, डॉ. ज्ञानेन्द्र, डॉ. नीलेश, डॉ. संजीव, डॉ. चंद्रमणि सहित उपस्थित शिक्षाविदों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्रों ने अपने गुरुजनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। समारोह के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले तथा आयोजक मंडल के सदस्यों को शिक्षा प्रदान कर उनके जीवन को दिशा देने वाले पूर्व शिक्षकों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वाले शिक्षकों में पूर्व प्राध्यापक एवं शिक्षाविद सचीन्द्रनाथ प्रसाद ठाकुर, सेवानिवृत्त शिक्षक धरणीधर ठाकुर, राजाराम प्रसाद सिंह, सच्चिदानंद सिंह, विनय कुमार शर्मा, सेवानिवृत्त बीईओ हरिशंकर झा एवं शिवचंद्र ठाकुर शामिल रहे। समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मानित शिक्षाविद सचीन्द्रनाथ प्रसाद ठाकुर ने कहा कि ज्ञान की कोई सीमा नहीं है। मनुष्य जीवन पर्यंत सीखता रहता है। उन्होंने गुरु सम्मान जैसे आयोजन को गुरु-शिष्य परंपरा को जीवंत रखने वाला बताया तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्रों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. चंद्रमणि, अधिवक्ता कैलाश राय, प्रधानाध्यापक पवन कुमार सारी, अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय सचिव रजनीश कुमार तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हायाघाट के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. ललित कुमार ने शिक्षा के महत्व और गुरु-शिष्य परंपरा पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक केवल पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन में सही दिशा दिखाने का काम भी करते हैं। कार्यक्रम का संचालन उत्क्रमित मध्य विद्यालय लगुनियाँ सूर्यकंठ के प्रधानाध्यापक सौरभ कुमार ने किया। आयोजन को सफल बनाने में रोसड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक वीरेंद्र पासवान एवं समाजसेवी सह विख्यात दंत चिकित्सक डॉ. ज्ञानेन्द्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का संयोजन मुकेश कुमार ने किया। समारोह के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहा। विद्यालय के पूर्ववर्ती छात्र एवं कलाकार कंचन तथा उनकी टीम ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों की खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम के दौरान पुराने छात्रों और शिक्षकों के बीच आत्मीयता का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर डॉ. नीलेश, डॉ. संजीव, मार्क इंटरनेशनल स्कूल के निदेशक पुरुषोत्तम कुमार, शोधार्थी सुजाता कुमारी, शिक्षक नेता प्रशांत कुमार सहित बीटी उच्च विद्यालय किशनपुर के सैकड़ों पूर्ववर्ती छात्र एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

वंदेमातरम कवि सम्मेलन

वंदेमातरम कवि सम्मेलन में गूंजा राष्ट्रभक्ति का स्वर, कवियों ने बांधा साहित्य का समां

समस्तीपुर (एनएसबी)। 'जिस धरती पर जन्म हुआ है, गीत उसी का गाना है, जन्मभूमि है स्वर्ग से बढ़कर, मंत्र यही दुहराना है...' राष्ट्रीय कवि संगम समस्तीपुर के जिलाध्यक्ष आचार्य विजयव्रत कंठ के इन पंक्तियों के लयबद्ध काव्यपाठ से होली मिशन हाई स्कूल का सभागार देशभक्ति के रंग में रंग गया। मौका था रविवार की देर संध्या तक राष्ट्रीय कवि संगम के बैनर तले आयोजित वंदेमातरम कवि सम्मेलन सह मिथिला विकास विमर्श का। कार्यक्रम का उद्घाटन आगत अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। विद्यालय के निदेशक डॉ. धर्मांश रंजन ने स्वागत भाषण में कहा कि राष्ट्रीय भावना के विकास में साहित्यकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। साहित्य और कविता के माध्यम से भावी पीढ़ी को देश, समाज और संस्कृति के प्रति जागरूक किया जा सकता है। उन्होंने मिथिला के सर्वांगीण विकास के लिए हरसंभव प्रयास करने का संकल्प व्यक्त किया। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कवि संगम के प्रांतीय अध्यक्ष प्रभाकर कुमार राय ने कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र जागरण और समाज सेवा है। उन्होंने कवियों और साहित्यकारों से राष्ट्रहित एवं समाजहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कवि सम्मेलन में चर्चित कवयित्री शेफालिका झा ने अपनी प्रस्तुति से खूब तालियां बटोरीं। सुप्रसिद्ध कवि विनोद कुमार हंसौड़ा ने मैथिली रचना प्रस्तुत कर श्रोताओं को हंसी से लोटपोट कर दिया। वरिष्ठ गीतकार आनंद मोहन झा की प्रस्तुति पर श्रोता झूम उठे। साहित्य अकादमी से सम्मानित साहित्यकार अमित मिश्र ने देशभक्ति से ओत-प्रोत गीत प्रस्तुत कर राष्ट्र प्रेम का संदेश दिया। युवा शायर राहुल भारद्वाज ने आतंकवाद के खिलाफ अपनी रचना के माध्यम से आवाज बुलंद की। वरिष्ठ कवि कुमुद प्रसाद गिरि ने भारत की पहचान और राष्ट्रवाद पर आधारित रचना प्रस्तुत की। उदय शंकर चौधरी नादान ने देशहित में जीवन समर्पित करने का संदेश दिया। विद्यासागर ब्रह्मचारी ने सावन से जुड़ी रचना प्रस्तुत कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। प्रो. सत्यसंध भारद्वाज ने राष्ट्र की विविध पहचान को अपनी रचना के माध्यम से सामने रखा। वरिष्ठ कवयित्री रंजना लता ने देश के लिए बलिदान की भावना को शब्द दिए। वायरल कवि वैद्यनाथ रजक ने मोबाइल के बढ़ते इस्तेमाल पर हास्य-व्यंग्य के माध्यम से बच्चों को मोबाइल से दूरी बनाने का संदेश दिया। युवा शायर विजय कुमार ने प्रेम की कोमल भावनाओं को अपनी रचना में उकेरा। कवि अमरेश शिशिर की रचना को भी श्रोताओं ने खूब सराहा। कवि सम्मेलन के दौरान सभी कवियों को अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के प्रधानाचार्य अमृत रंजन ने किया।

भारी भीड़ को नियंत्रित करने में प्रशासन के छूटे पसीने, एसडीओ ने संभाला मौर्चा

विद्यापतिनगर/एनएसबी। सावन की दूसरी सोमवारी पर विद्यापतिधाम में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। अहले सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु हाथों में गंगाजल लेकर बाबा विद्यापति की पावन धरती पर पहुंचे और भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मंदिर परिसर से लेकर आसपास के प्रमुख मार्गों तक चहल-पहल बनी रही। भीड़ का दबाव लगातार बढ़ने के कारण श्रद्धालुओं को कतारबद्ध कराने और आवागमन सुचारू रखने में एसडीओ किशन कुमार, अपर निर्वाचन पदाधिकारी रवि रंजन, सीओ कुमार हर्ष, आरओ अरुण कुमार शर्मा ने खुद मौर्चा संभाले फिर भी प्रशासन एवं पुलिस जवानों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई स्थानों पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिसकर्मियों और वोलेन्टियर को लगातार प्रयास करना पड़ा। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी रही। इसके बावजूद थानाध्यक्ष सूरज कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था को संभालते हुए श्रद्धालुओं को व्यवस्थित तरीके से मंदिर में प्रवेश कराया। मंदिर परिसर हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से गुंजायमान रहा। महिला, पुरुष और बच्चे बड़ी संख्या में जलाभिषेक के लिए पहुंचे। भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से लगातार निगरानी की गई तथा संवेदनशील स्थानों पर जवानों की तैनाती रखी गई।

प्रशिक्षण की गिनती नहीं, किसानों की जिंदगी में बदलाव की रिपोर्ट दें: कुलपति

आरपीसीएयू में 10वीं प्रसार शिक्षा परिषद की बैठक शुरू, 16 केवीके की कार्ययोजना पर मंथन

कार्यक्रम का उदघाटन करते कुलपति।

समस्तीपुर कार्यालय (एनएसबी)। अब कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) की पहचान सिर्फ प्रशिक्षणों की संख्या और किसानों की गिनती से नहीं होगी। किसानों की आय, रोजगार और आजीविका में कितना बदलाव आया, इसकी रिपोर्ट भी देनी होगी। वैज्ञानिकों को ह्यलैब टू लैंड एंड लाइवलीहुडह्ल यानी प्रयोगशाला से खेत और आजीविका तक काम करना होगा। यह बात डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पी. एस. पाण्डेय ने रविवार को 10वीं प्रसार शिक्षा परिषद की दो दिवसीय बैठक के उद्घाटन सत्र में कही। 10 और 11 अगस्त को होने वाली बैठक में विश्वविद्यालय के 16 कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्यों की समीक्षा और भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की जा रही है। कुलपति ने कहा कि किसानों को केवल उत्पादन की तकनीक बताना अब पर्याप्त नहीं है। केवीके वैज्ञानिकों को उन्हें बाजार, निर्यात प्रोटोकॉल, गुणवत्ता मानक और आधुनिक पैकेजिंग की जानकारी भी देनी होगी, ताकि किसान उत्पादक से उद्यमी बन सकें। उन्होंने कार्बन फार्मिंग के नए अवसरों से किसानों को जोड़ने पर भी जोर दिया। कहा कि कृषि प्रसार का लक्ष्य केवल प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि उसके परिणाम को खेत और किसान की जिंदगी में दिखाना होना चाहिए। आईसीएआर के पूर्व एडीजी कृषि प्रसार डॉ. रणधीर सिंह ने आरपीसीएयू के प्रसार नेटवर्क की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के सभी 16 केवीके लगातार तीन वर्षों से भारत सरकार की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर रहे हैं। इससे ग्रामीण युवाओं को कृषि से जोड़कर बदलाव की बड़ी संभावना है। पूर्व निदेशक आईआईएफएसआर डॉ. एसके शर्मा ने स्थान-विशिष्ट टिकाऊ कृषि, समन्वित कृषि प्रणाली और फसल विविधीकरण पर जोर दिया। पद्मश्री ह्यकिसान चाचीह्ल राजकुमारी देवी ने कृषि उद्यमिता, प्रसंस्करण और प्राकृतिक खेती में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की बात कही। बैठक में किसान प्रतिनिधियों ने खेती में मजदूरों की कमी समेत स्थानीय समस्याएं भी उठाई।

किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ किसानों ने निकाला प्रतिरोध मार्च

मार्च निकालते कार्यकर्ता।

समस्तीपुर कार्यालय (एनएसबी)। अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर संयुक्त किसान मोर्चा (रडट) के राष्ट्रव्यापी प्रतिरोध दिवस के तहत सोमवार को बिहार राज्य किसान सभा के जिला परिषद, समस्तीपुर के नेतृत्व में किसानों ने प्रतिरोध मार्च निकाला। बंगाली टोला से शुरू हुआ मार्च मारवाड़ी बाजार, गोला रोड, रामबाबू चौक और स्टेशन रोड होते हुए गांधी स्मारक पहुंचा। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को किसान विरोधी बताते हुए इसे रद्द करने, बिजली विधेयक 2025 वापस लेने, किसान-मजदूरों के सभी कर्ज माफ करने और खाद की कालाबाजारी पर रोक लगाने की मांग की। इसके साथ ही मनरेगा को पुनः बहाल करने की मांग भी उठाई गई। प्रतिरोध मार्च का नेतृत्व बिहार राज्य किसान सभा के जिला सचिव रामजतन सिंह राकेश ने किया। गांधी स्मारक पहुंचने के बाद मार्च प्रतिरोध सभा में तब्दील हो गया। सभा की अध्यक्षता शंभू कुमार चौधरी ने की। सभा को बिहार राज्य किसान सभा के राज्य सचिव रामचंद्र महतो, अखिल भारतीय नौजवान संघ के राष्ट्रीय परिषद सदस्य संजय कुमार, सहायक जिला सचिव देवेंद्र प्रसाद सिंह सहित रामचंद्र राय, डॉ. बी. सिंह, शत्रुघ्न प्रसाद, पणजी पलटन राय, मोहम्मद मुन्ना, बृजनंदन पासवान, नंदकिशोर राय, संजीव कुमार और मोहम्मद आलम ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि कृषि लागत में लगातार बढ़ोतरी से किसान परेशान हैं। खाद की कालाबाजारी से किसानों की मुश्किलें और बढ़ रही हैं। केंद्र सरकार को किसान और मजदूरों के हित में नीतिगत फैसले लेने चाहिए। मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक करने की चेतावनी भी दी गई।

प्रो. देवेंद्र प्रसाद शर्मा के निधन पर समस्तीपुर कॉलेज में शोकसभा

समस्तीपुर कार्यालय (एनएसबी)। समस्तीपुर कॉलेज में सोमवार को रसायन विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त सहायक प्राध्यापक प्रो. देवेंद्र प्रसाद शर्मा के निधन पर शोकसभा आयोजित की गई। महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. शशि भूषण कुमार ह्यशशिह्ल की अध्यक्षता में आयोजित शोकसभा में शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मी और छात्र-छात्राओं ने दिवंगत शिक्षक को श्रद्धांजलि अर्पित की। ज्ञात हो कि प्रो. देवेंद्र प्रसाद शर्मा का निधन छह अगस्त को गया में हो गया था। उनके निधन की खबर से समस्तीपुर कॉलेज परिवार में शोक की लहर है। शोकसभा में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। प्रधानाचार्य डॉ. शशि भूषण कुमार ह्यशशिह्ल ने कहा कि प्रो. देवेंद्र प्रसाद शर्मा ने अपने सेवाकाल के दौरान महाविद्यालय में सौंपे गए दायित्वों का पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निर्वहन किया। वे अपने कार्य एवं व्यवहार से महाविद्यालय परिवार में विशिष्ट स्थान रखते थे। उनके निधन से महाविद्यालय को अपूरणीय क्षति हुई है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। शोकसभा में उपस्थित शिक्षकों ने प्रो. शर्मा के व्यक्तित्व और उनके शैक्षणिक योगदान को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि उनका सरल व्यवहार और विद्यार्थियों के प्रति आत्मीयता लंबे समय तक स्मरणीय रहेगी। मौके पर डॉ. महेश कुमार चौधरी, डॉ. दयानंद मेहता, डॉ. खुर्शीद अहमद खान, डॉ. देवकांत, डॉ. जावेद अनवर, डॉ. अखिल वर्मा, डॉ. रीना कुमारी, डॉ. शिवानंद पटेल, डॉ. दिनेश्वर राय, डॉ. सफवान सफवी, डॉ. रणधीर कुमार, डॉ. अनिल कुमार सिंह, डॉ. श्वेता दुबे, डॉ. कविता रावत, डॉ. प्रिया दुबे, डॉ. शालिनी कुमारी भावसिंका, डॉ. प्रतिभा कुमारी, डॉ. रीना दुबे, डॉ. जितेन्द्र प्रसाद सहित अन्य शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न की शिकायतों के लिए स्थानीय समिति गठित

समस्तीपुर कार्यालय (एनएसबी)। कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम, प्रतिषेध एवं प्रतितोष अधिनियम, 2013 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए समस्तीपुर जिले में स्थानीय समिति का गठन किया गया है। महिला एवं बाल विकास निगम, बिहार, पटना के निर्देश के आलोक में जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा ने समिति के गठन का आदेश जारी किया है। समिति में महिला कॉलेज, समस्तीपुर की सहायक प्रोफेसर प्रो. सोनी सलोनी को अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं समस्तीपुर ग्रामीण की बाल विकास परियोजना पदाधिकारी प्रियंका, आशा सेवा संस्था के सचिव अमित कुमार वर्मा और प्रयास संस्था की अनामिका राज को सदस्य बनाया गया है। जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, क्ळऊ सुनीता को पदेन सदस्य बनाया गया है। स्थानीय समिति को कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों की सुनवाई, जांच और निपटारे की जिम्मेदारी दी गई है। शिकायत मिलने के बाद नियमानुसार दोनों पक्षों के बीच सुलह का प्रयास किया जा सकेगा। समझौता नहीं होने पर समिति मामले की जांच करेगी। समिति को गवाहों को बुलाने, दस्तावेज प्रस्तुत कराने और आवश्यक साक्ष्य जुटाने का अधिकार होगा। जांच 90 दिनों के भीतर पूरी करनी होगी। जांच पूरी होने के बाद समिति अपनी रिपोर्ट संबंधित नियोजक अथवा जिलाधिकारी को सौंपेगी। शिकायतकर्ता को आवश्यकता के अनुसार मामले की प्रगति की जानकारी भी दी जाएगी। जिले में गठित स्थानीय समिति के साथ सभी आंतरिक समितियों को भी प्रत्येक वर्ष अपनी गतिविधियों की रिपोर्ट जिलाधिकारी को देनी होगी। इसमें प्राप्त शिकायतों, निस्तारित एवं लंबित मामलों तथा लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम के लिए आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों का विवरण शामिल होगा। जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यालयों एवं संस्थानों को समिति के गठन की जानकारी सूचना-पट्ट पर प्रदर्शित करने और अधिनियम के प्रावधानों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। जिला प्रशासन ने कार्यस्थलों पर महिलाओं के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया है।

चार श्रम कोड के खिलाफ सड़क पर उतरे मजदूर-किसान, समाहरणालय पर प्रदर्शन

ऐक्टू-किसान महासभा ने सरकार को चेताया मांगें नहीं मानीं तो आंदोलन होगा और तेज

समस्तीपुर कार्यालय (एनएसबी) । चार श्रम कोड वापस लेने और किसानों-मजदूरों की विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार को समस्तीपुर में मजदूर और किसान संगठन सड़क पर उतर आए। ऐक्टू और अखिल भारतीय किसान महासभा के बैनर तले कार्यकर्ताओं ने सरकारी बस स्टैंड से जुलूस निकालकर समाहरणालय के समक्ष प्रदर्शन किया। इस दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई और घंटों धरना दिया गया। धरना-सभा की संयुक्त अध्यक्षता ऐक्टू राज्य परिषद सदस्य जीबछ पासवान और किसान महासभा के जिलाध्यक्ष महावीर पोद्दार ने की, जबकि संचालन ऐक्टू नेता सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने किया। वक्ताओं ने चारों श्रम कोड तत्काल वापस लेने, मनरेगा में 200 दिनों का रोजगार और 700 रुपये दैनिक मजदूरी सुनिश्चित करने की मांग की। खाद की कालाबाजारी पर रोक, टोपो लैंड और किसानों की जमीन पर जबरन कब्जे की कार्रवाई बंद करने, रैयतों को मालिकाना हक देने तथा किसानों का कर्ज माफ करने की मांग भी उठाई गई। प्रदर्शनकारियों ने 12 सेटेलाइट टाउनशिप और लैंड पुलिंग नीति वापस लेने तथा सभी फसलों पर कानूनी गारंटी के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) लागू करने की मांग की। नेताओं ने चेतावनी दी कि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को गांव-गांव तक फैलाया जाएगा। प्रदर्शन के कारण समाहरणालय के सामने मुख्य सड़क पर यातायात प्रभावित हुआ। सूचना पर एसडीओ राजेश कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से वार्ता की। मांगों को संबंधित विभागों तक पहुंचाने के आश्वासन के बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।

दूसरी सोमवारी पर विद्यापतिधाम में उमड़ा आस्था का सैलाब, 70 हजार श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा मंदिर परिसर, सुरक्षा को लेकर प्रशासन रहा पूरी तरह मुस्तैद

मंदिर का विहंगम दृश्य।

विद्यापतिनगर एनएसबी। सावन की दूसरी सोमवारी पर सोमवार को प्रसिद्ध विद्यापतिधाम मंदिर में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिर परिसर और आसपास के मार्गों पर देखने को मिलीं। अनुमान के अनुसार करीब 70 हजार श्रद्धालुओं ने बाबा विद्यापति धाम में जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से पूरा विद्यापतिधाम भक्तिमय माहौल में सराबोर रहा। दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगाजल एवं अन्य पूजन सामग्री के साथ बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। अहले सुबह 3 बजे से शुरू हुआ श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला देर शाम तक जारी रहा। महिला, पुरुष और युवा श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिर परिसर में बनी रहीं। श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए मंदिर प्रबंधन एवं भोलेन्टियर द्वारा भीड़ को व्यवस्थित करने में सहयोग किया गया। श्रावणी सोमवारी को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मंदिर परिसर एवं प्रमुख मार्गों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई। पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी लगातार स्थिति का जायजा लेते रहे। भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था को भी नियंत्रित किया गया। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए वाहनों के आवागमन पर आवश्यक नियंत्रण रखा गया। पुलिसकर्मी लगातार भीड़ के बीच गश्त करते नजर आए।श्रद्धालुओं का कहना था कि सावन की सोमवारी पर बाबा विद्यापति धाम में जलाभिषेक करने से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यही आस्था उन्हें हर वर्ष बड़ी संख्या में यहां खींच लाती है। दूसरी सोमवारी पर उमड़ी भारी भीड़ ने विद्यापतिधाम की धार्मिक महत्ता और श्रद्धालुओं की गहरी आस्था को एक बार फिर उजागर कर दिया।

संक्षिप्त खबरें

स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा की सफलता विषयक एक प्रतियोगिता का आयोजन

लदनियां (एनएसबी)। महथा गांव स्थित उत्कृष्ट मध्यविद्यालय के सभागार में सशस्त्र बल के पदाधिकारियों की देखरेख में स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा की सफलता विषयक एक प्रतियोगिता का आयोजन 5 से 8 वर्ग के छात्रों के बीच कराया गया। प्रतियोगिता का विषय राष्ट्रीय तिरंगा, शहीदों व महापुरुषों के चित्र, पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण तथा प्राकृतिक संसाधन से संबंधित था। प्रत्येक वर्ग के तीन- तीन छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मेडल, कलम व कॉपियां देकर

सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एचएम प्रेमनाथ गोसाई ने किया। सशस्त्र बल के मौजूद पदाधिकारियों में सब-इंस्पेक्टर दिनेश सिंह, हेड कॉन्स्टेबल जितेन्द्र सिंह व अक्षय कुमार थे। इसके बाद शिक्षकों के साथ मिलकर उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया। मौके पर शिक्षक जीबछ कामत, सत्येन्द्र कुमार, रेणु कुमारी, नीतू कुमारी, सफीना शिबू महरा, भोगेन्द्र सिंह, अरुण कुमार, महेश राम आदि थे।

मिथिला की कला को मिलेगा डिजिटल बाजार, कलाकारों को मिलेगा अपनी कलाकृतियों का सीधा लाभ

मधुबनी (एनएसबी)। मिथिला की समृद्ध कला एवं सांस्कृतिक विरासत को देश-दुनिया के बाजार से जोड़ने की दिशा में जिला प्रशासन एवं मिथिला चित्रकला संस्थान की ओर से महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त 2026 के अवसर पर ह्यमधुबनी आट्र्सह्ल ऑनलाइन व्यापार पोर्टल का शुभारंभ किया जाएगा। यह डिजिटल मंच मिथिला की प्रसिद्ध मधुबनी चित्रकला सहित अन्य पारंपरिक कलाकृतियों को ऑनलाइन बाजार उपलब्ध कराने के साथ स्थानीय कलाकारों को व्यापक ग्राहक वर्ग से सीधे जोड़ने का कार्य करेगा। इससे कलाकारों को अपनी कलाकृतियों का बेहतर मूल्य मिलने के साथ उनके आर्थिक सशक्तीकरण को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

गुणवत्ता के आधार पर होगी कलाकृतियों की श्रेणीबद्धता

पोर्टल पर बिक्री के लिए उपलब्ध कलाकृतियों को उनकी गुणवत्ता एवं विशेषताओं के आधार पर ह्यमिथिला विरासतह्ल, ह्यमिथिला विशिष्टह्ल एवं ह्यमिथिला पारंपरिकह्ल श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाएगा। इसके लिए मूल्यांकन समिति द्वारा बारकोड आधारित ऑनलाइन मूल्यांकन प्रणाली का उपयोग किया जाएगा। इससे कलाकृतियों के मूल्यांकन में पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं मानकीकरण सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।

हर कलाकृति को मिलेगा प्रमाणिकता प्रमाण-पत्र

पोर्टल पर प्रदर्शित प्रत्येक कलाकृति का मिथिला चित्रकला संस्थान द्वारा प्रमाणीकरण किया जाएगा। खरीदारों को कलाकृति की प्रमाणिकता एवं गुणवत्ता का भरोसा दिलाने के लिए गारंटी एवं प्रमाणिकता प्रमाण-पत्र भी उपलब्ध कराया जाएगा।जिला प्रशासन की इस पहल से मिथिला की पारंपरिक कला को आधुनिक डिजिटल बाजार से जोड़ने, स्थानीय कलाकारों को नए ग्राहक उपलब्ध कराने तथा मिथिला की सांस्कृतिक पहचान को देश-विदेश तक पहुंचाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

12 अगस्त को मधुबनी में निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा

'हर घर तिरंगा' अभियान एवं 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन की विशेष पहल

मधुबनी (एनएसबी)। आजादी के अमृत भाव को जन-जन तक पहुँचाने तथा राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन, मधुबनी द्वारा ह्यहर घर तिरंगाह्ल अभियान (09 से 17 अगस्त) के अंतर्गत 12 अगस्त 2026 को प्रातः काल में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। इस तिरंगा यात्रा का आयोजन राष्ट्रगीत ह्यवंदे मातरम्ह्ल के 150 वर्ष पूर्ण होने के ऐतिहासिक अवसर को भी समर्पित रहेगा। यात्रा के माध्यम से जिलेवासियों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति, एकता एवं सामूहिक सहभागिता की भावना को सुदृढ़ करने का संदेश दिया जाएगा। भव्य तिरंगा यात्रा में समाज के सभी वर्गों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। इसमें विद्यालय एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ एनसीसीकैडेट्स, स्काउट्स एवं गाइड्स, युवा तथा विभिन्न सामाजिक एवं सामुदायिक समूहों सहित आम नागरिकों के उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपेक्षा है। जिला प्रशासन द्वारा जिलेवासियों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में तिरंगा यात्रा में शामिल होकर ह्यहर घर तिरंगाह्ल अभियान को जन-आंदोलन का स्वरूप प्रदान करें तथा अपने घरों, संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराकर राष्ट्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करें। यह तिरंगा यात्रा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्र की एकता, अखंडता, गौरव और सामूहिक संकल्प का प्रतीक होगी। जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे 12 अगस्त को प्रातःकाल में आयोजित इस भव्य तिरंगा यात्रा में अपनी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें और ह्यहर घर तिरंगाह्ल एवं ह्यवंदे मातरम्ह्ल के 150 वर्ष के ऐतिहासिक अवसर को यादगार बनाए।

जांच के नाम पर मदरसा एवं संस्कृत शिक्षकों के साथ सरकार कर ही साजिश.

बिस्फी (एनएसबी)। राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि सह जिला राष्ट्रीय जनता दल बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के पूर्व जिला अध्यक्ष विष्णुदेव सिंह यादव ने गैर सरकारी मान्यता प्राप्त अनुदानित मदरसा एवं संस्कृत विद्यालयों के कागजातों के जांच के नाम पर साजिश के तहत सभी विद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षेतर कर्मचारियों को सरकार के द्वारा विगत छः महीना से वेतन रोके जाने की कार्रवाई को अनुचित एवं निंदनीय बताया है.उन्होंने कहा है कि वेतन नहीं मिलने के कारण शिक्षकों एवं कर्मचारियों के परिवारों को आर्थिक संकट गहरा गया है. सरकार जांच के नाम पर साजिश कर शिक्षकों को मानसिक रूप से परेशान कर रही है. प्रखंड स्तर पर जांच के क्रम में अधिकारियों के द्वारा आर्थिक शोषण एवं मानसिक परेशानी भी किया गया.उन्होंने सरकार से अविलंब सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों का वेतन चालू करने की मांग किया है.

एमजी ग्रुप ऑफ कंपनी का विधिवत शुभारंभ फीता काटकर किया गया

खजौली (एनएसबी)। प्रखंड क्षेत्र के सराबे पंचायत के सतेढ़ गांव में सोमवार को एमजी ग्रुप ऑफ कंपनी का विधिवत शुभारंभ फीता काटकर किया गया। इसका शुभारंभ हरिवंश नारायण चौधरी, गुलाब विष्णु फाउंडेशन के ट्रस्टी रवीन्द्र प्रसाद सिंह, समाजसेवी दिलीप कुमार, सरपंच प्रतिनिधि करण सिंह, डॉ. मोहन झा, शंभूनाथ ठाकुर, विनोद पांडेय के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस दौरान सभी

आगत अतिथियों का स्वागत पाग एवं दोपटा से किया गया। इस अवसर वक्ताओं ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह के औद्योगिक प्रतिष्ठान की शुरूआत होने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और व्यवसाय के नए अवसर पैदा होंगे। संस्थान के डायरेक्टर मिहिर कुमार ने बताया कि एमजी ग्रुप ऑफ कंपनी में वाल पुट्टी एवं थर्मोप्लास्टिक रोड मार्किंग पेंट का मैन्युफैक्चरिंग किया जाएगा। वहीं गौरव कुमार ने बताया कि कंपनी में उत्पादों की पैकिंग के साथ-साथ होलसेल बिक्री की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। लोगों ने इसे क्षेत्र के विकास के लिए सकारात्मक पहल बताया। मौके पर शंकर सिंह, अजीत प्रसाद सिंह, प्रभु नारायण सिंह, सुभाष सिंह, देव शंकर सिंह, धीरेंद्र सिंह, पंकज सिंह, सुमित कुमार सिंह, संतोष कुमार सिंह, हरिश्चंद्र यादव, गजेंद्र यादव, कालीचरण सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि का डीबीटी के माध्यम से हुआ हस्तांतरण

4 लाख 88 हजार 940 लाभार्थियों के खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजी गयी सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि

मधुबनी (एनएसबी)। मुख्यमंत्री, बिहार, सम्राट चौधरी जी के द्वारा सोमवार को राज्य के सभी छह प्रकार के सामाजिक सुरक्षा के कुल 1 करोड़ 1 लाख 32 हजार 888 पेंशनधारियों के खातों में जुलाई 2026 माह की पेंशन राशि कुल 11 अरब 57 करोड़ 71 लाख 84 हजार 700 रुपये का डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) के माध्यम से हस्तांतरण किया गया।*जिसमें मधुबनी जिले के 4 लाख 88 हजार 940 लाभार्थियों के खातों में डीबीटी के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि भेजी गयी।*इस अवसर पर समाहरणालय स्थित एनआईसी वीसी कक्ष में जिलाधिकारी आनंद शर्मा की उपस्थिति में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण (लाइव वेबकास्टिंग) किया गया।*इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि मधुबनी जिले के कुल 4 लाख 88 हजार 940 सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के खातों में 55 करोड़ 65 लाख 45 हजार 300 सौ रुपये की राशि हस्तांतरित की गई है। यह

शिविर में डीएम और लाभार्थी।

राशि राज्य के सभी जिलों में सर्वाधिक है, जो जिले में सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को दशार्ती है।*उन्होंने बताया कि बिहार राज्य निःशक्ता पेंशन योजना के 8 लाख 83 हजार 1 सौ 68 पेंशनधारियों को कुल लगभग 99 करोड़ 31*लाख 55 हजार 700 रुपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्ता पेंशन योजना के 81 हजार 8 सौ 16 पेंशनधारियों को 9 करोड़ 17 लाख 56 हजार 300 रुपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धा पेंशन योजना के 23 लाख 26 हजार 100 सौ पेंशनधारियों को 2 अरब 58 करोड़ 9 लाख 18 हजार 300 रुपये तथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के 5 लाख 16 हजार 6 सौ 24 पेंशनधारियों को 60 करोड़ 99 लाख 3 हजार 300 की राशि का भुगतान किया गया है।*इसके अतिरिक्त लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के 8 लाख 48 हजार 61 पेंशनधारियों को 95 करोड़ 25 लाख 44 हजार 5 सौ तथा मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना के 54 लाख 77 हजार 119 लाभार्थियों को 6 अरब 34 करोड़ 89 लाख 6 हजार 600 सौ रुपये की राशि का भुगतान किया गया।*जिलाधिकारी ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं समाज के वृद्धजनों, दिव्यांगजनों एवं असहाय महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन सभी पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर उन्होंने लाभार्थियों से सीधा संवाद कर उनके अनुभवों को जाना। लाभार्थियों में इंद्रकला देवी, सुनीता देवी, मेहरून निशा, राधा देवी, रामचंद्र राम, भोला प्रसाद ने माननीय मुख्यमंत्री एवं राज्य सरकार तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।*इस अवसर पर बाल संरक्षण अधिकारी, अजय कुमार राय एवं काफी संख्या में विभिन्न पेंशन योजना के दर्जनों लाभार्थी उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने आमजनों से किया सीधा संवाद, शिकायतों के त्वरित निष्पादन के दिए निर्देश

मधुबनी (एनएसबी)। जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने सोमवार को समाहरणालय परिसर में सेवा-संवाद-समाधान अनुश्रवण प्रणाली के तहत 'सबका सम्मान-जीवन आसान' कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आमजनों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को सुना। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को प्राप्त मामलों की जांच कर नियमानुसार एवं समयबद्ध तरीके से समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनसंवाद के दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से आए नागरिकों ने भूमि विवाद, अतिक्रमण, स्वास्थ्य सेवा, नियुक्ति सहित अन्य मामलों से संबंधित अपनी समस्याएं जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। इसी क्रम में अंधराठाढ़ी प्रखंड निवासी लाल मोहम्मद ने रेफरल अस्पताल, अंधराठाढ़ी द्वारा इंजरी रिपोर्ट में गड़बड़ी किए जाने की शिकायत की। झंझारपुर अंचल के मिजार्पुर निवासी अमरनाथ झा ने जमाबंदी संख्या-75 में परिमार्जन सुधार कराने हेतु आवेदन दिया। बरैल, पोस्ट-तेघरा, थाना-बाबूबरही निवासी राजकुमार सिंह ने अतिक्रमण हटवाने के संबंध में आवेदन समर्पित किया। वहीं, रहिका प्रखंड निवासी प्रतिमा कुमारी ने आशा फैसिलिटेटर पद पर कथित अवैध नियुक्ति के संबंध में शिकायत दर्ज कराई। राजनगर प्रखंड निवासी शिवनाथ महतो ने खेसरा संख्या-1852, रकबा 10 कट्ठा भूमि पर अवैध कब्जा करने के प्रयास, धमकी एवं सुरक्षा

शिकायत सुनते डीएम।

उपलब्ध कराने के संबंध में आवेदन दिया। जिलाधिकारी ने सभी मामलों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने तथा शिकायतों का नियमानुसार एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने कहा कि जिला प्रशासन आमजनों की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों की गंभीरता से जांच करते हुए पारदर्शी एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें, ताकि नागरिकों को अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि 'सेवा-संवाद-समाधान' अनुश्रवण प्रणाली का उद्देश्य प्रशासन एवं आम जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना तथा नागरिकों को सम्मानपूर्वक एवं सहज तरीके से सरकारी सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों द्वारा भी अपने-अपने कार्यालय कक्षों में उपस्थित होकर आमजनों की समस्याएं सुनी गईं और संबंधित मामलों में आवश्यक अग्रेतर कार्रवाई की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देश के तहत प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को पंचायत स्तर पर 'सहयोग शिविर' का आयोजन किया जा रहा है। सहयोग शिविर के माध्यम से प्राप्त आवेदनों की प्रक्रिया ऑनलाइन है तथा प्राप्त आवेदनों का निर्धारित अवधि के अंदर निष्पादन किया जाना है।

मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों से देश तबाही के कागार पर : मनोज

मधुबनी (एनएसबी)। भारत की कम्यूनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) राष्ट्व्यापी आह्वान के तहत ट्रेड यूनियन द्वारा जोरदार प्रतिरोध मार्च जेलभरो अभियान टॉन कल्ब मैदान

से जुलूस शहर के थाना चौक होते हुए जिला समाहरणालय पहुंचा यातायात अस्त-व्यस्त रहा वहीं कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर जोरदार नारेबाजी कर रहे थे,जो सभा में तब्दील हो गया, सभा करने के बाद जनसंगठन के हजारों कार्यकर्ता और नेताओं ने नगर थाना में गिरफ्तारी दिया, नगर थाना इन्स्पेक्टर द्वारा गिरफ्तार की गई।सभा की अध्यक्षता रामजी यादव ने किया।सभा को संबोधित करते हुए बिहार राज्य किसान सभा के राज्य संयुक्त सचिव मनोज कुमार यादव केंद्र सरकार और राज्य सरकार पर जमकर हमला किया, उन्होंने कहा मोदी सरकार के गलत आर्थिक नीतियों के चलते देश तबाही के कागार पर पहुंच गया, उन्होंने चार लेबर कोड कानून वापस लेने, मनरेगा योजना को लागू करने और बीवीजी राम जी संशोधन विधेयक को तत्काल अविलंब वापस लेने पर जोर दिया, यादव ने कहा कि बिजली विधेयक , स्मार्ट मीटर लगाने पर रोक,सभी स्कीम वर्कर्स को 26000 रुपए भुगतान करने,बीच विधेयक वापस लेने, किसानों को ऋण माफ करने को लेकर अपने बात रखते हुए बिहार सरकार के कार्य शैली पर सवाल उठाए। लोगों रिक्त पदों बहाली करने की मांग किया, सभा को मधुबनी किसान सभा के सचिव सत्यनारायण यादव ने कहा कि मधुबनी में अपराधियों का मनोबल बढ़ गया है, हमारे रहिका खरौआ के किसान नेता भागवत यादव को बेरहमी से अपराधी ने हत्या कर दिया और अपराधी को प्रशासन बचाने का काम कर रही है, दुसरी तरफ मधुबनी लोहा पंचायत के किसान शाखा नहर को चालू करने के लिए आंदोलन करते हैं तो किसानों के उपर बेनीपट्टी के अंचल अधिकारी अड़ेर थाना 151/26 झूठा मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है उन्होंने जिला प्रशासन से मुकदमा वापस लेने की मांग किया, खेतीहर मजदूर यूनियन मधुबनी के अध्यक्ष रामनारायण यादव ने कहा कि मधुबनी जिला को सुखाड़ क्षेत्र घोषित करने, खेतीहर मजदूर को काम उपलब्ध कराने की मांग किया।

बेनीपट्टी में सड़क हादसे को लेकर थाने में दिया आवेदन, तीन महिलाओं की मौत का मामला

बेनीपट्टी (एनएसबी)। बेनीपट्टी थाना क्षेत्र में रविवार सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे को लेकर मृतका के परिजन ने थाने में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में बताया गया है कि 9 अगस्त 2026 की सुबह करीब 5:40 बजे महिलाएं मॉर्निंग वॉक के लिए एनएच-227 पर निकली थीं। आवेदन के अनुसार महिलाएं सड़क किनारे टहल रही थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रही एक स्कॉर्पियो वाहन (निबंधन संख्या BR 07 BP 2510) के चालक ने लापरवाही एवं तेज गति से वाहन चलाते हुए महिलाओं को कुचल दिया। हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई। आवेदन में कहा गया है कि घटना के बाद चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। परिजनों ने पुलिस से वाहन चालक की पहचान कर उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने तथा पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है। मामले को लेकर मृतका के परिजन द्वारा बेनीपट्टी थानाध्यक्ष को लिखित आवेदन दिया गया है। पुलिस द्वारा आवेदन के आधार पर मामले की जांच एवं आगे की कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार बेनीपट्टी पुलिस ने उमगांव हरलाखी से स्कॉर्पियो को जप्त कर लिया है जिसे बेनीपट्टी थाना परिसर में लगाया गया है ! बताया गया कि उक्त स्कॉर्पियो उमगांव वार्ड नंबर 15 के निवासी महिला के नाम से गाड़ी है। चालक भी आत्मसमर्पण थाने में कर दिया है। बेनीपट्टी थाना में राजकुमार महतो ने आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।

श्रावणी मेला पर स्वास्थ्य विभाग के द्वारा लगाए गए विशेष चिकित्सा शिविर से शिव भक्त को मिल रही सहायता

बिस्फी (एनएसबी)। श्रावणी मेला के दौरान उगना शिवालय परिसर सहित विभिन्न स्थानों पर शिव भक्तों कि बेहतर, त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने को लेकर भी स्वास्थ्य विभाग के द्वारा विशेष स्वास्थ्य चिकित्सा टीम की व्यवस्था से शिव भक्तों को काफी सहायता मिल रही थी. दांडी कमरिया एवं बच्चे और वृद्धो को विभाग द्वारा स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराया जा रहा था. जिला चिकित्सा पदाधिकारी डॉ हैलेंद्र कुमार ने बताया कि विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है. सीएचसी प्रभारी डॉक्टर अब्दुल बासित के कुशल नेतृत्व एवं पर्यवेक्षण में संचालित की जा रही है.भैरवा,रमुनिया,बलहा सहीत आठ स्थलों पर मेडिकल टीम की तैनाती के साथ आवश्यक दवाओं एवं प्राथमिक उपचार की समुचित व्यवस्था किया गया है. शिव भक्तों कि स्वास्थ्य की नियमित निगरानी के साथ आपातकालीन स्थिति में त्वरित चिकित्सा सुविधा दी जा रही है. डॉ अब्दुल बासित ने बताया कि चिकित्सक, एएनएम एवं स्वास्थ्यकर्मियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित के साथ ही आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को उच्चतर स्वास्थ्य संस्थान में रेफर करने की व्यवस्था किया गया है. कहा कि श्रावणी मेला के दौरान ह्लस्वस्थ श्रद्धालु, सुरक्षित मेलाह्व के संकल्प के सीएचसी बिस्फी की पूरी स्वास्थ्य टीम पूरी तत्परता, जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ अपनी सेवाएँ प्रदान कर रही है. जनसेवा ही हमारा संकल्प — स्वास्थ्य सेवा हमारी प्राथमिकता. इस अवसर पर डॉ अब्दुल बासित, डॉ केफ, लक्ष्मी कुमारी, डा एस के राए ,डॉ शगुफ्ता सहीत कई चिकित्सक उपस्थित थे.

हर हर महादेव की जय घोष से गूंजता रहा उगना शिवालय परिसर

हजारों नेपाल दरभंगा, शिवहर, सीतामढ़ी से पहुंचे शिव भक्तो ने किया जलाभिषेक.

बिस्फी (एनएसबी)। श्रावण मास की दूसरी सोमवार पर प्रखंड क्षेत्र के भैरवा गांव स्थित ऐतिहासिक उगना महादेव शिवालय में शिव भक्तो का जन सैलाब उमड़ पड़ा अहले सुबह से ही मिथिलांचल की विभिन्न क्षेत्रों के अलावा दरभंगा, सीतामढ़ी, मधुबनी, नेपाल से आए शिव भक्तों ने देवाधिदेव बाबा उगना महादेव का उत्साह पूर्वक हर्षोल्ल्लास वातावरण में जलाभिषेक किया. शिव भक्तों की लंबी लाइन बलहा घाट से लेकर उगना शिवालय तक लग गया. शिवालय परिसर पूरे दिन भर हर हर महादेव और बोल बम की जय घोष से गुजता रहा. शिव भक्त घौस नदी से जल भरकर एवं मंदिर परिसर स्थित पवित्र सरोवर का जल लेकर बाबा उगना महादेव पर गंगाजल, दूध, मघु, शनि पत्र, बेलपत्र, धतूरा और पुष्प, अक्षत अर्पित कर सुख समृद्धि एवं परिवार की मंगल कामना की. भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन एवं मंदिर प्रबंधन की ओर से विशेष व्यवस्था की गई थी. एसएसपी योगेंद्र कुमार, ग्रामीण एसपी शिवम् धाकड़,एडीएम मुकेश रंजन झा ,एसडीएम सारंग पाणि पांडेय, डीएसपी अमित कुमार, बीडीओ

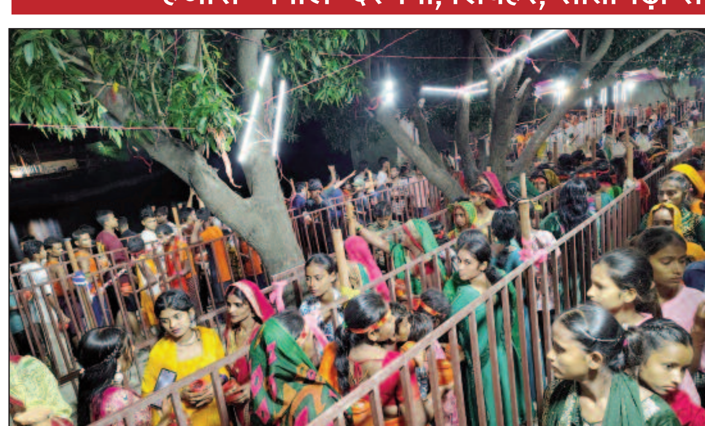

बसंत कुमार सिंह, सीओ संतोष सिंह, समिति के अध्यक्ष सुशील कुमार सुमन, शिव भक्तों की सुरक्षा एवं सुविधा पर ध्यान रख रहे थे.कड़ी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर वॉच टावर , जगह-जगह बैरिकेडिंग, मेटर डिटेक्ट, पुलिस कर्मी, सीसीटीवी, वीडियोग्राफी और नियंत्रण कक्ष भी बनाए गए थे. मौके पर बीपीआरओ शेखर कुमार, एमओ कौशल कुमार मंडल, वीएओ कौशल कुमार सिंह, राजस्व पदाधिकारी सविता कुमारी, सीडीपीओ अहमद रजा खॉ, थानाध्यक्ष अविनाश कुमार, अनुराग कुमार, आदित्य कुमार भगत सहित भारी संख्या में पुलिस बल उपस्थित थे.

सोमवारी पर बाबा गरीबनाथ धाम में उमड़ा कांवरियों का रेला

बाबा गरीबनाथ के जलाभिषेक को लेकर मंदिर परिसर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़।

दूसरी सोमवारी पर 3 लाख से अधिक शिवभक्तों ने किया बाबा का जलाभिषेक

बाबा नगरी में उमड़ी काँवरिया शिवभक्तों की भीड़।

भक्तों का उमड़े सैलाब के मद्देनजर मंदिर परिसर में भीड़ नियंत्रण व सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते डीएम और एसएसपी।

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। पवित्र श्रावण महीने के दूसरी सोमवारी पर उत्तर बिहार के प्रख्यात सिद्धपीठ बाबा गरीबनाथ धाम में देवाधिदेव महादेव के जलाभिषेक के लिए काँवरिया शिवभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। रविवार की शाम को हीं पूरा नगर केसरिया वस्त्रधारी शिवभक्तों की भीड़ से पट गया। रामदयालु नगर से लेकर बाबा गरीबनाथ मंदिर के आसपास तक काँवरिया शिवभक्तों के विश्राम के लिए बनाए गए सभी ठहराव स्थल काँवरियों की भीड़ से खचखच भर गया। रात के नौ बजे के बाद ठहरने की जगह नहीं मिलने की स्थिति में काँवरिया शिवभकों का हुजूम मंदिर की ओर बढ़ने लगा, जिसके कारण मंदिर के पास काँवरिया शिवभक्तो की लंबी कतार लग गई।

काँवरियों की लगातार बढ़ती भीड़ के मद्देनजर जिला प्रशासन और मंदिर प्रबंधन ने रविवार की देर शाम से ही जलाभिषेक प्रारंभ करा दिया। जलाभिषेक शुरू होते ही मंदिर परिसर में हजारों काँवरिया उमड़ पड़े और पूरा मंदिर बोलबम और बाबा गरीबनाथ के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। नगर के रामदयालु नगर से लेकर मंदिर के पास तक मध्यरात्रि तक लाखों काँवरियो की भीड़ कतारबद्ध हो बाबा गरीबनाथ के जलाभिषेक के लिए आगे बढ़ने लगी। श्रद्धांलुओं की बढ़ती भीड़ और व्यवस्था बनाये रखने के लिए मंदिर के बाहर तैनात विभिन्न सेवादल के कार्यकर्ताओ ने भी कमर कसकर भीड़ नियंत्रित करने के साथ व्यवस्था बनाए रखने में जुटे रहे। वही श्रद्धांलुओं की अधिक भीड़ और विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर स्वयं जिलाधिकारी कुमार गौरव और एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा मोर्चा संभालते हुए मंदिर के गेट पर डटे रहे। वही मंदिर की सुरक्षा के दृस्टिकोण से मंदिर के समीप लगाए गए मेटल डिडेक्टर से जांच कर काँवरियो को मंदिर परिसर में प्रवेश कराया जा रहा था, जिसके कारण भीड़ भी नियंत्रित रही और विधि व्यवस्था बनी रही। रात लगभग दस बजे से शुरू हुआ बाबा गरीबनाथ का जलाभिषेक दोपहर तक लगातार जारी रहा। मंदिर प्रबंधन के अनुसार इस अवधि में 2 लाख से अधिक शिवभक्त काँवरियों औऱ श्रद्धांलुओं ने बाबा गरीबनाथ का जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की तथा मनोकामना पूर्ण होने की कामना की। श्रावणी मेला की दूसरी सोमवारी पर जलाभिषेक के लिए काँवरियो की टोली रविवार की सुबह से हीं प्रवेश करने लगे थे। वही शाम होते होते तुर्की से लेकर रामदयालु नगर तक पूरा काँवरिया मार्ग शिवभक्तों से पट गया। दूसरी सोमवारी पर बाबा नगरी में आने वाले काँवरियों की सेवा सुविधा के लिए तुर्की से लेकर बाबा गरीबनाथ मंदिर के समीप तक विभिन्न सामाजिक संगठनों, संस्थाओं एवं राजनितिक दलों के साथ साथ सरकारी स्तर से सैंकड़ो सेवा शिविर लगाए गए थे, जहाँ काँवरियो की सेवा, सुविधा और स्वास्थ्य लाभ के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराया गया था। कई सेवा शिविरों में निःशुल्क भोजन की व्यबस्था की गई थी तो कई शिविरों में अल्पाहार, चाय, पानी की व्यवस्था थी। हर 5 किलोमीटर पर जिला प्रशासन तथा विभिन्न संस्थाओं के द्वारा चिकित्सा शिविर भी लगाया गया था, जिसका शिवभक्तों ने लाभ उठाया। तुर्की से लेकर रामदयालु नगर तक लगे सेवा व चिकित्सा शिविरों में लगभग 3 हजार श्रद्धांलुओं ने स्वतः तन मन से समर्पित होकर काँवरियो की सेवा में जुटे रहे। वहीं दूसरी सोमवारी पर श्रद्धांलुओं की नगर में उमड़ी भारी भीड़ से मेला क्षेत्र भी गुलजार रहा। मेला क्षेत्र रामदयालु नगर से लेकर बाबा गरीबनाथ मंदिर के समीप तक रविवार की शाम से ही चहल पहल बढ़ने लगी और रात होते होते मेला क्षेत्र में गहमागहमी बढ़ती हीं चली गई।

मेला क्षेत्र में भी उमड़ी भीड़ और गहमागहमी को लेकर प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। जगह जगह मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस बल को तैनात किया गया था। साथ ही पुलिस और जिला प्रशासन की कई टीम रामदयालु नगर से मंदिर के समीप तक भ्रमणशील रहते हुए स्थिति पर नजर रख रही थी। साथ हीं जिलाधिकारी औऱ एसएसपी जगह जगह लगाए गए सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से पुरे मेला क्षेत्र पर नजर बनाए हुए थे। साथ ही स्थिति का जायजा लेने के लिए स्वयं जिलाधिकारी कुमार गौरव औऱ एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा पुलिस बल के साथ कई बार मंदिर से लेकर रामदयालु नगर के चार किलोमीटर तक के क्षेत्र में भ्रमण करते देखे गए। हालांकि दूसरी सोमवारी पर बाबा गरीबनाथ की नगरी में उमड़ी काँवरिया शिवभक्तों और श्रद्धांलुओं की उमड़ी अप्रत्याशित भीड़ के बीच श्रावणी मेला के दूसरी सोमवारी का उत्सव शांतिपूर्ण संपन्न हो गया।

संक्षिप्त खबरें

बाबा गरीबनाथ की नगरी मुजफ्फरपुर में पहली बार काँवरिया शिवभक्तों पर हुई हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। सावन महीने की दूसरी सोमवारी पर मुजफ्फरपुर ने भक्ति और आस्था का एक ऐतिहासिक नजारा देखा। जिले में पहली बार कांवरियों पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। राज्य सरकार के निर्णय के तहत आयोजित इस पुष्पवर्षा ने कांवरियों के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया। आसमान से बरसते फूलों के बीच पूरा शहर ह्यहर हर महादेवह्ण और ह्यबाबा गरीबनाथ की जयह्ण के जयकारों से गूंज उठा। हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा के लिए सोमवार सुबह सात बजे का समय निर्धारित किया गया था, लेकिन मौसम खराब रहने और आसमान में बादल छाए रहने के कारण उड़ान में देरी हुई। मौसम अनुकूल होने के बाद करीब साढ़े आठ बजे हेलीकॉप्टर ने पुष्पवर्षा शुरू की। हरिसभा चौक, रामदयालु नगर, बाबा गरीबनाथ मंदिर, साहू पोखर और जिला स्कूल के समीप कांवरियों पर आसमान से फूल बरसाए गए। सड़क पर मौजूद कांवरियों के साथ-साथ शहर के लोग भी अपने

घरों की छतों पर खड़े होकर इस नजारे को देखने के लिए उमड़ पड़े। पुष्पवर्षा शुरू होते ही कांवरियों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। भक्ति में डूबे श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव और बाबा गरीबनाथ के जयकारे लगाए। फूलों की बारिश और कांवरियों के विशाल जत्थे ने पूरे शहर के माहौल को भक्तिमय बना दिया। पहलेजा घाट से जलबोझी कर बाबा गरीबनाथ मंदिर में जलाभिषेक करने की परंपरा दशकों पुरानी है। हर वर्ष जिला प्रशासन, विभिन्न विभागों और सेवा दलों की ओर से कांवरियों की सुविधा और सेवा के लिए कई तरह की व्यवस्थाएं की जाती हैं। हालांकि, इस बार पहली बार हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराए जाने से कांवर यात्रा का दृश्य और भी खास हो गया। कांवरिया मार्ग में जिला प्रशासन की ओर से माइकिंग के माध्यम से हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की जानकारी भी दी गई थी। इससे कांवरियों में पहले से ही उत्सुकता बनी हुई थी। मौसम की वजह से निर्धारित समय पर पुष्पवर्षा नहीं हो सकी, लेकिन करीब डेढ़ घंटे बाद मौसम साफ होने पर कार्यक्रम शुरू हुआ। उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में कांवर यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की जाती रही है। मुजफ्फरपुर में पहली बार हुए इस आयोजन को लेकर कांवरियों और शहरवासियों में खासा उत्साह देखने को मिला।

श्रावणी मेला के श्रद्धालुओं की सुरक्षा व सुविधा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : जिलाधिकारी

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। श्रावणी मेला 2026 के दूसरे सोमवार को जिला पदाधिकारी, कुमार गौरव एवं एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने बाबा गरीबनाथ मंदिर, कांवरिया मार्ग, जिला स्कूल सहित विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का निरंतर निरीक्षण कर सुरक्षा एवं सुविधा व्यवस्था का जायजा लिया। दोनों अधिकारियो ने रामदयालु नगर से लेकर बाबा गरीबनाथ मंदिर परिसर तक उमड़ी काँवरियों की भीड़ नियंत्रण तथा सुरक्षा व्यवस्था का पैदल भ्रमण कर जायजा लेते रहे। इस दौरान जिलाधिकारी कुमार गौरव ने कहा कि जिला प्रशासन का संकल्प है कि हर कांवरिया सुरक्षित एवं सुगम तरीके से बाबा गरीबनाथ का जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर सके। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम आवागमन को लेकर प्रशासन पूरी तरह सजग एवं मुस्तैद है। इस क्रम में जिलाधिकारी एवं एसएसपी ने भीड़ नियंत्रण में लगाए गए बिभिन्न सेवा दलों के स्वयंसेवकों तथा पुलिसकर्मियों को कई निर्देश देते हुए सहजता और शांति से जलाभिषेक कराना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। वही एसएसपी ने कहा कि मंदिर परिसर की हरेक गतिविधि की सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जा रही है, किसी तरह की गड़बड़ होने पर संबंधित व्यक्ति की जिम्मेदारी तय की जाएगी। हालांकि मंदिर परिसर में उमड़े श्रद्धालुओं के सैलाब के बावजूद जलाभिषेक का कार्यक्रम शांतिपूर्ण संपन्न हो गया।

गायघाट में बाढ़ का कहर, जांता पंचायत के सैकड़ों एकड़ खेतों में धान की फसल बर्बाद होने के कगार पर

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। गायघाट प्रखंड के जांता पंचायत में बाढ़ का पानी खेतों में फैलने से सैकड़ों एकड़ में लगी धान की फसल बर्बाद होने के कगार पर पहुंच गई है। खेतों में पानी जमा होने से किसानों की चिंता बढ़ गई है और उन्हें फसल के साथ-

साथ आर्थिक नुकसान की भी आशंका सताने लगी है। बताया गया है कि जांता पंचायत के मोतनाजे, जांता, कुमहरौल, लोहरखा और चक्कीआता सहित आसपास के इलाकों के खेत बाढ़ के पानी से प्रभावित हैं। बड़ी संख्या में खेतों में पानी भर जाने के कारण धान की फसल डूब गई है। लगातार पानी जमा रहने से फसल के सड़ने और खराब होने का खतरा बढ़ गया है। किसानों का कहना है कि धान की खेती में उन्होंने काफी मेहनत और पूंजी लगाई थी, लेकिन बाढ़ के पानी ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। यदि जल्द खेतों से पानी नहीं निकलता है तो बड़े पैमाने पर फसल नुकसान की आशंका है। इससे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है। ग्रामीणों ने प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों का जल्द निरीक्षण कराने, खेतों से बाढ़ का पानी निकालने की व्यवस्था करने और फसल क्षति का आकलन कर किसानों को उचित मुआवजा एवं सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

रेडलाइट एरिया से युवती की बरामदगी ने खोला महिला तस्करी के गिरोह का खेल

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। घर से नाराज होकर या किसी मजबूरी में बाहर निकली युवतियों और महिलाओं को अपने जाल में फंसाने वाले गिरोहों के खिलाफ मुजफ्फरपुर पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान में अब तक 648 युवतियों और महिलाओं को बिहार सहित दूसरे राज्यों से बरामद कर सुरक्षित उनके परिजनों तक पहुंचाया गया है। इन बरामदगियों के दौरान ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जिनमें नौकरी, प्रेम और बेहतर भविष्य का सपना दिखाकर महिलाओं को कथित तौर पर मानव तस्करी के जाल में धकेला गया। हाल में मुजफ्फरपुर से गायब हुई एक युवती की बरामदगी से इस तरह के मामले की भयावह कहानी सामने आई है, इसके बाद पुलिस ने युवतियों और महिलाओ की तस्करी में सक्रिय गिरोह के विरुद्ध अभियान छेड़ दिया है।

बताया गया कि युवती किसी बात से नाराज होकर घर से निकल गई थी। शहर पहुंचने के बाद वह परेशान हालत में थी। इसी दौरान एक अनजान व्यक्ति ने उसे अपने विश्वास में लिया और काम दिलाने का झांसा देकर बंगाल ले गया। आरोप है कि इसके बाद युवती को बंगाल से भागलपुर के रेड लाइट इलाके तक पहुंचा दिया गया। मुजफ्फरपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवती को वहां से रेस्क्यू किया और सुरक्षित उसके परिजनों तक पहुंचाया। एक तरफ पुलिस के लिए यह बड़ी कामयाबी है, लेकिन दूसरी तरफ यह घटना उन गिरोहों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करती है जो घर से निकली महिलाओं को आसान निशाना समझकर अपने जाल में फंसाते हैं। पुलिस जांच में सामने आए मामलों के मुताबिक, ऐसे गिरोह सिर्फ रेलवे स्टेशन या बस स्टैंड के आसपास ही सक्रिय नहीं हैं, बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए भी युवतियों से संपर्क साधने की कोशिश करते हैं। पहचान छिपाकर फर्जी प्रोफाइल बनाई जाती हैं और नौकरी, प्रेम, आर्थिक मदद या बेहतर जिंदगी के सपने दिखाकर भरोसा जीतने की कोशिश होती है। घर से नाराज होकर निकलने वाली या किसी परेशानी से जूझ रही युवती जब अनजान शहर में पहुंचती है, तो ऐसे लोग उसकी मजबूरी को अपना हथियार बना लेते हैं। पहले मदद का भरोसा, फिर नौकरी या सुरक्षित ठिकाने का लालच और इसके बाद धीरे-धीरे उसे ऐसे चक्र में फंसाने का आरोप है, जहां से बाहर निकलना बेहद मुश्किल हो जाता है। किसी भी कारण से गुस्से में आकर घर छोड़कर मुसीबत में फंसी 648 युवतियों और महिलाओ की बरामदगी के बीच मुजफ्फरपुर के एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने महिलाओं और युवतियों से भावुक अपील की है। उन्होंने कहा कि किसी भी परेशानी में घर छोड़ने या कोई बड़ा कदम उठाने से पहले परिवार और अपने भविष्य के बारे में महिलाओ और युवतियों को एक बार अपने भविष्य के बारे में जरूर सोचना चाहिए। अनजान व्यक्ति के भरोसे पर कहीं जाने से बचना चाहिए। एसएसपी ने यह भी अपील की कि यदि परिवार में किसी तरह की परेशानी है या कोई व्यक्ति बहला-फुसलाकर, धमकाकर अथवा ब्लैकमेल कर रहा है, तो चुप रहने के बजाय तत्काल पुलिस से शिकायत करें। पुलिस हर संभव सहायता के लिए तत्पर है।

जिले में सक्रिय महिला तस्कर गिरोह के काले कारनामें की जानकारी देते एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा।

घर से नाराज होकर या किसी मजबूरी में बाहर निकली युवतियों और महिलाओं को अपने जाल में फंसाने वाले गिरोहों के खिलाफ मुजफ्फरपुर पुलिस ने तेज किया अभियान

बाढ़ प्रभावित मलाही टोला में पहुंची मेडिकल टीम

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। बाढ़ प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार निगरानी कर रही है। इसी क्रम में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने मेडिकल टीम के साथ गायघाट प्रखंड के कांटा पिरौछा दक्षिणी पंचायत के मलाही टोला का भ्रमण कर बाढ़ से प्रभावित लोगों की स्वास्थ्य संबंधी स्थिति का जायजा लिया। भ्रमण के दौरान मेडिकल टीम ने ग्रामीणों को बाढ़ के बाद होने वाली विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी। टीम की ओर से लोगों के बीच हैलोजन और ओआरएस का भी वितरण किया गया। ग्रामीणों को साफ-सफाई, सुरक्षित पेयजल और खान-पान को लेकर विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने मेडिकल टीम के साथ कांटा पिरौछा दक्षिणी पंचायत के बाढ़ प्रभावित टोलों का निरीक्षण भी किया। इस दौरान शिवनगर टोला स्थित स्वास्थ्य केंद्र कांटा का भी निरीक्षण किया गया और वहां स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बाढ़ का पानी उतरने के बाद संक्रमण और जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाए।

चक्कर चौक पर भीषण हादसा ICU इंचार्ज डॉ शशांक सिंह की मौत

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के चक्कर चौक पर सोमवार तड़के हुए भीषण सड़क हादसे में मझौलिया चौक स्थित आशा हॉस्पिटल के ICU इंचार्ज डॉक्टर शशांक सिंह (30) की मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों और अस्पताल कर्मियों में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक मूल रूप से वैशाली जिले के जैतीपुर गांव के रहने वाले थे और वर्तमान में गन्नीपुर मिश्रा टोला में रह रहे थे।

डॉ. शशांक सोमवार तड़के अपने गन्नीपुर स्थित आवास से बुलेट बाइक पर सवार होकर अस्पताल में ड्यूटी के लिए निकले थे। चक्कर चौक के पास सड़क पर फैली गिट्टी और बालू के कारण उनकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई। संतुलन बिगड़ने से वह सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल डॉ. शशांक को तत्काल नजदीकी निजी अस्पताल ले गई। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। हादसे के बाद मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों में काफी आक्रोश है। परिजनों का आरोप है कि चक्कर चौक पर नाला निर्माण करा रही एजेंसी की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। उनका कहना है कि नाला निर्माण के लिए गिट्टी और बालू को सड़क के बड़े हिस्से में फैलाकर छोड़ दिया गया था।

दो घंटे में अपहरण-फिरौती कांड का खुलासा

मुजफ्फरपुर (एनएसबी)। जिले में पुलिस ने अपहरण एवं फिरौती के एक मामले का महज दो घंटे के भीतर सफल उद्भेदन करते हुए अपहृत बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया। मामले में पुलिस ने घटना में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के पास से देसी पिस्तौल, कारतूस, मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार, 9 मार्च 2026 की शाम कटरा थाना क्षेत्र में एक बच्चा खेलने के दौरान मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात अपराधियों द्वारा अपहरण कर लिया गया था। इसके बाद बच्चे को छोड़ने के एवज में परिजनों से 50 हजार रुपये फिरौती की मांग की गई। घटना की सूचना मिलने के बाद बच्चे के पिता के बयान पर संबंधित थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई।

अपहरण कांड की जानकारी देते ग्रामीण एसपी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक, मुजफ्फरपुर के निर्देशन तथा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में पूर्वी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। टीम में संबंधित थाना एवं ओपी की पुलिस को भी शामिल किया गया। गठित टीम ने तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर मामले से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं का गहन विश्लेषण किया और त्वरित कार्रवाई शुरू की। पुलिस की

बच्चा सकुशल बरामद; दो अपराधी गिरफ्तार

कार्रवाई के दौरान महज दो घंटे के भीतर अपहृत बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस ने घटना में शामिल मंजय कुमार और सुनील कुमार, दोनों कटरा थाना क्षेत्र, मुजफ्फरपुर निवासी को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक देसी पिस्तौल, दो कारतूस, अपहृत बच्चे का मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार दोनों आरोपियों का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। इनके खिलाफ मुजफ्फरपुर के सदर थाना, दरभंगा के सदर थाना एवं कमतौल थाना तथा सीतामढ़ी के नानपुर थाना में लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट समेत कई मामले दर्ज हैं।

यूनिवर्सिटी एक्ट के खिलाफ बीआरए विश्वविद्यालय में जोरदार प्रदर्शन

मुजफ्फरपुर(एनएसबी)। राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के स्वायत्तता खात्मे सम्बन्धी प्रस्तावित 'विश्वविद्यालय अधिनियम-2026' के विरोध में बिहार राज्य विश्वविद्यालय व महाविद्यालय शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघर्ष मोर्चा के चरणबद्ध आंदोलन के दूसरे चरण में घोषित कार्यक्रमानुसार राज्य के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालयों सहित बी.आर.ए.बिहार विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय कार्यालय व सभी विश्वविद्यालय विभागों एवं सभी महाविद्यालयों के सभी शिक्षक-शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने सोमवार को सामूहिक अवकाश पर रहकर विश्वविद्यालय मुख्यालय पर जोरदार धरना-प्रदर्शन किया।

विवि परिसर में धरना प्रदर्शन करते शिक्षक व कर्मचारी गण।

विश्वविद्यालय मुख्यालय पर धरना के पूर्व राज्य विश्वविद्यालय शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघर्ष मोर्चा के संयोजक फुटाब महासचिव प्रो.संजय कुमार सिंह व सदस्य राघवेन्द्र कुमार सिंह प्रदेश महासचिव बिहार राज्य विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ पटना एवं बी.आर.ए.बिहार विश्वविद्यालय शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघर्ष मोर्चा के संयोजक गण डॉ.सुनील कुमार सिंह, प्रो.रमेश प्रसाद गुप्ता, राजीव कुमार व राम कुमार सहित विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालयों से आए शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मी लंगट सिंह महाविद्यालय स्थित गांधी उद्यान के निकट लंगट बाबू की प्रतिमा के पास एकजुट हुए। वहाँ से राष्ट्रपिता गांधी, राजेन्द्र प्रसाद, राष्ट्रकवि दिनकर, लंगट बाबू और वागीश्वरी बाबू की प्रतिमा पर माल्यार्पण पश्चात जुलूस की शक्ल में बड़ी संख्या में नारे लगाते हुए विश्वविद्यालय मुख्यालय पहुँचे और जोरदार प्रदर्शन किया।

इसके पश्चात धरनास्थल पर आयोजित प्रदर्शनकारियों की हुई सभा की अध्यक्षता चतुष्टय डॉ.सुनील कुमार सिंह, प्रो.रमेश प्रसाद गुप्ता, राम कुमार व राजीव कुमार ने की और संचालन बुस्टा महासचिव प्रो.रमेश प्रसाद गुप्ता ने किया। सभा के प्रारंभ में प्रस्तावना के तौर पर प्रो.रमेश ने प्रस्तावित विश्वविद्यालय विधेयक के विभिन्न पहलुओं और दुष्प्रभावों के बारे में बताया।

राज्य संघर्ष मोर्चा के संयोजक विधान पार्षद प्रो.संजय कुमार सिंह ने प्रस्तावित विश्वविद्यालय विधेयक को लाने के पीछे सरकार की मंशा एवं उसे तत्काल रोकने में शिक्षक व स्नातक क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयासों एवं आगे की लम्बी लड़ाई तथा राज्य के विश्वविद्यालय शिक्षकों व कर्मचारियों के हितों के लिए संघ के ऐतिहासिक संघर्षों व भूमिका को रेखांकित किया।

राज्य संघर्ष मोर्चा सदस्य राज्य कर्मचारी महासचिव राघवेन्द्र कुमार सिंह व पश्चिम बंगाल से आए अखिल भारतीय विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ, नई दिल्ली के सचिव जीतन कुमार ने विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता के लिए शिक्षक-कर्मचारियों की एकता को ऐतिहासिक जरूरत बताया।

सभा को बूटा महासचिव डॉ.सुनील कुमार सिंह, बुस्टा कार्यकारी अध्यक्ष व लंगट सिंह महाविद्यालय शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रो.जयकांत सिंह, पेंशनर समाज के उपाध्यक्ष प्रो.नवल किशोर शर्मा, विश्वविद्यालय विभाग शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो.सतीश कुमार राय, महासचिव प्रो.ललन कुमार झा, प्रो.राम कुमार, प्रो.रजनीश कुमार गुप्ता सहित सभी कॉलेजों के शिक्षक संघ के सचिवों ने संबोधित किया। इस दूसरे चरण के आंदोलन में बिआरए बिहार विवि के तमाम विभागध्यक्ष, शिक्षक, कर्मचारी के साथ साथ संबद्ध सभी कॉलेजों के शिक्षक व कर्मचारी शामिल थे।

दिव्यांग परिवादी की शिकायत सुनने कार्यालय से बाहर आए जिलाधिकारी

सीतामढ़ी (एनएसबी)। जिला पदाधिकारी श्री रिची पाण्डेय ने जनसमस्याओं के प्रति संवेदनशीलता एवं तत्परता का परिचय देते हुए सोमवार को अपने कार्यालय से बाहर आकर समाहरणालय परिसर में उपस्थित एक दिव्यांग परिवादी की शिकायत सुनी।

अपने कार्यालय से बाहर आकर समाहरणालय परिसर में दिव्यांग परिवादी की शिकायत सुनते डीएम।

जिला पदाधिकारी ने परिवादी से उनकी समस्या के संबंध में जानकारी ली तथा उनके द्वारा प्रस्तुत आवेदन को प्राप्त कर मामले की गंभीरता से सुनवाई की। उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को आवेदन में उठाई गई समस्या का शीघ्र संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला पदाधिकारी ने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं संवेदनशील तरीके से निराकरण जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त परिवादों पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए पात्र लाभुकों को आवश्यक सहायता एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन द्वारा आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर तत्परता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जा रहा है।

एमएसपी की कानूनी गारंटी व सैटेलाइट सिटी के विरोध में सड़क पर उतरे किसान

नवसंदेश ब्यूरो

सीतामढ़ी। संयुक्त किसान संघर्ष मोर्चा के देशव्यापी आह्वान पर सोमवार को सीतामढ़ी में किसानों ने प्रदर्शन किया। मोर्चा के बैनर तले जिले के विभिन्न इलाकों से पहुंचे सैकड़ों किसानों ने समाहरणालय के निकट प्रदर्शन करते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। बाद में किसानों ने अंबेडकर स्थल पर धरना दिया।

समाहरणालय के निकट अंबेडकर स्थल पर धरना-प्रदर्शन

धरना को संबोधित करते हुए किसान नेताओं ने केंद्र एवं राज्य सरकार की किसान-मजदूर नीतियों की आलोचना की। उन्होंने केंद्र सरकार से फसलों के लिए एमएसपी की कानूनी गारंटी देने, किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ करने और चारों श्रम संहिताओं को वापस लेने की मांग की। नेताओं ने प्रस्तावित निजी बिजली एवं निजी बीज विधेयकों को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि इससे किसानों और आम लोगों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा।

किसानों ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित कृषि समझौते को रद्द करने की मांग भी उठाई। मनरेगा का पुराना स्वरूप बहाल करते हुए 200 दिन काम की गारंटी और 700 रुपये प्रतिदिन मजदूरी देने की मांग की गई।

प्रदर्शन के दौरान सीतामढ़ी में लैंड पूलिंग और सैटेलाइट सिटी के नाम पर किसानों की जमीन लिए जाने की योजना का विरोध किया गया। किसान नेताओं ने मुख्यमंत्री द्वारा इसके सर्वेक्षण एवं

अंबेडकर स्थल पर धरना - प्रदर्शन करते किसान।

प्लानिंग के निर्देश की आलोचना करते हुए योजना को रद्द करने की मांग की।

मोर्चा ने जिले में सिंचाई व्यवस्था दुरुस्त करने, जर्जर सिंचाई स्रोतों की मरम्मत कराने, नदियों के जल प्रबंधन की व्यवस्था करने तथा खाद की कालाबाजारी पर रोक लगाने की मांग की। आंदोलनकारी छात्रों पर दर्ज मामलों को वापस लेने और जेल में बंद छात्रों को रिहा करने की मांग भी की गई। प्रदर्शन के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी अंबेडकर स्थल पर मौजूद प्रदर्शनकारियों से मिले और उनका ज्ञापन लिया। इस दौरान मौके पर पुलिस बल की तैनाती रही।

किसान नेताओं ने चेतावनी दी कि मांगों पर सरकार ने शीघ्र सकारात्मक पहल नहीं की तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन में संयुक्त किसान मोर्चा उत्तर बिहार के संयोजक डॉ. आनंद किशोर, किसान सभा के जिला सचिव जयप्रकाश राय, जिलाध्यक्ष बैद्यनाथ हाथी, संयुक्त किसान संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष जालंधर यदुवंशी, उपाध्यक्ष चंद्रदेव मंडल, महासचिव अवधेश प्रसाद यादव, एआईवाईएफ के राज्य सचिव मो. गयासुद्दीन, मदन राय, रामेश्वर मंडल, सुरेश बैठा, अमरेन्द्र राय, मो. मुतुर्जा, राम सुरेश तिवारी, नंद किशोर मंडल, ट्रेड यूनियन नेता वासुदेव दास, विपिन राज, ओमप्रकाश, अंगद कुमार, पप्पू भगत व चैतन्य नायक सहित सैकड़ों किसान, छात्र, नौजवान एवं महिलाएं शामिल थीं।

संक्षिप्त खबरें

दक्षिण अमेरिकी देश पेरू की राजधानी लीमा मे इंटरनेशनल पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी एवं पुपरी के लाल विक्रम ने लहराया देश का परचम

सीतामढ़ी (एनएसबी)। पुपरी के लाल एवं रेडक्रॉस पुपरी शाखा के आजीवन सदस्य उमेश विक्रम कुमार ने 04 से 09 अगस्त तक पेरू की राजधानी लीमा शहर में आयोजित बीडब्ल्यूएफ पेरू पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल चैंपियनशिप 2026 के मेंस सिंगल एसएल 3 स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीत कर अपना परचम एक बार फिर से लहरा दिया है। नगर परिषद जनकपुर रोड के कपूर्री चौक निवासी उमेश प्रसाद एवं रीता देवी के सुपुत्र उमेश विक्रम कुमार वर्त्तमान में टाटा स्टील, जमशेदपुर के खेल विभाग में बतौर प्रबंधक कार्यरत हैं। ये पूर्व में भी कई दर्जन अंतरराष्ट्रीय व वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेडल जीत कर धूम मचा चुके हैं। विक्रम को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के कार्यकाल में राष्ट्रपति भवन के दरबार हॉल में उनके समक्ष संबोधन करने का सौभाग्य प्राप्त हो चुका है साथ ही देश के कैबिनेट मंत्री किरण रिजिजू के साथ-साथ पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव भी खेल दिवस के अवसर पर सम्मानित कर चुके हैं। इंटरनेशनल चैंपियनशिप में विक्रम के गोल्ड मेडल जीतने की खबर पा कर पुपरी वासियों में खुशी की लहर दौड़ गयी है। स्थानीय खेलप्रेमियों ने इस शानदार उपलब्धि के लिये विक्रम को बधाई एवं शुभकामनायें दी है। उन्होंने कहा है कि विक्रम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीत कर पुपरी, सीतामढ़ी एवं राज्य का नाम देश भर में रौशन किया है। उनको बधाई देने वालों में रेडक्रॉस पुपरी शाखा के सचिव अतुल कुमार, मो. शाकीर हुसैन, प्रो. राजकुमार गुप्ता, राकेश रंजन, पंकज कुमार ओमी, अमरेन्द्र पांडेय, प्रभात कुमार चंदन, शम्भू चौरसिया, नागेश्वर कुमार, अनुभव कुमार कर्ण, महन्थ कुमार, कृष्ण नंदन प्रसाद आदि शामिल हैं।

मेडल के साथ पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी विक्रम।

बीडब्ल्यूएफ पेरू पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल चैंपियनशिप 2026 में जीता गोल्ड मेडल

तीन दिवसीय ध्वज बंधन, ध्वज खोलने एवं ध्वजारोहण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

सीतामढ़ी (एनएसबी)। लायंस क्लब सीतामढ़ी वेस्ट के तत्वावधान में तीन दिवसीय ध्वज बंधन, ध्वज खोलने एवं ध्वजारोहण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ नगर के पुनौरा स्थित एमजीएन विद्यालय परिसर में विद्यालय के निदेशक लायन राघव बाजोरिया, सचिव लायन गणेश सराफ, कॉंग्रेस सेवादल के राष्ट्रीय प्रशिक्षक लायन डॉ राजीव कुमार काजू, प्रतीक, रीमा, आलोक कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, उसकी मयार्दा तथा ध्वजारोहण की सही प्रक्रिया से अवगत कराना है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राघव बाजोरिया ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह तिरंगे के सम्मान और गरिमा को बनाए रखे। मुख्य प्रशिक्षक लायन डॉ राजीव कुमार काजू प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ध्वज को सही तरीके से बांधने, खोलने, फहराने तथा सुरक्षित रखने की व्यावहारिक जानकारी दे रहे हैं। तीन दिनों तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को राष्ट्रध्वज संहिता एवं ध्वज के प्रति सम्मान की भावना से भी परिचित कराया जाएगा। कार्यक्रम में लायंस क्लब सीतामढ़ी वेस्ट के पदाधिकारीगण, शिक्षक नितेश, नयनसी, आदित्य सुमन झा, दिलीप, संजीव सहित सैकड़ों विद्यार्थी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। लायंस क्लब के सचिव गणेश सराफ ने कहा कि ब्रिटेनिया कम्पनी के सहयोग से तीन दिवसीय प्रशिक्षण के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है।

ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात महिला की मौत

बैरगनिया/सीतामढ़ी (एनएसबी)। बैरगनिया थाना क्षेत्र के नन्दबारा रेल फाटक के समीप सोमवार को ट्रेन की चपेट में आने से करीब 60 वर्षीय अज्ञात महिला की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ग्रामीणों के अनुसार, मृतका मानसिक रूप से अस्वस्थ बताई जा रही थी और पिछले कई दिनों से क्षेत्र में भटक रही थी। हालांकि, उसकी पहचान अब तक नहीं हो सकी है। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष अरविंद कुमार गिरि ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सहायक अवर निरीक्षक शशि कुमार को पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर भेजा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आसपास के लोगों से पूछताछ की तथा महिला की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सीतामढ़ी सदर अस्पताल भेज दिया। थानाध्यक्ष श्री गिरि ने बताया कि मृतका की पहचान के लिए शव को 72 घंटे तक सुरक्षित रखा जाएगा। इस अवधि में पहचान नहीं होने पर नियमानुसार पुलिस द्वारा शव का अंतिम संस्कार कराया जाएगा। फिलहाल पुलिस महिला की पहचान और उसके परिजनों की तलाश में जुटी हुई है।

जेम पोर्टल पर सामग्रियों एवं सेवाओं की अधिप्राप्ति को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित, डीएम ने कहा-

जेम्स पोर्टल से सरकारी खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता व निष्पक्षता आएगी

सीतामढ़ी (एनएसबी)। जिला पदाधिकारी रिची पाण्डेय की अध्यक्षता में सोमवार को समाहरणालय स्थित परिचर्चा भवन में गवर्नमेंट ई - मार्केटप्लेस (जेम पोर्टल) पोर्टल के माध्यम से सामग्रियों एवं सेवाओं की अधिप्राप्ति हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पदाधिकारी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम वित्त विभाग के निर्देश के आलोक में आयोजित किया गया। निदेशालय द्वारा प्रतिनियुक्त प्रशिक्षक सत्यम कुमार ने सीतामढ़ी जिला अंतर्गत सभी निकासी एवं व्ययन पदाधिकारियों तथा संबंधित चेकर एवं मेकर को जेम पोर्टल के माध्यम से सामग्रियों एवं सेवाओं की ऑनलाइन अधिप्राप्ति की प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को पोर्टल के विभिन्न प्रावधानों एवं अधिप्राप्ति की प्रक्रिया के संबंध में ऑनलाइन एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते जिला पदाधिकारी व अन्य।

इस अवसर पर जिला पदाधिकारी रिची पाण्डेय ने उपस्थित निकासी एवं व्ययन पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि जेम पोर्टल के माध्यम से सामग्रियों एवं सेवाओं की अधिप्राप्ति में पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन एवं नियमानुकूल प्रक्रिया सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार व्यक्ति अपने परिवार के विभिन्न मदों में व्यय करते समय वित्तीय अनुशासन एवं आवश्यकता का ध्यान रखता है, उसी प्रकार सरकारी कार्यालयों में भी प्रत्येक खरीदारी में वित्तीय आवश्यकता एवं मितव्ययिता का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

उन्होंने सभी पदाधिकारियों से प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त जानकारी का कार्यालयीन कार्यों में प्रभावी उपयोग करने का अनुरोध किया तथा निर्देश दिया कि जेम पोर्टल पर उपलब्ध सामग्रियों एवं सेवाओं की अधिप्राप्ति नियमानुसार पोर्टल के माध्यम से ही करनी चाहिए।

जिला पदाधिकारी ने बताया कि वर्तमान में जेम पोर्टल के माध्यम से अधिप्राप्ति की प्रक्रिया राज्यस्तरीय कार्यालय द्वारा संचालित की जा रही है। भविष्य में इसे मुफस्सिल स्तर के कार्यालयों में भी लागू किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन सामग्रियों एवं सेवाओं की उपलब्धता जेम पोर्टल पर है, उनकी खरीदारी नियमानुसार पोर्टल के माध्यम से करनी चाहिए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि जेम पोर्टल पर किसी सामग्री अथवा सेवा की अधिप्राप्ति के लिए स्पेशफिकेशन्स (विशिष्टताएं) निर्धारित करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि वे किसी विशेष आपूर्तिकर्ता को ध्यान में रखकर निर्धारित न हों। स्पेशफिकेशन्स इस प्रकार तय की जाएं कि अधिक से अधिक योग्य एवं सक्षम आपूर्तिकर्ता निविदा/बोली प्रक्रिया में भाग ले सकें। इससे प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी तथा सरकारी खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित होगी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर समाहर्ता (राजस्व) संजीव कुमार, सिविल सर्जन डॉ. रविंद्र कुमार यादव, वरीय कोषागार पदाधिकारी राजीव कुमार गुप्ता, जिला नजारत उप समाहर्ता प्रकाश कुमार, डीएसपी (पुलिस लाइन) सहित विभिन्न विभागों के निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी, संबंधित चेकर एवं मेकर तथा अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

सीतापुरम प्रोजेक्ट की वापसी की मांग को लेकर किसानों ने निकाला मशाल जुलूस

सीतामढ़ी (एनएसबी)। सेटेलाइट सीतापुरम प्रोजेक्ट की वापसी तथा प्रस्तावित लैंड पुलिंग के विरोध में सोमवार को पुनौरा, खैरबा, सांखी, मनियारी, अन्हारी, मारर सहित आसपास के गांवों के सैकड़ों किसानों ने मशाल जुलूस निकाला। जुलूस पुनौरा बाजार चौक से शुरू होकर जानकी मंदिर के मुख्य द्वार तक पहुंचा, जहां इसका समापन हुआ।

इस दौरान किसान सेटेलाइट सीतापुरम प्रोजेक्ट वापस लो, जमीन छीनना बंद करो, गांव उजाड़ना बंद करो, संपत्ति का संवैधानिक अधिकार छीनना बंद करो, 45 प्रतिशत लैंड पुलिंग वापस लो तथा लैंड लॉक शीघ्र हटाओ जैसे नारे लगाते हुए चल रहे थे। मशाल जुलूस के कारण पूरे क्षेत्र में किसानों के आंदोलन को लेकर चर्चा रही।

जुलूस के समापन के बाद सभी किसान जानकी मंदिर पहुंचे और माता सीता की पूजा-अर्चना कर प्रार्थना की। किसानों ने माता जानकी से प्रार्थना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी एवं सरकार को सद्बुद्धि दें, ताकि किसान-मजदूर विरोधी बताए जा रहे सीतापुरम प्रोजेक्ट को वापस लिया जा सके। किसानों ने यह भी प्रार्थना की कि उन्हें अपने अधिकारों के लिए जारी संघर्ष में शक्ति मिले और वे अपने आंदोलन में सफल हों। किसानों ने कहा कि उनकी जमीन और संपत्ति उनके जीवन-यापन का प्रमुख आधार है। ऐसे में प्रस्तावित परियोजना के नाम पर जमीन लिए जाने से किसानों के सामने भविष्य को लेकर गंभीर संकट उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने सरकार से किसानों की मांगों पर गंभीरता से विचार कर परियोजना को वापस लेने तथा लैंड लॉक हटाने की मांग की।

मशाल जुलूस एवं प्रार्थना कार्यक्रम में किसान नेता बैधनाथ हाथी, प्रो. आनंद किशोर, संतोष कुमार सिंह, जयप्रकाश राय, जालंधर यादववंशी, चंद्रदेव मंडल, अमरेंद्र राय, अवधेश यादव, रामसागर ठाकुर, अश्विनी कुमार मिश्र, नवीन कुमार सिंह, हरिओम सिंह, शंकर प्रसाद, सत्यनारायण सिंह, शंभू यादव, जितेंद्र हाथी, रामविवेक सिंह, प्रेमचंद्र सिंह, शिवचंद्र यादव सहित सैकड़ों किसान शामिल थे।

3 लाख सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों को मुख्यमंत्री ने दी पेंशन की सौगात

सीतामढ़ी (एनएसबी)। बिहार सरकार द्वारा सामाजिक सुरक्षा के पेंशनधारियों की पेंशन को 400 से बढ़कर 1100 रुपए करने की घोषणा की गई थी। इसके साथ ही सरकार द्वारा पेंशनधारियों को जानकारी दी गई थी कि हर माह 10 तारीख को पेंशनधारी विगत माह का पेंशन 1100 प्रति माह की दर से प्राप्त कर सकेंगे। इस कड़ी में आज 10 अगस्त 2026 को माह जुलाई की पेंशन की राशि पेंशनधारियों के खाते में अंतरित की गई। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। सीधे प्रसारण के माध्यम से पूरे राज्य भर से बड़ी संख्या में पेंशनधारी इस अवसर के साक्षी बने।

जिले के कुल 3,22,441 पेंशनधारियों के खाते में 36 करोड़ 74 लाख 22 हजार 500 रु की राशि अंतरित

जिलाधिकारी रिची पांडेय ने वृद्ध, विधवाओं एवं दिव्यांगों के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान का दिया संदेश

सीतामढ़ी जिला में मुख्य कार्यक्रम समाहरणालय स्थित विमर्श सभा कक्ष में आयोजित किया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पदाधिकारी रिची पांडेय के द्वारा किया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त श्वेता भारती भी मौजूद थीं। इस अवसर पर उपस्थित पेंशनधारियों को संबोधित करते हुए जिला पदाधिकारी श्री पांडेय के द्वारा मुख्यमंत्री, बिहार के वृद्धजनों विधवाओं एवं दिव्यांगजनों के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान की आकांक्षा के प्रति जिला प्रशासन की प्रतिबद्धता का संदेश दिया गया। उनके द्वारा वृद्ध, विधवाओं एवं निशक्त जिला वासियों के अधिकारों के संरक्षण तथा उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने का आश्वासन भी दिया गया।

समाहरणालय स्थित विमर्श सभा कक्ष में जिला स्तरीय कार्यक्रम में डीएम, डीडीसी व पेंशनधारी।

इस कार्यक्रम में सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा लालकृष्ण राय द्वारा जानकारी दी गई कि जिला में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन के 76203 वृद्ध जनों हेतु माह का कुल 08,48,93,800, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन के तहत 21403 पेंशनधारियों हेतु माह कुल 2,51,87,400 रुपए, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निशक्तता पेंशन के 2252 पेंशनधारियों हेतु 2493700, मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना के 178678 पेंशनधारीय हेतु कुल 20,33,73,400 रुपए, लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के 16770 पेंशनधारियों के लिए 1,87,90,300, बिहार राज्य निशक्तता पेंशन योजना के 27135 पेंशनधारी के लिए कुल 3,26,83,900 सहित कुल 3,22,441 पेंशनधारियों के लिए कुल 36 करोड़ 74 लाख 22 हजार 500 रुपए की राशि पेंशनधारियों के खाते में डीबीटी के माध्यम से अंतरित की गई है।

क्रान्ति दिवस पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद की सीतामढ़ी ईकाई का काव्यगोष्ठी सह सम्मान समारोह

आग नफरत की जमाने से बुझाई जाए, हर तरफ समां मुहब्बत की...

सीतामढ़ी (एनएसबी)। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत रविवार को स्थानीय प्रेस क्लब में मासिक काव्यगोष्ठी सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। क्रान्ति दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद की सीतामढ़ी ईकाई के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में जिले के साहित्यकार, पत्रकार, पूर्व सैनिक व समाजसेवियों ने भागीदारी दी। संगठन के जिलाध्यक्ष मुरलीधर झा मधुकर की अध्यक्षता व वरीय साहित्यकार सत्येंद्र मिश्र के संचालन में आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर जिले के पूर्व सैनिक अशोक कुमार, रत्नेश सिंह, सोहन यादव, मुकेश कुमार, संजीव कुमार, धर्मलाल राय व अनिल कुमार को तिरंगा अंगवस्त्र और सीतामढ़ी प्रेस क्लब के अध्यक्ष राकेश रंजन को जन्मदिन के उपलक्ष्य में अंगवस्त्र व मोमेंटो से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते साहित्यकार व कवि।

कार्यक्रम का विषय प्रवेश कराते हुए संगठन के जिला संगठन मंत्री वाल्मीकि कुमार " प्रखर " ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस व गणतंत्र दिवस के मौके पर संगठन की ओर से जिले के पूर्व सैनिकों का सम्मान की परंपरा का निर्वाह किया जाता हैं। देश की सीमाओं की रक्षा में अपने जीवन का बहुमूल्य समय देने वाले पूर्व सैनिकों का सम्मान से नई पीढ़ी में देश के सैनिकों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव बढ़ता हैं।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें महंत अशोक दास ने अपनी प्रस्तुति " एक ज्ञानी अज्ञानी बहुमत का रोना रोती हैं, तब धरती के हर कोने में - कुछ अनहोनी होती है। " से कार्यक्रम में ऊर्जा का प्रवाह किया। संगठन के उपाध्यक्ष आचार्य धीरेंद्र झा ' माणिक्य ' ने " शान तिरंगा मान तिरंगा, जान से प्यारा हमकों तिरंगा " और कवि रामबाबू सिंह ने " उठी लहर जब आजादी की स्वर उनका उनमें गूंजा " प्रस्तुत कर राष्ट्रीय चेतना का प्रवाह किया। चर्चित कवि गौतम कुमार वात्स्यायन ने " अधरों की मुस्कान तुम्हारी, देख के ये दिल हारा..." और गजल के बादशाह गुफरान राशिद ने " आग नफरत की जमाने से बुझाई जाए, हर तरफ समां मुहब्बत की जलाई जाए..." प्रस्तुत कर भरपूर वाहवाही लूटी। रामचंद्र जानकी शरण दास ने " पुत्र वधु इन सम मिले, तुम समान संतान..." और बज्जिका के चर्चित कवि डॉ रामपुकार सिंह ने " विधाता हो कइसे कटतई जीवन हमार ..." प्रस्तुत की।

प्रेस क्लब के सचिव आदित्यानंद आर्य की मौजूदगी में कवि राजेन्द्र सहनी ने सवालिया लहजे में अपनी रचना " नेता जुबानी जंग लड़ते रहेंगे, हर घटना की निंदा करते रहेंगे, आखिर कब तक ? और आचार्य रामानंद मंडल ने " देश के लाल, लालबहादुर शास्त्री..." और वरीय साहित्यकार सत्येंद्र मिश्र ने " मातृभूमि पर समर्पित, हर जवानी चाहिए, हो नहीं इतिहास में ऐसी कहानी चाहिए..." वहीं संगठन के संरक्षक बच्चा प्रसाद विह्वल ने " वीर जवानों की गाथा हम क्या गायें जुवान से, जिनकी उंची दास्तानें हैं विशाल आसमान से..." प्रस्तुत कर भरपूर तालियां बटोरी।

सम्पादकीय

मोदी सरकार ने भगोड़ों के प्रत्यर्पण को बनाया राष्ट्रीय प्राथमिकता

भगोड़े अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में, 2019 से अब तक 36 देशों से 274 भगोड़े अपराधियों को भारत वापस लाया गया है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम लागू हुआ। गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में, भारत ने भगोड़ों के खिलाफ एक एकीकृत, खुफिया-आधारित और प्रौद्योगिकी-संचालित मॉडल विकसित किया है, जिससे भगोड़ों के खिलाफ सख्ती बरतते हुए उन्हें वापस लाने का रास्ता साफ हुआ।

2014 से पहले प्रत्यर्पण के कानून कालबाह्य हो गए थे और केवल 37 देशों के साथ प्रत्यर्पण संधियां थीं। आर्थिक भगोड़ों को पकड़ने और उनकी संपत्ति जब्त करने के लिए कोई अलग कानून नहीं था। 2004 से 2013 के बीच एक वर्ष में औसतन केवल 4 भगोड़ों का प्रत्यर्पण होता था जबकि 110 अनुरोध लंबित थे। इसके अलावा, अधूरे दस्तावेज और धीमी कार्यवाही के कारण प्रत्यर्पण प्रक्रिया बहुत जटिल हो गई थी और विदेशी अदालतें भी प्रत्यर्पण की अनुमति नहीं देती थीं। साथ ही, कानूनी एवं न्यायिक बाधाओं जैसे, दोहरे अभियोजन से बचाव और दोहरे अपराध के सिद्धांत के कारण भारत के प्रत्यर्पण अनुरोध रद्द किए जाते थे। गृह मंत्रालय और अन्य विभागों में समन्वय और एकीकृत रणनीति का अभाव भी था और भगोड़ों की जानकारी साझा करना, लोकेशन ट्रैकिंग, रेड कर्नर नोटिस जारी करने जैसे कार्य धीमी गति से चलते थे।

भगोड़ों को वापस लाने को लेकर पहले की सरकारों में पॉलिटिकल विल का अभाव था, मोदी सरकार ने भगोड़ों के प्रत्यर्पण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया। प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप, केन्द्रीय गृह मंत्री ने भगोड़ों के खिलाफ तीन स्तंभों पर जोर दिया है - वैश्विक अभियान, मजबूत समन्वय और स्मार्ट कूटनीति। अमित शाह ने भगोड़े अपराधियों के मुद्दे को देश की संप्रभुता, आर्थिक स्थिरता, कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ बताया है।

मोदी सरकार 2019 में संशोधन अधिनियम लेकर आई और 2020 के बाद भगोड़ों को भारत वापस लाने की प्रक्रिया को मिशन मोड में आगे बढ़ाया गया। इससे कार्रवाई केवल संगठनों तक सीमित नहीं रही बल्कि व्यक्तिगत आतंकी, हैंडलर्स, फंडिंग नेटवर्क और विदेशों में बैठे सपोर्ट सिस्टम तक कार्रवाई का दायरा बढ़ा।

वर्ष 2024 में मोदी सरकार ने तीन नए आपराधिक कानूनों को लागू किया जिनमें भगोड़ों से संबंधित विशेष प्रावधान किए गए। पहली बार, धारा 355 और 356 में प्रावधान रखा गया जिससे भगौड़े अपराधियों की अनुपस्थिति में भी ट्रायल से लेकर अभियोजन तक संपूर्ण प्रक्रिया पूर्ण की जा सकेगी।

2022 में भारत ने 90वीं इंटरपोल जनरल असेंबली की मेजबानी की, जिसमें केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वैश्विक पुलिसिंग में कम्युनिकेशन, कोलैबोरेशन और कोऑपरेशन का संदेश दिया। भारत और वैश्विक एजेंसियों के बीच समन्वय, संपर्क और संवाद बढ़ाने के लिए गृह मंत्री अमित शाह द्वारा जनवरी, 2025 में लॉन्च किया गया। भारतपोल ने सीबीआई, राज्य पुलिस मुख्यालय और जिला पुलिस मुख्यालय को एकीकृत कर एक व्यापक इन्फर्मेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्मित किया। इसके तहत, राज्य और केन्द्रीय एजेंसियों के 1,400 से अधिक यूनिट ऑफिस पोर्टल से जुड़कर सूचना का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित कर रहे हैं। इसके कारण, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच इन्फार्मेशन शेयरिंग के रिस्पन्स टाइम में भारी कमी आई है। आज मांगी गई जानकारी अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 10 से 20 दिनों में और कुछ मामलों में मात्र 3 से 10 दिनों में साझा कर दी जाती है । केन्द्रीय गृह मंत्री ने इस दिशा में कुल 5 महत्वपूर्ण बैठकें की हैं।

मोदी सरकार ने मनी लॉन्ड्रिंग निरोधक कानून को सख्ती से लागू किया है। मोदी सरकार ने सख्ती से लागू होने से वर्ष 2019 से 2026 तक भगौड़ों की कुल 17,874 करोड़ की संपत्ति जब्त की। 2019 से 2026 तक 18,762 करोड़ की सफल वापसी की गई, इसमें देश छोड़कर भागे आर्थिक अपराधियों का पैसा शामिल है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भगोड़ों को पकड़ने के लिए विशेष ग्लोबल ऑपरेशन्स सेंटर स्थापित किया। यह केंद्र इंटरपोल के माध्यम से दुनिया भर की पुलिस से रियल-टाइम समन्वय करता है। सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान के लिए हर राज्य व केन्द्रीय जांच एजेंसी में इंटरपोल सम्पर्क अधिकारी नियुक्त किए हैं।

धर्मांतरण पर रोक के लिए एफसीआरए पर अंकुश जरूरी

प्रमोद भार्गव।

विदेशी अंशदान विनिमय अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन विधेयक में बाधा विपक्ष के साथ विदेशी ताकतें भी बन रही हैं। अमेरिकी सांसद राइली मूर ने इस संशोधन पर आपत्ति उठाते हुए कहा है कि भारत गैर-सरकारी संगठनों ट्रस्टों शैक्षिणक संस्थानों और धार्मिक संगठनों को विदेश से मिलने वाले चंदे से संबंधित कानूनों में प्रस्तावित संशोधनों पर चिंता जताई है, उन्होंने यहां तक कह दिया कि इस पहल से भारत और अमेरिका के बीच बने चले आ रहे द्विपक्षीय संबंध भी प्रभावित हो सकते हैं। मूर ने ऐसा इसलिए कहा है, क्योंकि अमेरिका के अलावा अन्य यूरोपीय देश भी भारत में एनजीओ के माध्यम से ईसाईकरण को बढ़ावा दे रहे हैं। इस्लामिक देशों से मतांतरण के लिए आ रहा धन आतंकी साजिशों में भी इस्तेमाल किया जा रहा है। अतएव राष्ट्रहित के लिए इस विधेयक में संशोधन आवश्यक है।

केंद्र सरकार ने विदेशी चंदा नियमन कानून के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले करीब 20,000 स्वयंसेवी संगठनों को अयोग्य करार देते हुए इनके लाइसेंस पहले ही खारिज कर दिए हैं। यह कार्यवाही तब की गई थी, जब इनके बही-खातों की जांच में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां पाई गईं थीं। इससे साफ होता है कि सेवा के बहाने ये एनजीओ गोरखधंधे में लगे हुए थे। इनके इतर गृह मंत्रालय ने 13000 संगठनों को विदेशी चंदा लेने के योग्य ठहराया हुआ है। इस कार्यवाही से यह सवाल खड़ा होता है कि आखिरकार देश में इतने गैरसरकारी संगठन क्यों हैं और इनके बने रहने का औचित्य क्या है इन संगठनों के विधान में यह मूल भावना निहित रहती है कि ये संगठन लोगों में जागरुकता लाकर उनके जीवन में उल्लेखनीय बदलाव के वाहक बनेंगे, लेकिन इस उद्देश्य से भटकर अपवादस्वरूप कुछ एनजीओ को छोड़ दें तो ज्यादातर एनजीओ देशी व विदेशी अनुदान पाकर निजी हित साधने और मतांतरण जैसे गोरखधंधे में लगे हैं।

जिन एनजीओ को फॉरेन कांट्रीब्यूशन रेगुलेशन एक्ट (एफसीआरए) के तहत चंदा मिलता है, वे अनाथालय, शिक्षा, स्वास्थ्य और जागरूकता अभियान चलाने के लिए विदेशों से बेहिसाब चंदा लेते हैं, किंतु इस्लाम व ईसाई धर्म से जुड़े एनजीओ धर्मातरण में लगे हैं। आधुनिक अथवा नवीन स्वयंसेवी संगठनों को सरकार की जटिल शासन प्रणाली के ठोस विकल्प के रूप में देखा गया था। उनसे उम्मीद थी कि वे एक उदार और सरल कार्यप्रणाली के रूप में सामने आएंगे। चूंकि सरकार के पास ऐसी कोई जादू की छड़ी नहीं होती कि वह हर छोटी-बड़ी समस्या का समाधान कर सके। इस परिप्रेक्ष्य में विकास संबंधी कार्यक्रमों में आम लोगों की सहभागिता की अपेक्षा की जाने लगी और उनके स्थानीयता से जुड़े महत्व व ज्ञान परंपरा को भी स्वीकारा जाने लगा। वैसे भी सरकार और संगठन दोनों के लक्ष्य मानव के सामुदायिक सरोकारों से जुड़े हैं। समावेशी विकास की अवधारणा भी खासतौर से स्वैच्छिक संगठनों के मूल में अंतर्निहित है। बावजूद प्रशासनिक तंत्र की भूमिका कायदे-कानूनों की संहिताओं से बंधी है। लिहाजा उनके लिए मर्यादा का उल्लंघन आसान नहीं होता। जबकि स्वैच्छिक संगठन किसी आचार संहिता के पालन की बाध्यता से स्वतंत्र हैं। इसलिए वे धर्म और सामाजिक कार्यो के अलावा समाज के भीतर मथ रहे उन ज्वलंत मुद्दों को भी हवा देने लग जाते हैं, जो उज्जवल भविष्य की संभावनाओं

अमेरिकी सांसद राइली मूर ने भारत के गैर-सरकारी संगठनों , ट्रस्टों, शैक्षिणक संस्थानों और धार्मिक संगठनों को विदेश से मिलने वाले चंदे से संबंधित कानूनों में प्रस्तावित संशोधनों पर चिंता जताई है।

और तथाकथित परियोजनाओं के संभावित खतरों से जुड़े होते हैं।

एफसीआरए कनून बनने से पहले गैर सरकारी संगठनों का जो मौजूदा स्वरूप था, वह देशी अथवा विदेशी सहायता नियम अधिनियम के चलते राजनीति से जुड़े दल विदेशी आर्थिक मदद नहीं ले सकते थे। लेकिन स्वैच्छिक संगठनों पर यह प्रतिबंध लागू नहीं था। इसलिए खासतौर से पश्चिमी व इस्लामिक देश अपने प्रच्छन्न मंसूबे साधने के लिए उदारता से भारतीय एनजीओ को अनुदान देने में लगे हैं। आठवें दशक में इन संगठनों को समर्थ व आर्थिक रूप से संपन्न बनाने का काम काउंसिल फॉर एडवांसमेंट ऑफ पीपुल्स एक्शन (कपार्ट) ने भी किया। अपने मूल उद्देश्य से भटके इनमें से ज्यादातर एनजीओ अब सर्वोच्च व उच्च न्यायालयों में पर्यावरण तथा सामाजिक विसंगतियों से जुड़े मुद्दों की जनहित याचिकाएं लगाकर अपना अस्तित्व बचाए हुए हैं। कई एनजीओ आतंकवादियों की गिरफ्तारी के बाद न केवल उनकी जमानत का इंतजाम करते हैं, बल्कि उनके मुकदमें लड़ने के लिए कई-कई बड़े वकील भी खड़े करके शीर्ष न्यायालय का दरवाजा भी आधि रात को खुलवा लेते हैं।

भूमण्डलीय परिप्रेक्ष्य में नव उदारवादी नीतियां लागू होने और बहुराष्ट्रीय कंपनियों के भारत में आगमन का सिलसिला परवान चढ़ने के बाद तो जैसे एनजीओ के दोनों हाथों में लड्डू आ गए थे। देखते-देखते दो दशक के भीतर ये संगठन सरकार के समानांतर एक बड़ी ताकत के रूप में खड़े हो गए। बल्कि विदेशी धन और संरक्षण मिलने के कारण ये न केवल सरकार के लिए चुनौती साबित हुए, अलबत्ता आंख दिखाने का काम भी करने लगे। आतंकवादियों और धर्मांतरण में लगे एनजीओ ऐसा ही कर रहे हैं। तथाकथित धर्मनिरपेक्ष वामपंथी बौद्धिक भी लालच में आकर इनकी पैरवी में खड़े हो जाते हैं। यही काम अब राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस कर रही है। गोया, इनकी यह पैरवी मतांतरण को प्रोत्साहित करती है।

भारत में स्वैच्छिक भाव से दीन-हीन मानवों की सेवा एक सनातन परंपरा रही है। वैसे भी परोपकार और जरूरतमंदों की सहायता भारतीय दर्शन और संस्कृति का अविभाज्य हिस्सा है। पाप और पुण्य के प्रतिफलों को भी इन्हीं सेवा कार्यो से जोड़कर आज भी देखा जाता है। किंतु वर्तमान गैर सरकारी स्वैच्छिक संगठनों को देशी-विदेशी धन के दान ने इनकी आर्थिक निर्भरता को दूषित तो किया ही है, इनकी कार्यप्रणाली को भी अपारदर्शी व भारत विरोधी तक बना दिया है। इसलिए ये विकारग्रस्त तो हुए ही अपने बुनियादी उद्देश्यों से भी भटक गए। इस लिहाज से जो धार्मिक व सांस्तिक संगठन हैं, उनकी गतिविधियों पर यह नजर रखने की जरूरत है कि वे बहरूपिया बनकर धर्मांतरण को बढ़ावा तो नहीं दे रहे अतएव नए संशोधनों के जरिए विदेशी धन में पारदर्शिता लाना राष्ट्रीय सुरक्षा को सुरक्षित करने के साथ यह भी सुनिश्चित करना है कि चंदे में मिले विदेशी धन का उपयोग मतांतरण के लिए तो नहीं हो रहा है। क्योंकि लंबे समय से चले आ रहे इस मतांतरण ने भारत के अनेक राज्यों में जनसंख्यात्मक घनत्व में बड़ी विसंगति पैदा कर दी है। अतएव मूर का यह दावा बेबुनियाद है कि इस संशोधन के जरिए भारत सरकार चर्चो और धार्मिक कल्याण ट्रस्टों को अधिग्रहण करना चाहती है ।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार व स्तम्भकार हैं।)
(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

भारत की साड़ियाँ परंपरा और वैभव

बी.कृष्णा

भारत की सांस्कृतिक धरोहर जितनी विविध और रंगीन है, उतनी ही समृद्ध उसकी वस्त्र परंपरा भी है। इस परंपरा की सबसे सशक्त अभिव्यक्ति भारतीय साड़ी है। यह केवल एक परिधान नहीं, बल्कि भारत की कला, शिल्प, सौंदर्यबोध और सांस्कृतिक निरंतरता की वाहक है। हर सूत में एक कथा, हर रंग में एक भाव और हर बुनावट में पीढ़ियों से संचित कौशल समाहित है। इसलिए राष्ट्रीय हथकरघा दिवस केवल बुनकरों के श्रम का सम्मान भर नहीं, बल्कि उस सांस्कृतिक विरासत के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर भी है, जिसने भारत की विविधता को ताने-बाने में सहेजकर रखा है।

वैदिक युग से लेकर राजदरबारों और आधुनिक वैश्विक मंचों तक भारतीय साड़ी ने समय के साथ स्वयं को निरंतर समृद्ध किया है। बदलते युग, बदलती रुचियों और बदलती तकनीकों के बीच भी उसका मूल स्वर अक्षुण्ण रहा है। वह केवल परिधान नहीं, बल्कि भारतीय समाज, संस्कृति और जीवन-पद्धति का एक जीवंत सांस्कृतिक दस्तावेज है।

भारत के विभिन्न राज्यों में विकसित साड़ी परंपराएँ वहाँ की भौगोलिक परिस्थितियों, स्थानीय संसाधनों, लोकजीवन और कलात्मक दृष्टि का परिचय कराती हैं। प्रत्येक क्षेत्र ने अपनी विशिष्ट बुनावट, रंग संयोजन, रूपांकन और तकनीक विकसित की, जिससे भारतीय साड़ियों का संसार अत्यंत समृद्ध और बहुरंगी बन गया।

भारतीय साड़ियों की पहचान केवल उनके क्षेत्रीय नामों से नहीं होती, बल्कि उनकी विशिष्ट बुनाई परंपराओं से भी होती है। इकट, जामदानी, जरी, ब्रोकेड, कांथा, बंधनी और ब्लाक प्रिंट जैसी तकनीकें भारतीय शिल्पकला की सृजनशीलता, तकनीकी दक्षता और सौंदर्यबोध का परिचय देती हैं। इन्हीं विविध परंपराओं ने भारतीय वस्त्रकला को वैश्विक स्तर पर विशिष्ट पहचान प्रदान की है।

किसी भी राज्य की साड़ी केवल उसकी बुनाई का परिचय नहीं देती, बल्कि उस प्रदेश के इतिहास, प्रकृति, लोकजीवन और सांस्कृतिक संवेदनाओं को भी अपने साथ लेकर चलती है।

हर साड़ी के पीछे एक बुनकर का धैर्य, एक परिवार की पीढ़ियों से चली आ रही साधना और अपने शिल्प के प्रति अटूट निष्ठा निहित होती है। करघे पर बुना गया प्रत्येक धागा केवल कौशल का परिचायक नहीं, बल्कि उस भावनात्मक जुड़ाव का भी साक्षी है, जिसके कारण यह परंपरा समय के असंख्य परिवर्तनों के बावजूद आज भी जीवंत बनी हुई है।

जिंदगी के एग्जाम में सबकुछ 'आउट ऑफ सिलेबस'

आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं के सामने जीवन की एक महत्वपूर्ण वास्तविकता रखी। आईआईटी की परीक्षा का सिलेबस तय होता है, लेकिन जिंदगी की परीक्षा का कोई निश्चित सिलेबस नहीं होता। जीवन में ऐसे प्रश्न और परिस्थितियां सामने आएंगी, जिनके लिए कोई तैयार उत्तर नहीं होगा। ऐसे समय में केवल ज्ञान और दक्षता पर्याप्त नहीं, परिस्थिति को समझने, उसके अनुसार अपनी रणनीति बदलने और कठिन क्षणों में अपने भीतर की शक्ति को बनाए रखने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण होगी।

जीवन की अनिश्चित परिस्थितियों के बीच समाधान खोजने का यह साहस भारतीय शास्त्रों की जीवन-दृष्टि में गहराई से दिखाई देता है। उन्होंने मनुष्य को केवल परिस्थितियों का सामना करना ही नहीं, बल्कि परिस्थितियों के बदलने पर अपनी प्रतिक्रिया, रणनीति और मानसिक स्थिति को भी बदलना सिखाया।

प्रस्तुत हैं वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस (सुंदरकांड) से लिए गए तीन महत्वपूर्ण जीवन सूत्र-

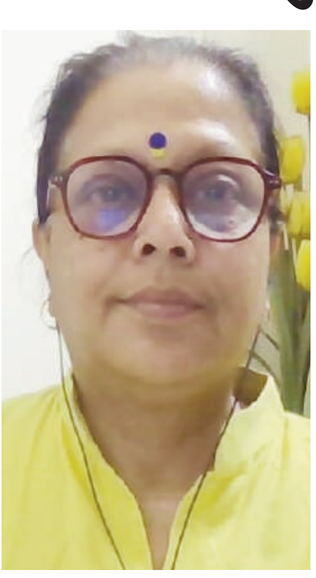

बी. कृष्णा
(ज्योतिष, योग एवं आध्यात्मिक चिंतक)

पहला सूत्र

समुद्र पार करते समय हनुमान के सामने सुरसा आती हैं। वह उनका मार्ग रोकती हैं और उन्हें निगलने की शर्त रखती हैं। हनुमान पहले विनम्रता से अपना उद्देश्य बताते हैं। लेकिन जब सुरसा अपनी शर्त पर अडिग रहती हैं, तो हनुमान भी एक ही तरीके पर अड़े नहीं रहते।

जस जस सुरसा बदनु बढ़ावा।
तासु दून कपि रूप देखावा
सत जोजन तेहिं आनन कीन्हा।
अति लघु रूप पवनसुत लीन्हा

सुरसा अपना मुख बढ़ाती जाती हैं और हनुमान भी अपना आकार बढ़ाते जाते हैं। लेकिन निर्णायक क्षण में वे अचानक अति लघु रूप धारण कर लेते हैं, उसके मुख में प्रवेश करते हैं और तुरंत बाहर निकल आते हैं।

यह प्रसंग केवल चातुर्य का नहीं, परिस्थिति के अनुसार कौशल और रणनीति बदलने की क्षमता का उदाहरण है।

हनुमान का लक्ष्य नहीं बदला। बदलती रही तो केवल रणनीति।

यही आज के युवा के लिए एक महत्वपूर्ण जीवन सूत्र है, लक्ष्य पर दृढ़ रहिए, लेकिन बदलती परिस्थितियों के साथ अपने कौशल, दृष्टिकोण और रणनीति को विकसित और परिवर्तित करने के लिए सदैव तैयार रहिए। हर समस्या अधिक शक्ति लगाने से हल नहीं होती। कहीं दृढ़ता चाहिए, कहीं संवाद, कहीं विस्तार चाहिए और कहीं स्वयं को छोटा करके रास्ता निकालना पड़ता है।

दूसरा सूत्र

लंका में सीता की खोज करते हुए हनुमान अनेक स्थानों को देख चुके थे, लेकिन उन्हें सीता का कोई पता नहीं मिला। लगातार प्रयास के बाद भी परिणाम सामने नहीं आया। उनके मन में यह चिंता भी उठने लगी कि लौटकर श्रीराम को क्या उत्तर दूंगा । सीता का पता न लगा पाने की निराशा के साथ यह भय भी था कि वानरों, जाम्बवान और युवराज अंगद के सामने क्या कहूंगा और सुग्रीव द्वारा निर्धारित समय बीत जाने का क्या परिणाम होगा। यह विचार उनकी निराशा को इतना गहरा कर देता है कि वे जीवन समाप्त करने तक का विचार करने लगते हैं।

लेकिन कुछ समय बाद उनका विचार बदलता है। वे स्वयं से कहते हैं-

अनिर्वेदः श्रियो मूलमनिर्वेदः परं सुखम्।
भूयस्तत्र विचेष्यामि न यत्र विचयः तः

अर्थात, हताश न होना ही सफलता का मूल है और हताश न होना ही परम सुख का कारण है। अतः मैं उन स्थानों पर फिर खोज करूंगा, जहां अभी तक खोज नहीं की है।

यहां हनुमान केवल निराशा से बाहर नहीं आते, वे अपनी खोज की रणनीति भी बदलते हैं। जिन स्थानों को देख चुके हैं, उन्हें दोहराने के बजाय वे उन स्थानों की ओर बढ़ते हैं जहां अभी तक खोज नहीं की गई थी।

स मुहूर्तमिव ध्यात्वा
चिन्ताविग्रथितेन्द्रियः।
उदतिष्ठन् महाबाहुर्हनूमान्
मारुतात्मजः
नमोस्तु रामाय सलक्ष्मणाय
देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै।
नमोस्तु रुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो
नमोस्तु चन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः

इस प्रकार दो घड़ी तक सोच-विचारकर, चिंता से शिथिल इंद्रियों वाले हनुमान सहसा उठकर खड़े हो गए और देवताओं को नमस्कार करते हुए बोले-

लक्ष्मण सहित श्रीराम को नमस्कार है। जनकनंदिनी सीता देवी को भी नमस्कार है। रुद्र, इंद्र, यम और वायु देवता को नमस्कार है तथा चंद्रमा, अग्नि और मरुद्गणों को भी नमस्कार है।

इस प्रकार उन सबको तथा सुग्रीव को भी नमस्कार करके पवनकुमार हनुमान ने सम्पूर्ण दिशाओं की ओर दृष्टिपात किया और अशोकवाटिका में जाने के लिए उद्यत हुए।

यही स्थिति आज के युवा के जीवन में भी आ सकती है। लगातार असफलता, अपेक्षित परिणाम न मिलना, अस्वीकृति या भविष्य की अनिश्चितता के बीच युवा कई बार अपनी वास्तविक क्षमता को ही भूलने लगता है।

इसके साथ यह दबाव भी जुड़ सकता है कि यदि मैं असफल हुआ तो परिवार, मित्रों या अपने लोगों के सामने क्या उत्तर दूंगा यही दबाव असफलता को वास्तविक परिणाम से कहीं बड़ा बना देता है।

ऐसे समय में अपने से बड़ी शक्ति से जुड़ाव और प्रार्थना, युवा के लिए तत्काल परिस्थिति की सीमाओं से ऊपर उठकर अपनी आंतरिक ऊर्जा को फिर से पहचानने और अगले प्रयास की ओर लौटने का, महत्वपूर्ण आधार बनते हैं।

तीसरा सूत्र

हनुमान की यात्रा के दूसरी ओर सीता हैं। उनके पास लंका की परिस्थिति बदलने की स्वतंत्रता नहीं है। वे अकेली हैं, चारों ओर भय और दबाव है। रावण उन्हें मानसिक रूप से तोड़ने का प्रयास करता है।

रावण को सामने देखकर सीता भय और व्याकुलता से कांप उठती हैं। वाल्मीकि उनकी स्थिति का वर्णन करते हैं

ततौ व वैदेहीं रावणं राक्षसाधिपम्।
प्रावेपत वरारोहा प्रवाते कदली यथा

तब वे प्रचंड हवा में हिलती हुई कदली के समान भय से थर-थर कांप उठीं।

भय और संकट के बीच भी सीता अपने भीतर की असीम शक्ति को थामे रहती हैं। वे परिस्थिति के दबाव में नहीं झुकतीं, बल्कि अपने आत्मसम्मान, पतिवत और धर्मबोध की शक्ति से रावण को स्पष्ट उत्तर देती हैं।

न मां प्रार्थयितुं युक्तस्त्वं सिद्धिमिव पापः।
अकार्यं न मया कार्यमेकपत्न्या विगर्हितम्

जैसे कोई पापाचारी पुरुष सिद्धि की इच्छा करने का अधिकारी नहीं हो सकता, वैसे ही तुम मुझे पाने की इच्छा करने के योग्य नहीं हो। जो आचरण पतिवता स्त्री के लिए निंदनीय और अनुचित है, उसे मैं कदापि नहीं कर सकती।

परिस्थिति हमेशा हमारे नियंत्रण में नहीं होती, लेकिन उसके बीच अपने भीतर की शक्ति को थामे रखते हुए अपने मूल्यों और संकल्प से विचलित न होना हमारे हाथ में होता है।

सुंदरकांड से आज के युवा के लिए तीन सूत्र-

परिस्थिति के अनुसार कौशल और रणनीति बदलें य लक्ष्य वही रहे, लेकिन परिस्थिति बदलने पर उसे पाने की रणनीति भी बदलनी चाहिए।

अपनी अंतर्निहित शक्ति को पहचानें और जागृत करें य जब स्वयं पर विश्वास डगमगाने लगे, तब अपने भीतर संचित सामर्थ्य को पहचानना ही वास्तविक शक्ति-जागरण है।

बड़ी शक्ति से जुड़कर संकल्प को अडिग रखें , कठिन समय में प्रार्थना और ईश्वर से जुड़ाव आंतरिक शक्ति देता है, यही शक्ति विपरीत परिस्थितियों में भी मूल संकल्प को बनाए रखने का आधार बनती है।

रॉकिंग स्टार यश का टॉक्सिक ट्रेलर आउट

काफी इंतजार के बाद आखिरकार टॉक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स का ट्रेलर आ गया है, जो एक ऐसे फैले हुए दुनिया की पहली झलक देता है जहाँ कैओस का टकराव कैओस से होता है, वफादारियाँ टेस्ट होती हैं और हर किरदार अपनी अलग कहानी लेकर चलता है। रॉकिंग स्टार यश की अगुवाई में ये ट्रेलर टॉक्सिक को एक बड़े स्केल वाली, लार्जर दैन लाइफ मैग्नम ओपस के रूप में पेश करता है, जिसमें हाई-ऑक्टेन एक्शन के साथ एक इमोशन से भरी कहानी है जो प्यार, पावर की भूख, धोखा और रिडेम्पशन पर टिकी है। दमदार विजुअल्स, धमाकेदार एक्शन, लेयर्ड कैरेक्टर्स और इंटेंस रिश्तों के साथ ये ट्रेलर एक ऐसे गैंगस्टर सागा का वादा करता है जो जितना स्पेक्टैक्युलर है, उतना ही इमोशन से भरा हुआ भी है।

टॉक्सिक के दिल में बसी है राया और उसके बेटे टिकट के बीच की कॉम्प्लेक्स रिलेशनशिप, जो इस बड़े गैंगस्टर वर्ल्ड को एक इमोशनल गहराई देती है। ट्रेलर में रिश्तों और दुश्मनियों का एक पूरा जाल भी दिखाया गया है, जिसमें नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी के किरदारों की झलक मिलती है। पूरी स्टारकास्ट जबरदस्त असर छोड़ती है, जहाँ हर कलाकार अपने किरदार में अलग शेड्स और इंटेंसिटी लेकर आता है।

अवॉर्ड-विनिंग फिल्ममेकर गीथू मोहनदास अपनी यूनिक स्टोरीटेलिंग और विजुअल स्टाइल के साथ टॉक्सिक में एक इमर्सिव और अनप्रेडिक्टेबल दुनिया रचती हैं। ट्रेलर में यश और यश का जबरदस्त फेस-ऑफ देखने को मिलता है, जहाँ यश राया और टिकट दोनों किरदार निभा रहे हैं। एक बाप और बेटा, जो एक धमाकेदार टकराव के दो अलग किनारों पर खड़े हैं। इस सेंट्रल लड़ाई के अलावा, ट्रेलर फिल्म की एम्बिशियस वर्ल्ड-बिल्डिंग भी दिखाता है हाई-अक्टेन एक्शन, थ्रिलिंग सींस, शानदार प्रोडक्शन डिजाइन और एटमस्फेरिक विजुअल्स के जरिए। सिनेमैटोग्राफी इस डार्क और टेक्सचर्ड दुनिया को और भी विजुअली अरेस्टिंग बनाती है, जबकि गीथू एक्शन, इमोशन और कैरेक्टर डायनामिक्स को मिलाकर एक एम्बिशियस सिनेमैटिक एक्सपीरियंस पेश करती हैं।

गीथू मोहनदास के निर्देशन में बनी टक्सिक : ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। ये फिल्म 26 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

प्रवचन

ज्ञानी और अज्ञानी से इतर लोग ही समाज विरोधी : जीयर स्वामी

समाज में दो प्रकार के लोग अच्छे होते हैं। एक ज्ञानी और दूसरे अज्ञानी। ज्ञानी लोग ज्ञान प्राप्त कर अपना एवं समाज का भला करते हैं। अज्ञानी कुछ सीखकर या देखकर आनंदित होते है। लेकिन जो ज्ञानी और अज्ञानी दोनों नहीं होते, वे संत और समाज को परेशान करते है। तरह-तरह के कुतर्क से युक्त सवाल खड़ा कर समाज को दिग्भ्रमित करते हैं। उपरोक्त बातें श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी ने चंदवा चातुर्मास्य ज्ञान-यज्ञ में प्रवचन करते हुए कहीं।

श्री जीयर स्वामी ने श्रीमद् भागवत महापुराण के सप्तम स्कन्ध की चर्चा करते हुए कहा कि राजा परीक्षित को शंका हो गई कि भगवान देवताओं के लिए पक्षपात करते है। श्री सुखदेव जी ने कहा कि ऐसा नहीं है। भगवान कभी पक्षपात नहीं करते। वे समदर्शी हैं। भगवान श्री राम अपने पिता को श्रद्धांजलि नहीं दिए लेकिन गिद्धराज जटायु को श्रद्धांजलि दिए। भगवान के चौदह भक्तों में सबसे प्रिय एवं प्रथम नाम राक्षस पुत्र प्राद का और अंतिम नाम भी राक्षस का भाई विभीषण का आता है। भगवान ने जो कृपा प्रह्लाद पर किया, वह किसी पर नहीं किया। भगवान किसी के प्रति पक्षपात नहीं करते।

भगवान कुलीनों के प्रति नहीं करते पक्षपात

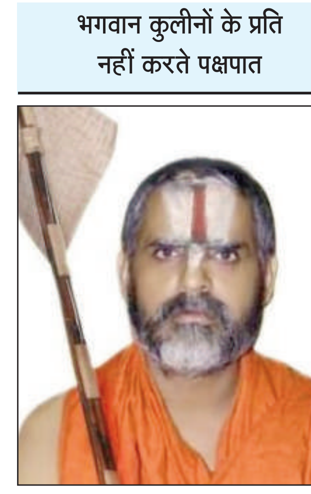

श्री लक्ष्मी प्रपन्न जीयर स्वामी।

स्वामी जी ने कहा कि बड़े लोगों द्वारा किए जाने वाले अच्छे कार्यो से हजारों लोगों का जीवन संवर जाता है और उनकी एक छोटी चूक का परिणाम भयानक हो जाता है। इसलिए बड़े लोगों को विशेष सतर्कता एवं मर्यादा का ख्याल रखकर व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि धर्म-सिद्धि के लिए कलियुग जैसा कोई युग नहीं। सतयुग एवं त्रेता में राक्षस यज्ञों को विध्वंस करने का भरपूर प्रयास करते थे। उन युगों के कई ऐसे उदाहरण हैं कि राक्षसों के भय से लोग यज्ञ-पूजा करना छोड़ दिए थे। सर्वविदित है कि यज्ञ की सुरक्षा के लिए ऋषि विश्वामित्र को बक्सर में राम-लक्ष्मण को लाना पड़ा। लेकिन कलियुग में ऐसा नहीं होता हैं। जो लोग नास्तिक हैं, उनका भी विरोध अपने लोगों के बीच तर्क-कुतर्क तक सीमित रहता है। वे यज्ञ, पूजा एवं मंदिर निर्माण आदि के विरुद्ध किसी प्रकार का बल प्रयोग नहीं करते। इसलिए कलियुग में धर्म व अनुष्ठान बहुत आसान हैं।

स्वामी जी ने कहा कि श्रद्धा, विश्वास और पुरूषार्थ हो तो बड़े से बड़े संकल्पों को पूरा किया जा सकता है। मानव को धैर्यपूर्वक अपने संकल्पों के प्रति श्रद्धा और विश्वास के साथ पुरूषार्थ करते रहना चाहिए।

स्वामी जी ने कहा कि एक बार लक्ष्मी जी ने भगवान से प्रश्न किया कि आप कैसे वज्र से भी कठोर और पराग जैसे कोमल है। आप की कोमलता को आप के चरण-स्पर्श से जानती हूँ। लेकिन कठोरता से अनभिज्ञ हूँ। बड़ा आदमी किसी बात को सुन लेता है। लेकिन तत्काल उसकी प्रतिक्रिया समझ में नहीं आती। एक दिन भगवान ने अपने शिष्यों की आदेश दिया कि मेरे सिर पर गदा से प्रहार करो। जय-विजय स्तब्ध हो गए और अपने स्वामी के सिर पर प्रहार करने से इंकार कर दिये। भगवान एक दिन जय-विजय से बोले कि मेरी आज्ञा के बिना किसी को प्रवेश नहीं करने देना है। लक्ष्मी जी आईं तो सेवकों ने उन्हें लौटा दिया। बाद में एक दिन सनकादि ऋषि आये। जय-विजय ने उन्हें भी रोक दिया, जिससे, आक्रोशित होकर भगवान की लीला से सन्कादियों ने श्राप दिया कि आप दोनों राक्षस हो जाएं। लक्ष्मी जी भगवान के इस वज्र के समान कठोर निर्णय से अवगत हो गई।

राक्षस तीन जन्मों तक हिरण्याक्ष-हिरण्यकष्पु, रावण- कुंभकरण और शिशुपाल- बकरंदा बने।

'सान्निध्य का संस्मरण' पुस्तक से साभार

दैनिक नवसंदेश
वायस 4 बिहार डॉटकाम की इकाई, दैनिक नवसंदेश (डेली डिजिटल न्यूज पेपर), स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक- यू. सिंह के द्वारा वार्ड-28, नियर पानी टंकी, रानीपुर, ब्रह्मपुर, फुलवारीशरीफ, पटना-801505 से डिजिटली प्रकाशित और संपूर्ण बिहार में प्रसारित ।
इस डिजिटल समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक, मुद्रक, प्रसारक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। प्राप्त स्पष्टीकरण प्रकाशित किया जायेगा। समाचारों से संबंधित सभी विवादों का न्याय क्षेत्र पटना न्यायालय (बिहार) ही होगा। (सभी पद अवैतनिक है।)

संक्षिप्त खबरें

किसानों की आय बढ़ाएगी कृषि वानिकी योजना 10 रूपए प्रति पौधा, तीन साल बाद मिलेगा 70 रूपए

मोतिहारी(एनएसबी)। किसानों की आय बढ़ाने के साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मोतिहारी वन प्रमंडल की ओर से षि वानिकी अन्य प्रजाति योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत किसानों को महज 10 रुपये की सुरक्षित राशि जमा करने पर पौधे उपलब्ध कराए जाएंगे।डीएफओ अमित कुमार ने बताया कि योजना का लाभ लेने वाले किसानों को तीन वर्षो तक पौधों की देखभाल करनी होगी। तीन साल बाद यदि लगाए गए पौधों की उत्तरजीविता 50 प्रतिशत से अधिक रहती है तो वन विभाग की ओर से प्रति जीवित पौधे 60 रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इसके साथ ही किसान द्वारा जमा की गई 10 रुपये की सुरक्षित राशि भी वापस कर दी जाएगी। इस प्रकार प्रत्येक जीवित पौधे पर किसान को कुल 70 रुपये का लाभ मिलेगा।उन्होंने बताया कि योजना के तहत महोगनी, सागवान, यूकेलिप्टस, शीशम, अर्जुन, जामुन, सेमल, पपलर और बांस समेत कई प्रजातियों के पौधे किसानों को उपलब्ध कराए जाएंगे। षि भूमि के साथ इन पौधों को लगाने से किसानों को भविष्य में अतिरिक्तआय का स्रोत मिलेगा और जिले में हरित क्षेत्र का भी विस्तार होगा।डीएफओ ने बताया कि इच्छुक किसान निर्धारित सुरक्षित राशि एफडी, एनएससी या नगद के रूप में संबंधित वन प्रमंडल कार्यालय में जमा कर योजना का लाभ ले सकते हैं। योजना से संबंधित अधिक जानकारी के लिए कार्यालय अवधि में 6203835244 पर संपर्क किया जा सकता है।उन्होंने किसानों से अपील की कि षि वानिकी योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और पौधों की नियमित देखभाल कर उन्हें संरक्षित करें।

राजेपुर स्कूल संचालक विक्की सिंह को कोर्ट ने भेजा जेल, 11 वर्षीय छात्रा से दुष्कर्म के मामले में हुआ था वारंट जारी

तेतरिया(एनएसबी)। राजेपुर थाना क्षेत्र के मामला प्रकाश में आया महिला थाना में दर्ज 11 वर्षीय छात्रा से दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे 'राजेपुर के स्कूल संचालक विक्की सिंह' को पुलिस के दबाव के बाद कोर्ट में आत्मसमर्पण करना पड़ा। कोर्ट ने पहले ही उनके खिलाफ वारंट जारी किया था।आत्मसमर्पण के बाद कोर्ट ने सुनवाई करते हुए विक्की सिंह को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दियासइइस मामले में महिला थाना पुलिस लगातार दबिश दे रही थी। तस्वीर में विक्की सिंह को पुलिस हिरासत में देखा जा सकता है। साथ में महिला थाना की पदाधिकारी और अन्य पुलिसकर्मी मौजूद हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पीड़िता का बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगीस प्रशासन ने कहा है कि नाबालिगों के खिलाफ अपराध में किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

तुरकौलिया के जिला पार्षद पति यूपी के पूर्वाचल एक्सप्रेसवे पर सड़क दुर्घटना में घायल, एक की मौत, इलाके में शोक की लहर

तुरकौलिया((एन एस बी)। जिला पार्षद तुरकौलिया -21सुमन वर्मा का पति हेमंत किशोर वर्मा सड़क दुर्घटना में लखनऊमें घायल हो गए हैं। वह अपने दोस्त गोदरेज एजेंसी बड़ियारपुर मोतिहारी के मालिक दिपक सहनी को इलाज कराने दिल्ली जा रहे थे। इसी दौरान रात में लखनऊसे पहले नीलगाय से पूर्वाचल एक्सप्रेसवे पर गाड़ी टकरा गया। जहां दिपक गंभीर रूप से घायल हो गए। 112 पुलिस ने नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने शहर के बड़े अस्पताल में रेफर कर दिया। जहां रास्ते में ही दिपक की मौत हो गई। दिपक अरेराज नगदाहा के मुल निवासी हैं। जो मोतिहारी में रहकर बिजनेस करते थे। इनका अरुणाचल प्रदेश में भी व्यवसाय चलता है। वही जख्मी हेमंत किशोर वर्मा खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। फिलहाल लखनऊमें इलाज चल रहा है। साथ ही तुरकौलिया के कवलपुर गांव का चालक सोनू कुमार की स्थिति भी ठीक है। मृतक की पत्नी निधि कुमारी का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। दिपक को छोटासा एकलौता पुत्र है। परिजन शव को लाने के लिए लखनऊरवाना हो चुके हैं।

रेड रिबन क्विज में मॉडल स्कूल पिपरा की काव्या व शिवम ने मारी बाजी

मोतिहारी(एनएसबी)। बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति एवं शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को सरस्वती विद्या निकेतन मडल (जिला स्कूल), मोतिहारी के सभागार में जिला स्तरीय रेड रिबन जि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के 50 विद्यालयों से दो-दो छात्रों के हिसाब से कुल 100 विद्यार्थियों ने भाग लिया।प्रारंभिक लिखित परीक्षा के बाद पांच विद्यालयों के 10 विद्यार्थियों का चयन मौखिक जि प्रतियोगिता के लिए किया गया।

रोमांचक फाइनल मुकाबले में मडल स्कूल पिपरा की छात्रा काव्या कुमारी एवं शिवम बाबू ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दोनों विद्यार्थियों ने राज्य स्तरीय रेड रिबन जि प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान सुरक्षित कर लिया।प्रतियोगिता में यूएचएस सुंदरपुर, केसरिया के नीतीश कुमार एवं ब्रजेश कुमार ने द्वितीय, एसयूएन मडल स्कूल,

सम्मानित करते प्रभारी प्राचार्य ।

तुरकौलिया के ओमप्रीत कुमार एवं शिल्पी कुमारी ने तृतीय, मंगल सेमिनरी, मोतिहारी के आर्यन राज एवं वैभव मिश्रा ने चतुर्थ तथा जिला स्कूल, मोतिहारी के नैतिक किशोर एवं देवराज गुप्ता ने पंचम स्थान प्राप्त किया।प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुस्तक देकर सम्मानित किया गया, जबकि प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।जिला एड्स परामर्शी सह पर्यवेक्षक संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति एवं शिक्षा विभाग के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में एचआईवीध्एड्स से बचाव, जागरूकता एवं स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता लिखित एवं मौखिक, दोनों चरणों में संपन्न हुई।जिला एड्स नियंत्रण पदाधिकारी एवं सरस्वती विद्या निकेतन मडल(जिला स्कूल) के प्रभारी प्राचार्य संजीव कुमार ने विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। पटना से आए बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति के रिसोर्स पर्सन सह जि मास्टर राकेश कुमार सिंह एवं शिवम कुमार ने प्रतियोगिता के संचालन में महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

सबसे विशाल व बड़े शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा 2029 कर दी जायेगी : शायन कुणाल

यह मंदिर धार्मिक पर्यटन के रूप में विकसित हो रहा है

माता अनिता कुणाल के साथ लघु सहस्त्रलिंगम पर किया रुद्राभिषेक

कल्याणपुर(एन एस बी)। विराट रामायण मंदिर परिसर स्थित कार्यालय में महावीर मंदिर न्यास बोर्ड के सचिव सायण कुणाल ने सावन की दूसरी सोमवारी को एक प्रेस वार्ता किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि मंदिर निर्माण को दो कैटगोरी में बांटा गया है। एक ए एवं दुसरा बी कैटेगोरी है। प्रथम कैटेगरी शिव दरबार जिसमे नंदी भगवान की स्थापना उसके पूर्व गणेश भगवान की स्थापना करना है। विश्व के सबसे ऊंचे 33 फीट सबसे विशाल व बड़े शिवलिंग की प्राण प्रतिष्ठा 2029 में शुभ घड़ी देखकर कर दी जाएगी। दूसरे कैटेगरी में राम दरबार का निर्माण किया जायेगा। शिव दरबार स्थापना के बाद देश

अभिषेक करते शायन कुणाल।

विदेश के श्रद्धालु सहस्त्रलिंगम के दर्शन कर सकेंगे। यह सहस्त्रलिंगम एक हजार वर्ष के बाद कल्याणपुर के कैथवलिया में स्थापित हुआ है। यह पद्मश्री स्वर्गीय किशोर कुणाल की ति है। जिसने गुजरात के पियूष भाई सोमपुरा के साथ सन् 2012 में विराट रामायण मंदिर का भूमिपूजन किया था। जो आज पूरे देश में एक बड़े विराट रामायण मंदिर को महावीर मंदिर न्यास बोर्ड के सचिव सायण कुणाल इसको आगे बढ़ाने का दायित्व निभा रहे हैं। सायण कुणाल ने इस मंदिर परिसर में स्थापित लघु सहस्त्रलिंगम का अपनी माता अनिता कुणाल के साथ रुद्राभिषेक किया। उन्होंने बताया कि बताया कि भक्तों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए तिरुपति के प्रसाद का निर्माण मंदिर परिसर में कराया जायेगा। जिससे भक्तों को नियमित तिरुपति का प्रसाद मिल सकेगा।कल्याणपुर के कैथवलिया में दूसरी सोमवारी को विश्व के प्रस्तावित सबसे बडे शिवलिंग के दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर परिसर में लघु सहस्त्रलिंगम के दर्शन हेतु भक्तों के आने से पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो रहा था। यह मंदिर फूल बेचने, जल बेचने, प्रसाद बेचने सहित हजारों लोगो के रोजगार का जरिया बन गया है। यह मंदिर धार्मिक पर्यटन के रूप में विकसित हो रहा है। वहीं कल्याणपुर थानाध्यक्ष विनित कुमार ने बताया कि सोमवारी के दिन बड़ी गाड़ियों का रुट दो से तीन किलोमीटर पहले से डायवर्ट कर दिया है।

4.69 लाख पेंशनधारियों के खाते में 53.42 करोड़ रुपये की राशि अंतरित

मोतिहारी। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के लाभुकों को जुलाई 2026 की पेंशन राशि का भुगतान सोमवार को डीबीटी (क्पतमबज ठमदमपिज ज्तंदेमित) के माध्यम से किया गया। इसको लेकर समाहरणालय स्थित ड् राजेंद्र प्रसाद सभागार में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा (।वै) सहित संबंधित विभाग के

कार्यक्रम में उपस्थित लोग।

पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहेस राज्यस्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री ने पटना से प्रदेश की छह प्रमुख सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं की राशि लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे अंतरित की। इसी क्रम में पूर्वी चंपारण जिले के 4,69,881 सक्रिय पेंशनधारियों के खातों में जुलाई माह की कुल 53 करोड़ 42 लाख 29 हजार 800 रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी गईस जिले में वृद्धजन पेंशन के तहत मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के 3,75,754 लाभार्थियों को कुल 42 करोड़ 55 लाख 88 हजार 700 रुपये का भुगतान किया गया। वहीं, लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के 51,584 लाभार्थियों के खातों में 6 करोड़ 10 लाख 76 हजार 100 रुपये अंतरित किए गएस इसी प्रकार बिहार निःशक्तता पेंशन एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निःशक्तता पेंशन योजना के 42,543 लाभार्थियों को कुल 4 करोड़ 75 लाख 65 हजार रुपये की राशि दी गईस कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि वृद्धजनों, विधवाओं एवं दिव्यांगजनों जैसे जरूरतमंद वर्गो तक सामाजिक सुरक्षा पेंशन का लाभ पूरी पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ पहुंचाना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पेंशन योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने का निर्देश दिया।

शिक्षा के व्यापक प्रसार से होगा समाज का विकास : डा. खालिद अनवर

अल्पसंख्यक कल्याण समिति के अध्यक्ष मनोनीत होने पर किया गया नागरिक अभिनंदन

एमएलसी डा. अनवर को मदरसा शिक्षकों ने अपनी मांगों पर आधारित ज्ञापन सौंपा

मोतिहारी(एनएसबी)। शिक्षा सर्वांगीण विकास की कुंजी है। शिक्षा के बगैर सफल जीवन की परिकल्पना संभव नहीं है। उक्त बातें एमएलसी ड़ा खालिद अनवर ने मदरसा बहरूल उलूम सिसवनिया में आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने शिक्षा, सामाजिक विकास और बच्चों के भविष्य को लेकर अपनी प्राथमिकताएं साझा करते हुए कहा कि समाज की वास्तविक और स्थायी तरक्की शिक्षा के प्रसार से ही संभव है। क्योंकि बच्चों को आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर ही सशक्त, आत्मनिर्भर और जागरूक समाज की नींव रखी जा सकती है। उन्होंने अभिभावकों और युवाओं से शिक्षा को अपनी प्राथमिकताओं में सबसे ऊपर रखने की अपील की। ड़ अनवर ने कहा कि बच्चों को बेहतर शिक्षा और सही मार्गदर्शन मिलने से वे भविष्य में समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ड़ा अनवर ने मदरसों को सशक्त समृद्ध और आधुनिक बनाने पर जोर देते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में मदरसा से निकले छात्रों की अग्रणी भूमिका

नागरिक अभिनंदन करते लोग।

रही है। मदरसा इंसानियत के कारखाने हैं, यहां इंसानियत का पाठ पढ़ाया जाता है। उन्होंने कहा कि कुछ मदरसों को सन्देह की नजर से देखते हैं, उन्हें मदरसों का इतिहास पढ़ने की जरूरत है। वहीं जिला शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान के व्याख्याता डा. फखरूद्दीन अली अहमद ने लर्निंग आउटकम और प्रोजेक्ट बेस्ट लर्निंग की चर्चा करते हुए कहा कि नकारात्मक चीजों से बचते हुए सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें। सामाज की सूरत और सीरत बदलने का यही मूलमंत्र है। वहीं जिला परिषद सदस्य ई तौसीसीफुर्रहमान ने कहा कि ड़ा खालिद अनवर ने निर्भिक व निष्पक्ष पत्रकारिता के साथ साथ सियासत में भी अपनी अलग पहचान बनाई है। बिहार विधान परिषद में वे अल्पसंख्यकों की मजबूत आवाज हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के संस्थापक हाजी अताउर्रहमान ने की जबकि संचालन की भूमिका ड़ा अकील अहमद ने निभाई।कार्यक्रम के अंत में उपस्थित गणमान्य लोगों और स्थानीय नागरिकों ने ड़ खालिद अनवर को बिहार विधान परिषद की अल्पसंख्यक कल्याण समिति का सभापति मनोनीत किए जाने पर बधाई दी। लोगों ने उनके कार्यकाल की सफलता की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में अल्पसंख्यक कल्याण के क्षेत्र में सकारात्मक और प्रभावी पहल को गति मिलेगी। इस दौरान मदरसा शिक्षकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मौलाना तारिक के नेतृत्व में अपनी मांगों पर आधारित ज्ञापन सौंपा। मौके पर जदयू नेता ड़ा आसिफ हुसैन, मो़ ज्याउल हक, पंसस अनसारूल हक, पूर्व पंसस अजीजुर्रहमान, मो़ असरारूल हक, अहसन ज्या, मो़ तहसीन ज्या, साबिर हुसैन, मो. कमरे आलम, जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला महासचिव कमरे आजम, अहमद तबरेज मोबीन, अबूटा के संयुक्त सचिव मेहरे आलम, कोषाध्यक्ष मो़ फिरोज आलम, मोहम्मद इस्राफील, ड़ा समीर अहमद, ई समी नवाज आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

सावन की दूसरी सोमवारी पर उमड़ा जनसैलाब, लाखों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

अरेराज (एसएनबी)। भारत प्रसिद्ध एवं बिहार का काशी कहे जाने वाले अरेराज स्थित श्री सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर में सावन की दूसरी सोमवारी पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पंचमुखी शिवलिंग के दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए लाखों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। रविवार की आधी रात मंदिर का मुख्य द्वार आम श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। इसके बाद पूरा मंदिर परिसर हर-हर महादेव, बोल बम, ओम नमः शिवाय और बाबा भोलेनाथ के जयकारों से गूंज उठा।श्रद्धालु लंबी कतारों में लगकर देर शाम तक भगवान सोमेश्वरनाथ का जलाभिषेक एवं पूजा-

भक्तों का भीडड़।

अर्चना करते रहे। श्रद्धालुओं के जयकारों से पूरा शिवालय एवं आसपास का क्षेत्र भक्तिमय बना रहा।श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधा को लेकर प्रशासन की ओर से व्यापक इंतजाम किए गए थे। अनुमंडल पदाधिकारी अंजली शर्मा एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रवि कुमार के नेतृत्व में अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न थानों के थानाध्यक्षों, 60 दंडाधिकारियों, 60 पुलिस अधिकारियों और 300 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। इसके अलावा अनुमंडल अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मी, एनसीसी कैडेट एवं बड़ी संख्या में समाजसेवी श्रद्धालुओं की सेवा में पूरे दिन जुटे रहे। पूजा-अर्चना के दौरान गर्मी एवं भीड़ के कारण कई श्रद्धालु बेहोश हो गए, जबकि कुछ श्रद्धालुओं को चोटें भी आईं। स्वास्थ्यकर्मियों की टीम ने मौके पर पहुंचकर उनका प्राथमिक उपचार किया।सावन सोमवारी के अवसर पर मंदिर परिसर एवं आसपास विशाल मेले का भी आयोजन किया गया है। पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी सीसीटीवी कैमरों से की जा रही है। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सादे लिबास में पुलिसकर्मियों के साथ महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई है। प्रशासन की मुस्तैदी और व्यापक सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्ण ढंग से बाबा सोमेश्वरनाथ का दर्शन एवं जलाभिषेक किया।

एमजीसीयू के अंग्रेजी विभाग के 13 विद्यार्थियों का बीएसयूएससी में सहायक प्राध्यापक पद पर चयन

मोतिहारी(एनएसबी)। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू), मोतिहारी के अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थियों एवं पूर्व विद्यार्थियों ने बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग (ठैन्ै) द्वारा हाल ही में आयोजित अंग्रेजी विषय में सहायक प्राध्यापक पदों की भर्ती प्रक्रिया में उल्लेखनीय सफलता अर्जित की है।इन चयनित अभ्यर्थियों की सफलता विभाग की अकादमिक उत्ष्टता और निरंतर प्रयासों को प्रतिबिंबित करती है। चयनित अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के विभिन्न अकादमिक स्तरों और बैचों का प्रतिनिधित्व करते हैंस पीएच़डी़ उपाधि प्राप्त चयनित अभ्यर्थियों में ड़ महिमा कश्यप, ड़ ष्ण कुमार, ड़ रितेश कुमार सिंह और ड़ राहुल मिश्रा शामिल हैं। एमए़

महात्म गांधीविवि ।

अंग्रेजी के पूर्व विद्यार्थियों में से ज्योत्सना प्रियम और संदीप कुमार का चयन हुआ है। विभाग के ातक स्तर के पूर्व विद्यार्थी सौरभ सिंह, शुभम कुमार और सोनाली कुमारी ने भी सहायक प्राध्यापक पद पर नियुक्ति प्राप्त की हैस विभाग को अपने वर्तमान में पंजीत शोधार्थियों की सफलता पर भी गर्व है। सुश्री जावी, सुश्री पल्लवी, श्वेता सिंह और श्री हर्ष आनंद का भी इस प्रतिष्ठित भर्ती प्रक्रिया में सहायक प्राध्यापक पद पर चयन हुआ हैस यह उपलब्धि विभाग की अकादमिक उत्ष्टता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण तथा शोधपरक अधिगम के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। साथ ही, यह उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सक्षम विद्वानों और शिक्षकों को तैयार करने में विश्वविद्यालय की बढ़ती प्रतिष्ठा को भी दर्शाती है।कुलपति प्रो़ संजय श्रीवास्तव, विभाग के शिक्षकगण, विद्यार्थियों तथा विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने सफल अभ्यर्थियों को हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल अकादमिक भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। उनकी यह उपलब्धि विभाग के वर्तमान एवं भावी विद्यार्थियों को शिक्षण और अनुसंधान के क्षेत्र में उत्ष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करेगी।

डीआरएम कार्यालय सोनपुर में स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

सोनपुर (एन एसबी) रेल कर्मचारियों के स्वास्थ्य संरक्षण एवं जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज दिनांक 10 अगस्त 2026 को नियंत्रण कार्यालय एवं मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, सोनपुर में एक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सकों द्वारा कर्मचारियों की सामान्य स्वास्थ्य जांच के साथ रक्त शर्करा (डायबिटीज), रक्तचाप (हाइपरटेंशन) एवं थायरयड संबंधी जांच की गई। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में

स्वास्थ्य जांच करवाते लोग

कुल 80 कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच की गई। चिकित्सकों ने सभी कर्मचारियों को संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, समय-समय पर स्वास्थ्य जांच एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी। जिन कर्मचारियों में नई स्वास्थ्य समस्याएं पाई गईं, उन्हें आवश्यक चिकित्सीय परामर्श एवं आगे की जांच हेतु निर्देशित किया गया। सोनपुर मंडल द्वारा समय-समय पर ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाते रहे हैं, ताकि रेल कर्मचारी स्वस्थ रहें और अपनी सेवाएं अधिक दक्षता एवं उत्साह के साथ प्रदान कर सकें। मंडल प्रशासन ने इस प्रकार की पहल को कर्मचारियों के कल्याण एवं कार्यस्थल पर स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

संक्षिप्त खबरें

ट्रक और बाइक के टक्कर में एक भाई की मौत दूसरा घायल

सहरसा सदर (एनएसबी)। सोनबरसा कचहरी थाना क्षेत्र के परमिनिया बिशनपुर मुख्य सड़क पर रविवार शाम एक ट्रक और बाईक मे आमने सामने टक्कर होने से बाइक पर सवार एक 13 वर्षीय किशोर की इलाज के दौरान मौत हो गई जबकि बाइक चालक प्रदीप कुमार घायल हो गया जानकारी के अनुसार दुधैला गांव के चाबी टोला निवासी प्रदीप कुमार और मनजीत कुमार दोनों चचेरा भाई एक बाइक से सोनबरसा कचहरी बाजार किसी काम से जा रहा था इस दौरान मुख्य सड़क स्थित एक भट्ठा के समीप सामने से आ रही है ट्रक से टकरा जाने के कारण बाइक पर एक भाई 13 वर्षीय मनजीत कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया जबकी उसका बड़े चचेरा भाई प्रदीप कुमार भी जख्मी हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने स्थानीय सोनबरसा कचहरी थाना पुलिस एवं पीड़ित परिवार को घटना की जानकारी दी जिसके बाद उनके परिजनों ने गंभीर रूप से घायल मनजीत कुमार को एक निजी क्लीनिक ले जाया गया जहां इलाज के दौरान सोमवार सुबह उसकी मौत हो गई जबकि प्रदीप कुमार को स्थानीय स्तर पर ईलाज कराया गया। वहीं सूचना मिलने पर सोनबरसा कचहरी थाना पुलिस ने घटना के बाद दुर्घटना किया ट्रक को जप्त कर लिया जबकि पुलिस पहुंचने से पहले ट्रक ड्राइवर ट्रक छोड़कर भाग फरार हो गया। मंजीत की ईलाज के दौरान ही मौत हो जाने से मां कौशल्या देवी, पिता सुरेश मुखिया सहित परिजनों में कोहराम मच गया।मृतक पांच भाई और बहनों मे चैथा नम्बर पर जो स्थानीय विद्यालय मे पांचवीं कक्षा का छात्र था। इस संबंध में सोनबरसा कचहरी थानाध्यक्ष सुप्रिती बर्मा ने बताया कि पिड़ित पक्षों द्वारा अभी तक घटना को लेकर किसी तरह की लिखित शिकायत नहीं की है शिकायत करने के बाद विधिसम्मत कार्यवाही की जायेगी।

16 आवेदनों पर हुई सुनवाई, संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश

सहरसा (एनएसबी)। जिलाधिकारी दीपेश कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय वेश्म में सेवा संवाद समाधान अनुसरण प्रणाली के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में आम नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों की सुनवाई की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को सरकारी सेवाओं तक सहज एवं सरल पहुंच उपलब्ध कराना, उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना तथा प्रशासन एवं जनता के बीच विश्वास एवं संवाद को और अधिक सुदृढ़ बनाना है। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से आए नागरिकों से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा उनके त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। आज आयोजित जनसुनवाई में कुल 16 आवेदनों पर सुनवाई की गई तथा सभी मामलों के समयबद्ध निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। सुनवाई के क्रम में रीता देवी सिमरी बख्तियारपुर निवासी, रीना कुमारी सत्तर कटैया के विश्वनाथ सादा बलवाहाट सिमरी बख्तियारपुर निवासी, राम कुमार साह तिवाड़ी पतरघट निवासी विजल कुमार ठाकुर चैनपुर निवासी एवं अन्य आवेदकों द्वारा भूमि विवाद एवं विभिन्न जन-समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए गए। प्राप्त आवेदनों के निष्पादन हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी मामलों का निष्पक्ष, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। कार्यक्रम के दौरान अपर समाहर्ता गणेश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

पुणे सुपौल एक्सप्रेस जानकी एक्सप्रेस सहित ट्रेनों में सघन टिकट जांच अभियान

सहरसा शहर (एनएसबी)। स्वतंत्रता दिवस को लेकर सहरसा जंक्शन पर सुरक्षा व्यवस्था और टिकट चेकिंग अभियान तेज कर दी गई है। चेकिंग अभियान में स्क्वायड टीम, रेलवे सुरक्षा बल को लगाया गया है। सोमवार को डीसीआई संजय कुमार के नेतृत्व में विशेष चेकिंग अभियान विभिन्न ट्रेनों में चलाया गया। चेकिंग अभियान में रेलवे सुरक्षा बल के इंस्पेक्टर धनंजय कुमार यादव,स्क्वायड टीम हेड इनदाद अहमद के अलावा कई चेकिंग अधिकारी शामिल थे। ट्रेन संख्या 55523 त्रिवेणीगंज समस्तीपुर पैसेंजर 75287 सहरसा समस्तीपुर पैसेंजर 11401 पुणे सुपौल एक्सप्रेस 15284 जयनगर कटिहार जानकी एक्सप्रेस। 12204 अमृतसर सहरसा गरीब रथ एक्सप्रेस अहमदाबाद एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों में चेकिंग अभियान चलाया गया। अचानक चेकिंग अभियान से सहरसा मानसी रेलखंड के विभिन्न स्टेशनों पर टिकट काउंटर पर भीड़ देखी गई। थोड़ी देर के लिए बे टिकट यात्रियों के बीच हड़कंप मच गई खबर लिखे जाने तक टिकट चेकिंग का कार्य चल रहा था।

इंजीनियर रुद्र कसौधन का इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स, मुंबई में चयन।

सहरसा शहर (एनएसबी)। पत्रकार विनय कसौधन के पुत्र रोबोटिक्स इंजीनियर रुद्र कसौधन का भारत सरकार के प्रतिष्ठित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स मुंबई में एसोसिएट प्रैक्टिशनर प्रोफेसर के पद पर चयन हुआ है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार सहित जिले के लोगों में हर्ष का माहौल है। रुद्र के चयन पर परिजनों, मित्रों, शुभचिंतकों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोगों ने बधाई दी है। इंजीनियर रुद्र कसौधन ने अपनी मेहनत, लगन और तकनीकी दक्षता के बल पर यह सफलता हासिल की है। प्रतिष्ठित संस्थान में चयन को उनके शैक्षणिक एवं तकनीकी क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। शुभचिंतकों ने कहा कि रुद्र की सफलता से युवाओं को भी तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से जुड़कर रुद्र को देश के कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में काम करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने उम्मीद जतायी कि रुद्र अपने ज्ञान, शोध और कार्यकुशलता का उपयोग करते हुए युवाओं को बेहतर तकनीकी प्रशिक्षण देने तथा कौशल आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। रुद्र कसौधन के चयन पर शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। शुभचिंतकों ने कहा कि रुद्र अपने कार्यक्षेत्र में निरंतर सफलता हासिल करते हुए परिवार, समाज और सहरसा का नाम रोशन करें तथा देश के तकनीकी एवं कौशल विकास के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करें।

सरकारी यूरिया 266 की जगह 450 से 550 रुपये में बिक्री का आरोप, किसानों में आक्रोश

सोनवर्षाराज (सहरसा) (एनएसबी)। प्रखंड क्षेत्र के सोनवर्षा राज मुख्य बाजार समेत विभिन्न इलाकों में सरकारी दर से अधिक कीमत पर यूरिया की बिक्री किए जाने का मामला सामने आया है। किसानों का आरोप है कि निर्धारित सरकारी मूल्य 266 रुपये प्रति बोरी होने के बावजूद उन्हें 450 से 550 रुपये तक भुगतान करना पड़ रहा है। यूरिया की कथित कालाबाजारी पर प्रशासनिक नियंत्रण नहीं होने से किसानों की परेशानी बढ़ती जा रही है। धान की फसल में यूरिया डालने का समय होने के कारण इन दिनों इसकी मांग काफी बढ़ गई है। ऐसे में किसान यूरिया के लिए बाजारों का चक्कर लगाने को मजबूर हैं। सोहा गांव के एक किसान ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि सोनवर्षा राज मुख्य बाजार में उन्हें 266 रुपये की निर्धारित कीमत के बजाय 450 रुपये में यूरिया दी गई। वहीं अतलखा पंचायत के नरहैया निवासी किसान रवि कुमार ने बताया कि उन्होंने मलौधा स्थित एक विक्रेता से 450 रुपये में यूरिया खरीदी। किसान के अनुसार, विक्रेता ने 350 रुपये में यूरिया देने की बात कही, लेकिन इसके साथ 100 रुपये का शक्तिवर्धक पाउडर लेना अनिवार्य कर दिया। किसान का आरोप है कि पाउडर नहीं लेने पर यूरिया देने से इनकार किया जा रहा था। रवि कुमार ने बताया कि अतलखा बाजार में भी यूरिया 550 रुपये प्रति बोरी तक बेचे जाने की बात सामने आ रही है।

जेल भरो आंदोलन में आये हजारों किसान, मजदूर, आंगनबाड़ी, आशा कार्यकर्ता हुए गिरफ्तार

सहरसा शहर (एनएसबी)। अखिल भारतीय किसान सभा, अखिल भारतीय खेतिहर एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन एवं सीटू सहित अन्य जनसंगठनों के राष्ट्रव्यापी जेल भरो आंदोलन के तहत सहरसा में हजारों किसान-मजदूरों, छात्र-नौजवानों, महिलाओं ने सोमवार को जिला परिषद प्रांगण से विशाल जुलूस निकाला। जिला परिषद प्रांगण में सुबह 10 बजे से ही टैक्टर, टैम्पो, बस, रेलगाड़ी व पैदल हाथों में लाल झंडा बैनर एवं मांगों से संबंधित तख्तियां लेकर प्रदर्शनकारियों की टोलियां जिला के विभिन्न हिस्सों से आना शुरू हो गया। शहर लाल झंडों के झुंड से लाल मय हो गया। दोपहर में हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी थाना चैक, वीर कुंवर सिंह चैक अम्बेडकर चैक होते अपनी मांगों से संबंधित गगन चुंवी नारा कारपोरेट भारत छोड़ो, भाजपा भगाओ देश बचाओ, भारत अमेरिका घुटना टेक व्यापार समझौता रद्द करो, सीलिंग भू-दान की जमीन पर पर्चा धारियों को दखल दिहानी दिलाओ, भूमीहीनों को वास की जमीन दो, पंचायतों पर प्रस्तावित टैक्स वापस लो, बाढ़ सुखाड़ और बिजली का स्थायी समाधान हेतु बराह क्षेत्र में हाईडैम निर्माण करो, पेपर लीक बंद करो, रसोईया आशा ममता कुरियर आंगनबाड़ी कार्यकताओं को स्थायी कर न्यूनतम वेतनमान 26000 दो, चार लेबर कोड रद्द करो, शिक्षा स्वास्थ्य और बिजली का निजीकरण बंद करो, नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाओ, जलजमाव का

आंदोलन में किसान, मजदूर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता।

स्थायी निदान करो, शुद्ध पेयजल आपूर्ति करो, तानाशाही की सरकार नहीं चलेगी, जोर जुल्म के टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है, वादाखिलाफी बंद करो, किसान मजदूरों के ऋण को माफ करो, महिलाओं पर अत्याचार बंद करो आदि नारा लगाते जिला समाहरणालय मुख्य द्वार पहुंचा। पहले से तैनात पुलिसकर्मियों ने मुख्य द्वार पर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। प्रदर्शनकारी एवं पुलिस के बीच नोंक झोंक भी हुआ। प्रदर्शनकारी गिरफ्तार करो जेल भेजो नारेबाजी करने लगे। प्रशासन द्वारा गिरफ्तारी नहीं करने के समाहरणालय का घेराव कर भीड़ सभा में तब्दील हो गई। कामरेड। व्यास प्रसाद यादव की अध्यक्षता में चले सभा को संबोधित करते किसान सभा के बिहार राज्य महासचिव कामरेड विनोद कुमार ने कहा अंग्रेज के बाद कारपोरेट भारत को लूट रहा है और भारत की सरकार कारपोरेट लूट की छूट दे रखी है। देश के किसान मजदूरों पर कारपोरेट घरानों का हमला जारी है। किसानों से जमीन छीनी जा रही है। उनके फसल की कोई कीमत नहीं है। एम एस पी आज तक गारंटी नहीं की गई। मजदूर के सारे अधिकार छीने जा रहे हैं। चार लेबर कोड कानून लागू कर मजदूरों के सारे अधिकार को छीन रही है। देश का किसान मजदूर जिल्लत भरी जिंदगी जी रहा है और सरकार कारपोरेट कारपोरेट कर रही है। देश का किसान मजदूर इससे बर्दाश्त नहीं करेगी।सभा को सम्बोधित करते किसान सभा के प्रांतीय संयुक्त सचिव रणधीर यादव ने केन्द्र एवं राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों पर हमला करते कहा कि दोनों ही सरकार टैक्स पर टैक्स लगा कर देश की जनता को संकट में डाल दिया है। मंहगाई वैरोजगारी और भ्रष्टाचारी की मार से आम जनता त्राहि-त्राहि कर रहा है। बिहार की सरकार पंचायतों में विभिन्न प्रकार के टैक्स को लाकर गरीब जनता को और मारना चाहती है। सरकार हाथी की तरह दो दांत रखती है दिखाने के लिए अलग और खाने के लिए अलग। रोज घोषणा करती है कि सभी भुमीहीन परिवारों को वास व आवास सरकार देगी, सीलिंग भूदान पर्चा धारियों को दखल दिहानी दिलायेगी लेकिन ठीक विपरीत भूमीहीन जहां बसा हुआ है उसको भी बुलडोजर से उजारा जा रहा है। भू-माफिया और प्रशासनिक गठजोड़ से पर्चा धारियों को दखल दिहानी के बदले बेदखल कराया जा रहा है। उन्होंने कहा जीरों टोलरेंस का ये हाल है कि वैगर चढ़ावा का किसी का कोई काम ही नहीं होता है। छोटे छोटे स्तर पर काम करने वाले संविदा कर्मी को भी मानदेय देने का पैसा नहीं है। सरकार बनाओं, सरकार बचाओ इसी में सरकारी खजाने को लुटा रही है। जनता हितैषी एक भी काम सरकार नहीं कर रही है। सरकार के खिलाफ संघर्ष ही जनता के समस्याओं का समाधान एक मात्र रास्ता बचा है। सभा के बीच से ही अनुमंडलाधिकारी सहरसा के आदेश पर समाहरणालय मुख्य द्वार के चारों तरफ भयंकर जाम स्थल से हजारों प्रदर्शनकारी को गिरफ्तार कर स्टेडियम केंम्पस सदर थाना अध्यक्ष एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी ले गए भारी बारिश के बीच भी प्रदर्शनकारी अपनी अपनी गिरफ्तारी सुची देने को प्रशासन पर दबाव बनाता रहा पुलिस भी हजारों लोगों की सुची बनाने में बेचेन रहें अंत में सभी गिरफ्तार प्रदर्शनकारी को स्टेडियम के अस्थाई केन्द्र से रिहा कर अपने अपने घर जाने का आदेश दिए।प्रदर्शन का नेतृत्व एवं सभा को सम्बोधित किसान नेता कृष्ण दयाल यादव, डां रामरेख यादव, संजय सिंह, रमेश यादव, शकील अहमद खां, केशव कुमार, इन्द्रदेव प्रसाद इन्दू, यशोधर मंडल, बुधन मुखिया, जवाहर यादव, दिलीप ठाकुर, परमेश्वरी शर्मा,भोला यादव, उपेन्द्र महतो, बिजेंद्र मंडल खेतिहर एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन के नेता रामचंद्र महतो, गुरूदेव शर्मा, डोमी पासवान, पवन सादा,कारी मुखिया सीटू नेता नसीमुद्दीन, दुखी शर्मा, मनोज शर्मा नसीम मिस्त्री,मो मकसुद, साहेब मुखिया, रमेश शर्मा, बिरेंद्र शर्मा, रसोईया यूनियन नेता बिहार के महासचिव ब्यास प्रसाद यादव, बिनोद यादव बनमा, बिनोद यादव सलखुआ, निर्मल कुमार, कैलाश स्वर्णकार, एडवा जिला सचिव अनिता देवी, जिलाध्यक्ष सुकनी देवी, प्रिया कुमारी, माला देवी,हकरी देवी,मुसहरनियां देवी नौजवान सभा के जिला सचिव कुलानन्द कुमार, मुर्शीद आलम, मनोज शर्मा, दिलीप शर्मा, अमीर खां,ब्रजेश वामपंथी, विरेन्द्र राम अमरजीत राम,एसएफआई जिला सचिव रेहान खां उर्फ रिंकू, नीतीश कुमार, राहुल कुमार , मुन्ना कुमार, आशा संघ ज्योतिष रानी, आंगनबाड़ी संघ जिला सचिव पार्वती कुमारी,बिभा रानी पिंकी कुमारी, ई-रिक्शा चालक यूनियन नेता धर्मराज साह,आदि ने किया। सभा के अन्त में प्रतिनिधिमंडल द्वारा 23 सुत्री मांगों का स्मार पत्र जिला पदाधिकारी सहरसा को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित किया गया।

आठ सुत्री मांगों के समर्थन में अराजपत्रित कर्मचारी संघ द्वारा एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन आयोजित

सहरसा शहर (एनएसबी)। बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के राज्य समान्य पर्षद की बैठक में हुए निर्णय के संदर्भ मे प्रदर्शन के माध्यम से जिलाधिकारी द्वारा मुख्य सचिव बिहार सरकार को मांग पत्र का संलेख समर्पित किया गया।बिहार राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ के जिला मंत्री शरद कुमार के नेतृत्व में प्रदर्शन कर चिर लंबित मांग पत्र का संलेख मुख्य सचिव के नाम समर्पित किया गया। दुसरी तरफ सिंचाई विभाग अंतर्गत कार्यरत मौसमी कर्मचारियों के मांग पत्र मुख्य अभियंता द्वारा विभागीय मंत्री को सौंपा गया। आठ सुत्री मांग में एनपीएस समाप्त कर सभी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने, सभी संविदा कर्मचारियों को नियमित कयने, संविदा, आउटसोर्स, दैनिक वेतनभोगी रोजगार व्यवस्था को समाप्त करने, बिहार राज्य भूमि सुधार कर्मचारी संघ के साथ सरकार से वार्ता एवं समझोते के सभी बिन्दुओं को लागु करने,सचिवालय के तर्ज पर मुफस्सिल कार्यालयों का पांच दिवसीय कार्य दिवस करने,नव नियुक्त राजस्व कर्मचारी, अमिन,पंचायत सेवक, सभी विभागो के लिपिक ,स्वास्थ विभाग के ए.एन.एम का गृह जिला पदस्थापन करने, सिंचाई विभाग अंतर्गत कार्यरत मौसमी कर्मचारियों के सेवा का समायोजन रिक्त पद के विरुद्ध किये जाने की मांग की। राज्यों में लंबित डीए डीआर की सभी किश्तों को प्रभावी तिथि से बकाया सहित जारी करने, कमांड कर्मचारियों का समायोजन सिंचाई विभाग में करने,आठवें वेतन का अविलंब लागू करने की मांग शामिल है। प्रदर्शन में महासंघ के जिलाध्यक्ष प्रभात कुमार सिंह,ललित नारायण मिश्र,रमन कुमार, बिहार अनुसचिवीय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष समरेंद्र सिंह, जिला मंत्री अनिष कुमार, सुरज, बमबम झा, हेमचंद्र राजस्व कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संतोष कुमार झा, स्वास्थ्य संघ के जिला संयोजक कुमार प्रियांशु सिंह, नंदकुमार खां, सुरेश यादव, अभिषेक कुमार मिश्रा, शिक्षा अनुसचिवीय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष राजेश नंदन झा, जिला मंत्री शशि शेखर सिंह, ओमशंकर, कृषि कर्मचारी संघ के प्रीतम, दुर्गेश, हर्षवर्धन, वंदना, अजय, सिंचाई संघ के जिला मंत्री खगेस सिंह, अध्यक्ष उमेश कुमार यादव, अमित भारद्वाज, रामचंद्र प्रसाद मंडल, जयकिशन पासवान, अमित भारद्वाज, संतोष यादव, रुपेश यादव, गोपाल सिंह, चालक संघ के अध्यक्ष श्याम सुंदर यादव मौसमी कर्मचारी संजय कुमार राऊत, महादेव उरांव, मोफीक आलम, रमेश कुमार, रोहित ठाकुर, दशरथ राम, सलाम, नुनु लाल महतो सहित विभिन्न संवर्ग विभाग के सैकड़ो कर्मचारियों ने भाग लिया।

प्रदर्शन करते अराजपत्रित कर्मचारी संघ।

विधायक व मेयर नें संयुक्त रूप से गांधी पथ स्थित रेणु प्रेस का उद्धाटन

सहरसा शहर (एनएसबी)। शहर के गांधी पथ स्थित शहर के पुराने रेणु प्रेस का पुनरू नये तेवर व कलेवर के साथ नई बिल्डिंग में विधायक आईपी गुप्ता, महिषी विधायक गौतम कृष्ण, मेयर बैन प्रिया, जिप उपाध्यक्ष धीरेंद्र यादव, जिला कला संस्कृति पदाधिकारी स्नेहा झा,राजद प्रदेश महासचिव धनिक लाल मुखिया, भाजपा जिलाध्यक्ष साजन शर्मा,रामकृष्ण साह उर्फ मोहन साह,सूर्या हॉस्पिटल के संचालक सर्जन डॉ विजय शंकर, सुनील कुमार भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष नीरज गुप्ता के द्वारा संयुक्त रूप से उद्घाटन किया गया।इस अवसर पर शहर के व्यवसायी, कवि साहित्यकार एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति बनी रही।रेणु प्रेस के संस्थापक नीतीश साह ने अपनी जननी के नाम पर वर्ष 2006 में शुरू किया। आज संस्थापक मॉ सदेह तो आज नही है किन्तु उनकी आत्मा रेणु प्रेस को वटवृक्ष बनते देख रहीं होंगी।सहरसा ही नहीं अपितु सुपौल में भी रेणु प्रेस का द्वितीय शाखा शुरू हो चुकी है और मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि इस प्रेस का परचम संपूर्ण भारत में एक दिन लहरते देखूंगा।इस अवसर पर विधायक ने कहा कि आजादी के दौरान प्रिन्टिंग प्रेस ने काफी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।चुनाव के समय इसकी महत्वता और अधिक बढ जाती है।उन्होने कहा कि रेणु प्रेस के पुनरू नये सिरे से स्थापित किया गया है। मै इसके उत्तरोत्तर प्रगति की कामना करता हूं।राजकीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित आनंद कुमार झा के संचालन में शहर के गणमान्य लोगों को गेस्ट ऑफ ऑनर के तहत अंगवस्त्र, डायरी, कैलेन्डर देकर कार्यक्रम को यादगार बनाया गया। वही सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर ज्योतिषाचार्य पंडित तरुण झा, संजय वशिष्ट, राजीव रंजन साह, कृष्ण कांति कुमार, अनंत झा रोशन, डॉक्टर धनोज कुमार,रजनीश रंजन,रौशन मिश्र,प्रो गीता यादव सहित बड़ी संख्या में अन्य लोग मौजूद रहे।

1100 की राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों के खाते में अंतरित की गई: जिलाधिकारी दीपेश कुमार

सहरसा कार्यालय (एनएसबी)। मुख्यमंत्री सम्राट चैधरी के द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सोमवार को राज्य भर के 10132888 पेंशनधारियों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत जुलाई माह हेतु 1100 की राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों के खाते में अंतरित की गई। जिला स्तर पर आज के इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी दीपेश कुमार, जिला प्रोग्राम पदाधिकारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग, वरीय समाहर्ता सह डीपीआरओ सहरसा तथा जिला के निकटतम लगभग 100 से अधिक पेंशनधारी ऑनलाइन के माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े रहे। आज के इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा राज्य के वृद्धजनों, विधवा महिलाओं एवं दिव्यांग जनों के कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई गई एवं सभी पेंशनधारियों को आश्वस्त किया गया कि बिहार सरकार के द्वारा हर महीने के 10 तारीख को विगत माह की पेंशन की राशि डीबीटी के माध्यम से उनके खातों में अंतरित कर दी जाएगी। समारोह में जिलाधिकारी द्वारा बताया कि बिहार सरकार ने सभी 06 प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन के सभी पेंशनधारी जिनका जीवन प्रमाणीकरण 31 जुलाई 2026 तक पूर्ण हो चुका था ऐसे सभी लाभार्थी को माह जुलाई 2026 का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किया गया है। उन्होंने बताया कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत ह्लइंदिरा गाँधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत कुल 54,624 लाभार्थी,ह्ल मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना के कुल 1,14,694 लाभार्थी, ह्लइंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के कुल 9,425 लाभार्थी, लक्ष्मी बाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत 14,190 लाभार्थी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निः शक्तता पेंशन योजना के 1394 लाभार्थी, बिहार निः शक्तता पेंशन योजना के- 14,807 लाभार्थियोंह्ल को आज माह जुलाई 2026 की पेंशन की राशि का डीबीटी के माध्यम से सीधे लाभुकों के खाते में अंतरण किया गया जिससे समाज में वृद्ध, विधवा एवं दिव्यांगजनो को सम्मान एवं सुरक्षा मिलेगा।

इलेक्ट्रिक वाहन खरीद पर मिलेगा 1 लाख तक का अनुदान, चार्जिंग प्वाइंट लगाने पर भी 1.50 लाख तक प्रोत्साहन

पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में सहरसा में इलेक्ट्रिक वाहन एवं चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार पर जोर

सहरसा शहर (एनएसबी)। बिहार सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री बिहार पर्यावरण अनुकूल परिवहन रोजगार योजना के अंतर्गत इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद को प्रोत्साहित करने के लिए पात्र लाभार्थियों को अनुदान प्रदान किया जा रहा है। इसके साथ ही जिले में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए आवश्यक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने हेतु भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इच्छुक लाभार्थी बिहार सरकार के परिवहन विभाग के ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उक्त जानकारी जिला परिवहन पदाधिकारी श्री सुजीत कुमार बरनवाल ने दी। जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि बिहार सरकार द्वारा वर्ष 2030 तक राज्य में पंजीकृत एवं उपयोग किए जाने वाले वाहनों में 30 प्रतिशत इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों की खरीद को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ चार्जिंग नेटवर्क के विस्तार पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पात्र लाभार्थी बिहार सरकार के परिवहन विभाग के ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध ईवी सब्सिडी लिंक के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना के

जिला परिवहन पदाधिकारी

प्रावधानों के अनुसार 15 मई 2026 के बाद खरीदे गए पात्र इलेक्ट्रिक वाहनों पर निर्धारित शर्तों के तहत सब्सिडी का लाभ प्राप्त किया जा सकता है। योजना के अंतर्गत इलेक्ट्रिक मालवाहक तिपहिया वाहन खरीदने वाले सामान्य वर्ग के लाभार्थियों को 50,000 तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लाभार्थियों को 60,000 तक का अनुदान दिया जाएगा। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने पर सामान्य वर्ग की महिलाओं को 12,000, पुरुषों को 10,000 तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लाभार्थियों को 12,000 प्रति वाहन तक का अनुदान प्रदान किया जाएगा। महिलाओं को इलेक्ट्रिक चारपहिया वाहन अपनाने के लिए विशेष प्रोत्साहन दिया गया है। पात्र महिला लाभार्थियों को इलेक्ट्रिक चारपहिया वाहन की खरीद पर अधिकतम 1,00,000 तक की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि इलेक्ट्रिक वाहन का बिहार में पंजीकरण कराने पर मोटर वाहन कर में 50 प्रतिशत तक की छूट का लाभ भी प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त, पुराने वाहन को अधिकृत स्क्रैपिंग प्रक्रिया के तहत रद्दीकरण कराने के बाद नया वाहन खरीदने पर लागू वाहन स्क्रैपिंग नीति के प्रावधानों के अनुसार अतिरिक्त लाभ, प्रोत्साहन प्राप्त किया जा सकता है। इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़ते उपयोग को देखते हुए बिहार सरकार द्वारा इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग नेटवर्क को मजबूत बनाने के लिए चार्जिंग मशीन एवं उपकरणों के क्रय तथा स्थापना पर भी प्रोत्साहन राशि प्रदान की जा रही है। विभिन्न श्रेणी के चार्जिंग उपकरणों की स्थापना पर पात्र संस्थानों, व्यक्तियों को 1,50,000 तक का प्रोत्साहन दिए जाने का प्रावधान है। डीटीओ ने शॉपिंग मॉल, होटल, रेस्टोरेंट, पेट्रोल पंप एवं अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के संचालकों से अपने-अपने परिसरों में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग प्वाइंट स्थापित करने की दिशा में आगे आने का अनुरोध किया है।

संक्षिप्त खबरें

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सीएम सम्राट चौधरी का पुतला दहन

बेलदौर। अखिल भारतीय किसान महासभा के बैनर तले किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर सैंकड़ों किसानों के साथ विरोध मार्च निकाला गया। इस राष्ट्रव्यापी आह्वाहन पर बेलदौर थाना चौंक से तिलाठी चौंक तक निकाले गये विरोध मार्च में दर्जनों किसान तिलाठी चौंक पहुंचे। उसके बाद एक छोटी सी जनसभा को संबोधित किया। संबोधन के दौरान अखिल भारतीय किसान महासभा के जिला महासचिव शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा अमेरिकी सरकार से किए गए षि समझौते से पूरे देश में किसान बड़ी आफत आने वाली है। बिहार में सेटेलाइट सिटी के नाम पर गैर मजरूआ खास, बकास और सर्वस्ता कर सर्वे के नाम पर किसानों की उपजाऊजमीन छीना जा रहा है और परिमार्जन के नाम पर दस्तावेजों में नाम सुधारने के नाम पर लूट की जा रही है। वहीं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माले) के जिला कमिटी सदस्य अरुण दास ने कहा कि भाजपा की सरकार विदेशी राहनुमाई के कारण विदेशी कार्पोरेट की जद में जा रही है और भारत देश के आंतरिक मामलों में भी ट्रंप सरकार हस्तक्षेप कर रही है। जनसभा के बाद तिलाठी चौंक पर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का पुतला दहन किया गया। मौके पर शैलेन्द्र कुमार वर्मा, अरूण दास के अलावे कार्तिक शर्मा, सिकन्दर यादव, नारायण मुखिया आदि ने संबोधित किया।

गोगरी से 16 वर्षीय नाबालिग लड़की गायब

गोगरी। थाना क्षेत्र से 16 वर्षीय नाबालिग लड़की के लापता होने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर परिजनों ने गोगरी थाना में लिखित आवेदन देकर लड़की की बरामी की गुहार लगाई है। आवेदन के अनुसार, 6 अगस्त की शाम करीब छह बजे नाबालिग लड़की घर से कुछ सामान लेने किराना दुकान गयी। काफी देर तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की। रिश्तेदारों एवं आसपास के इलाकों में तलाश करने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों ने आवेदन में आरोप लगाया है किशरगढ़ निवासी एक युवक ने नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। आवेदन में युवक की उम्र करीब 22 वर्ष बताई गई है। परिजनों को आशंका है कि लड़की को किसी दूसरे स्थान पर ले जाया गया है। परिजनों ने पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच करते हुए नाबालिग को जल्द बरामद करने तथा दोषी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। इस मामले मे अपर थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने कहा की मामले की जाँच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

पीड़ित ने निश्पक्ष जांच कराने का किया मांग

बेलदौर। थाना क्षेत्र के पिरनगरा गाँव निवासी स्वर्गीय राम चरित्र यादव के पुत्र विजेंद्र कुमा ने थाना अध्यक्ष को एक लिखित आवेदन देकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने की गुहार लगाई है। आवेदक का कहना है कि उन पर लगाए गए सभी आरोप बेबुनियाद और मनगढ़ंत हैं। विजेंद्र कुमार द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार पिरनगरा बहियार स्थित उनके खेत में भदैया मक्के की फसल लगी हुई है। पिछले कुछ समय से अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा मवेशियों के चारे के लिए उनकी फसल चोरी-छिपे काटी जा रही थी।आवेदन में वर्णित है कि बीते 8 जुलाई की शाम जब विजेंद्र अपने खेत पर पहुँचे, तो उन्होंने देखा कि गाँव के ही अखिलेश पासवान की पुत्री उनके खेत से मकई की फसल काट रही थी। विजेंद्र को देखते ही किशोरी डरकर भागने लगी। आवेदक के मुताबिक भागने के क्रम में किशोरी खेत की आड़ पर असंतुलित होकर गिर पड़ी, जिससे उसकी दाईं जांघ की हड्डी टूट गई। विजेंद्र कुमार का आरोप है कि इस हादसे के बाद लड़की के परिजनों ने सच्चाई छिपाते हुए उन पर झूठा आरोप लगाया और अनुसूचित जाति-जनजाति थाना खगड़िया में उनके खिलाफ मनगढ़ंत शिकायत दर्ज करा दी। मुझ पर लगाए गए आरोप पूरी तरह से असत्य हैं। पुलिस प्रशासन स्थल पर जाकर निष्पक्ष जांच करे। यदि जांच में मेरी कोई गलती पाई जाती है, तो मुझ पर बेशक कार्रवाई की जाए, लेकिन झूठे आरोपों के आधार पर मुझे प्रताड़ित न किया जाए।

दूसरी सोमवारी पर दर्शन को उमड़ा भक्तों का सैलाब

खगड़िया (एनएसबी)। जिले के रानी सकरपुरा गांव स्थित प्रसिद्ध बाबा हरपति महादेव मंदिर में दूसरी सोमवारी को भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। दूर-दराज के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने बाबा भोलेनाथ के दर्शन किए और जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि एवं मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना की। रानी सकरपुरा गांव में स्थित बाबा हरपति महादेव मंदिर अपनी अनोखी संरचना और लोकविश्वास के लिए क्षेत्र में विशेष पहचान रखता है। यह मंदिर एक विशाल पीपल वृक्ष की जड़ और तने के भीतर स्थित है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पीपल का तना करीब 25 से 30 फीट मोटा है और इसकी जड़ के भीतर बनी गुफा में भगवान शिव विराजमान हैं। गुफा इतनी संकरी है कि एक समय में केवल एक

पूजा के लिये लाईन में खड़ी महिलाएं व अन्य।

व्यक्ति ही अंदर प्रवेश कर सकता है। ग्रामीणों की मान्यता है कि यह मंदिर हजारों वर्षो पुराना है। मंदिर को लेकर एक लोककथा भी प्रचलित है। कहा जाता है कि कभी ग्रामीणों ने बाबा को वृक्ष से बाहर निकालकर अलग मंदिर बनाने का प्रयास किया था। इसके बाद बाबा ने स्वप में आदेश दिया कि वे इसी वृक्ष में रहेंगे और उन्हें बाहर निकालने पर अनर्थ हो सकता है। इसके बाद से बाबा उसी स्थान पर विराजमान हैं। मंदिर के समीप बहने वाली मनोकामना नदी भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र है। मान्यता है कि नदी के जल से बाबा का जलाभिषेक करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। हालांकि इन मान्यताओं की वैज्ञानिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन श्रद्धालुओं की आस्था लगातार बनी हुई है।मंदिर से जुड़ा नाग-नागिन का रहस्य भी लोगों के बीच चर्चा का विषय रहता है। ग्रामीणों का दावा है कि कई बार मंदिर परिसर में नाग-नागिन दिखाई दिए हैं और वे इसे बाबा की शक्ति का प्रतीक मानते हैं।

सावन की दूसरी सोमवारी को मंदिर में उमड़ी भीड़

बेलदौर। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रसिद्ध बाबा फुलेश्वर नाथ शिव मंदिर में सावन की दूसरी सोमवारी को भक्ति और आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। इस अवसर पर लगभग 30 हजार डाक बमों और कांवड़ियों ने बाबा फुलेश्वर नाथ के मंदिर में जलाभिषेक किया। ये श्रद्धालु उत्तरवाहिनी गंगा के अगुवानी घाट से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कांवर में गंगाजल भरकर करीब 75 किलोमीटर की कठिन पैदल यात्रा तय कर मंदिर पहुँचे थे। पूरी यात्रा के दौरान मार्ग बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए

पूजा अर्चना करते श्रद्धालु।

पुलिस-प्रशासन द्वारा जगह-जगह सुरक्षा बल तैनात किए गए थे। डाक कांवड़ियों की सुविधा के लिए विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा सेवा शिविर लगाए गए थे, जहाँ चिकित्सा, गर्म पानी, दवाइयाँ और जड़ी-बूटी युक्त चाय जैसी सुविधाएँ निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बाबा फुलेश्वर नाथ शिव मंदिर का इतिहास द्वापर युग से जुड़ा हुआ है। माना जाता है कि अज्ञातवास के दौरान पाँचों पांडवों ने यहाँ फुलेश्वर नाथ शिवलिंग की स्थापना कर पूजा-अर्चना की थी। श्रद्धालुओं का ढ़ विश्वास है कि यहाँ सच्चे मन से जल अर्पित करने पर सभी मनोकामनाएँ पूर्ण होती हैं। मंदिर परिसर में पांडव वट वृक्ष जैसी कई ऐतिहासिक और सांस्तिक धरोहरें मौजूद हैं, लेकिन उचित रखरखाव के अभाव में ये उपेक्षित हैं। इसके अलावा, दूर-दराज से आने वाले डाक कांवड़ियों के लिए विश्राम स्थल और आधुनिक सुविधाओं की भी भारी कमी महसूस की गई। मंदिर प्रांगण में सभी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का आयोजन किया गया था। विशेष रूप से, डाक बमों के लिए खीर-भोजन का आयोजन में कराया गया।

राजमाता माधुरी देवी टीचर ट्रेनिंग कॉलेज में तीन दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम की हुई शुरुआत

खगड़िया। राजमाता माधुरी देवी टीचर ट्रेनिंग कलेज (आवास बोर्ड) में बीएड सत्र 2026-28 की कक्षाओं का औपचारिक शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कलेज के संरक्षक ड़ स्वामी विवेकानंद, इंजीनियर विवेक ग्लेंडेनिंग, प्राचार्य ड़ इंद्रजीत एवं अभिभावक प्रतिनिधि प्रणव कुमार झा द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस नए शैक्षणिक सत्र के अवसर पर नए विद्यार्थियों के मार्गदर्शन हेतु तीन दिवसीय ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया है।प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए कलेज के व्यवस्थापक इंजीनियर धर्मेंद्र कुमार ने संस्थान की विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने राजमाता माधुरी देवी के त्याग, समर्पण एवं सामाजिक योगदान का स्मरण कराते हुए विद्यार्थियों को उनके आदर्शो को अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में कलेज के संरक्षक ड़ स्वामी विवेकानंद ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए कहा, प्रत्येक छात्र को जीवन में एक उच्च लक्ष्य निर्धारित कर समाज हित में निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। इस महाविद्यालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य राष्ट्र निर्माण के लिए योग्य व समर्पित शिक्षक तैयार करना और समाज को सक्षम नेतृत्व प्रदान करना है। इस अवसर पर संकाय सदस्य प्रो़ ड़ सत्येंद्र कुमार राम, प्रो़ अजय यादव, प्रो़ ड़ संदीप यादव, प्रो़ ड़ प्रदीप कुमार, प्रो़ ष्ण कुमार, प्रो़ आलोक कुमार यादव, प्रो़ भारती कुमारी, प्रो़ सुधेश कुमार, प्रो़ बंटी कुमार, प्रो़ हरीकिशोर ठाकुर, प्रो़ शशि भूषण कुमार, पुस्तकाध्यक्ष रामानंद कुमार, कार्यालय सहायक विवेक कुमार एवं मिथुन कुमार यादव उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्तम्ब्-न्चैब् से अंकु कुमारी, कोमल कुमारी, श्वेता कुमारी, विवेक कुमार, प्रशांत राजा, प्रिंस सहित अन्य गणमान्य लोग एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

कार्यक्रम में बीएड के छात्रगण।

शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

परबत्ता। सावन की दुसरी सोमवारी को लेकर हर तरफ भक्ति का माहौल बना रहा। विभिन्न शिवालय में ग्रामीणों की तरफ से व्यापक तैयारियों की गई थी। अगुआनी- गंगा घाट से बड़ी संख्या में शिवभक्त जल भरकर पैदल , वाहन से रविवार की देर रात्रि रवाना हुए। जहां कावंरिया की आपार भीड़ देखने को मिला। सभी कावंरिया भागलपुर जिले के बिहपुर प्रखंड अंतर्गत मड़वा स्थित ब्रजलेश्वरधाम , सहरसा जिले के सिंघेश्वर स्थान, बेलदौर स्थित फुलेश्वर स्थान, श्री राघवेंद्र सर्वेश्वर मंदिर खजरैठा, श्री गंगेश्वर महादेव मथुरापुर, उमानाथ मंदिर मड़ैया, श्री नागेश्वर नाथ मंदिर भरसो , श्री रामेश्वर महादेव मंदिर नयागांव, श्रीराम जानकी ठाकुरबाड़ी मोजाहिदपुर प्रागंण में स्थित महादेव मंदिर, मड़ैया स्थित उमानाथ मंदिर, देवरी स्थित शिव मंदिर, बिशौनी गांव स्थित नवनिर्मित मंदिर राम जानकी एवं पशुपतिनाथ मंदिर में सोमवार को जल अर्पण किया। इसके अलावा विभिन्न गांव में स्थापित शिव मंदिर के शिवाला में शिव भक्त सावन के सावन की दुसरी सोमवारी को शिवलिंग पर जल अर्पण एवं विशेष पूजा-अर्चना करते दिखे। सोमवार को भी कांवरिया ने अगुआनी गंगा घाट से जल भर भोलेनाथ के शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। इधर अंचल प्रशासन परबत्ता की ओर से अगुआनी- गंगा घाट की उपधारा पर महिला चेंजिंग रूम, गंगा के धारा में बैरिकेडिंग, गंगा घाट पर रोशनी, चिकित्सीय व्यवस्था एवं एक हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई है। विधि व्यवस्था को लेकर प्रमुख स्थानों पर महिला एवं पुरुष बल के जवानों को तैनात किया गया था। व्यवस्था का जायजा लेने रविवार की शाम सीओ हरिनाम राम गुप्ता ,बीडीओ संतोष कुमार पंडित, थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार आदि पंहुचे पदाधिकारी पहुंचे थे। कांवरिया के पैदल मार्ग वाले दोनों रूटों पर जगह-जगह सुरक्षा बल को तैनात किया गया है।गंगा घाट पर एसडीआरएफ के जवान दो नावों के जरिए रेडी मोड में रहें। ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके इधर कांवड़ यात्रा को लेकर शिव भक्तों में गजब का उत्साह देखा गया। अगुआनी- महेशखूंट मुख्य मार्ग, नारायणपुर - अगुआनी बांध पर ग्रामीण के सहयोग से कई जगह रविवार की रात कांवरिया सेवा शिविर लगाया गया था। लोगों ने रात भर पेयजल, चाय, शर्बत से कांवरिया की सेवा की। रोशनी की भी खास इंतजाम किया गया था।

देशी-विदेशी शराब के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

पसराहा। थाना के खरौआ गांव में सोमवार को गुप्त सूचना पर पसराहा थानाध्यक्ष राजीव कुमार रंजन के नेतृत्व में की गई छापेमारी में पुलिस को नशे के खिलाफ बड़ी सफलता मिली है। बताया गया कि खरौआ के छट्ठू सिंह के घर से 6 लीटर सात सौ पच्चास एम एल विदेशी शराब बरामद की गई। जबकि केदार सिंह और लखन सिंह के घर से 45 लीटर देशी शराब बरामद की गयी। मौके से शराब बनाने वाला उपकरण, करीब 1000 लीटर से अधिक अर्द्धनिर्मित देशी शराब बरामद की गई। करीब डेढ़ घंटे तक चली छापेमारी में बरामद अर्द्धनिर्मित शराब को विनष्ट कर, शराब बनाने वाली उपकरण को जप्त कर थाने लाया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शराब तस्कर छट्ठू सिंह पिता कमलेश्वरी सिंह,केदार सिंह पिता प्रकाश सिंह और लखन सिंह पिता पलकधारी सिंह को गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष राजीव कुमार रंजन ने बताया कि सभी गिरफ्तार अभियुक्त को मद्दनिषेध अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी।

ऑपरेशन मुस्कान के 43 मोबाईल को किया गया सुपुर्द

खगड़िया। पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में 'अपरेशन मुस्कान' को तीव किया जा रहा है। इस संदर्भ में 10 अगस्त को 43 मोबाईल बरामी कर उसके वास्तविक धारकों को मोबाईल फोन देकर उनके चेहरे का मुस्कान लौटाया गया। बरामद सभी मोबाईल की अनुमानित कीमत तकनीकी टीम द्वारा 8,06,199(आठ लाख छः हजार एक सौ निन्यानबे

मोबाईल देते एसपी।

रूपये) आकलित की गयी है। एसपी भानुप्रताप सिंह ने कहा कि इससे पहले भी अपरेषन मुस्कान के तहत काफी संख्या में मोबाईल को संबंधित लोगों को सुपुर्द किया गया।

बेलदौर में सड़क दुर्घटना में दो युवक की मौत

बेलदौर (एनएसबी)। थाना क्षेत्र के बीपी मंडल पुलिस पर सड़क दुर्घटना में दो युवक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब दो मोटरसाइकिलें आपस में टकरा गईं। मृतकों में कोहवा बासा निवासी लवकुश कुमार (पिता रामाधार सिंह) शामिल हैं। लवकुश इंटरमीडिएट के छात्र थे और अपनी तीन बहनों के इकलौते भाई थे।

इस दुर्घटना में डुमरी पंचायत के पनसलवा गांव निवासी सत्यम कुमार (पिता फूलचंद सिंह) गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका इलाज बेगूसराय के एक निजी क्लीनिक में चल रहा है। लवकुश और सत्यम ममेरे-फुफेरे भाई बताए जा रहे हैं। दूसरे मृतक मोटरसाइकिल चालक की

रोते-विलखते परिजन।

पहचान गोगरी प्रखंड अंतर्गत पौरा थाना क्षेत्र के पौरा गांव निवासी सूरज कुमार (पिता अनिल यादव, वार्ड नंबर 6) के रूप में हुई है। सूरज की मोटरसाइकिल पर सवार दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनकी पहचान अभी स्पष्ट नहीं है। जानकारी के अनुसार, लवकुश और सत्यम बीती रात डाक बम सेवा के लिए ऊसराहा पुल पर गए थे। लौटते समय सोनवर्षा की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार अनियंत्रित मोटरसाइकिल से उनकी सीधी टक्कर हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों मोटरसाइकिल चालकों की मौके पर ही मौत हो गई। तेलीहार पंचायत के सरपंच और सरपंच संघ प्रखंड अध्यक्ष कुलदीप सिंह तथा मुखिया संघ के जिलाध्यक्ष अनिल सिंह ने मृतकों के परिजनों से मिलकर सांत्वना दी। उन्होंने प्रशासन से पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे की मांग की है। वही घटना के बाद मृतकों के परिजनों में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

संक्षिप्त खबरें

12 अगस्त को निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा
समाहरणालय से निकलेगी देशभक्ति की गूंज

खगड़िया। आजादी के जश्न और राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत 12 अगस्त को भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इस यात्रा को लेकर जिला प्रशासन की ओर से तैयारियां तेज कर दी गई हैं। तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं, युवा वर्ग,खिलाड़ी , प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मी सहित विभिन्न वर्गो के लोग शामिल होंगे। तिरंगा यात्रा समाहरणालय परिसर, खगड़िया से शुरू होगी। यात्रा शुरू होने से पूर्व समाहरणालय परिसर में सामूहिक रूप से वन्दे मातरम् की प्रस्तुति की जाएगी। इसके बाद हाथों में तिरंगा लेकर विभिन्न वर्गो के लोग देशभक्ति के नारों और उत्साह के साथ तिरंगा यात्रा में शामिल होंगे। यात्रा के माध्यम से लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और गौरव की भावना को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जिला कला एवं संस्ति पदाधिकारी घनश्याम कुमार ने बताया कि 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत जिले में राष्ट्रभक्ति और एकता की भावना को मजबूत करने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 12 अगस्त को तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यात्रा में स्कूली बच्चों, युवाओं, खिलाड़ी, प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मियों की सहभागिता रहेगी। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल देश का ध्वज नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, गौरव और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से आम लोगों में राष्ट्रप्रेम की भावना को और प्रबल करने का प्रयास किया जाएगा। तिरंगा यात्रा में स्कूली छात्र-छात्राओं की भागीदारी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति के जज्बे के साथ यात्रा में शामिल होंगे। युवाओं की भागीदारी से कार्यक्रम को और भव्य रूप मिलने की उम्मीद है। जिला प्रशासन ने लोगों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की है। 12 अगस्त को खगड़िया की सड़कों पर तिरंगे के साथ देशभक्ति और एकता का संदेश गूंजेगा।

राष्ट्रीय महिला परिषद -ओजस्विनी का एक दिवसीय प्रांतीय प्रशिक्षण वर्ग

खगड़िया। अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद-उत्तर बिहार प्रांत के तत्वावधान में राष्ट्रीय महिला परिषद -ओजस्विनी का एक दिवसीय प्रांतीय प्रशिक्षण वर्ग रविवार को श्री राम भवन, बाजार समिति रोड में उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण वर्ग में सैकड़ों बहनों ने भाग लेकर आत्मरक्षा, अनुशासन और आत्मविश्वास का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं श्रीराम दरबार के चित्र पर पुष्प अर्पित कर तथा दीप प्रज्वलित करके किया गया। उद्घाटन सत्र में ओजस्विनी की केंद्रीय अध्यक्ष रजनी ठकुराल, अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के क्षेत्र संगठन मंत्री सुरेन्द्र सिंह, हिन्दू हेल्पलाइन उत्तर बिहार के प्रांत अध्यक्ष नितिन कुमार, राष्ट्रीय महिला परिषद-ओजस्विनी उत्तर बिहार की अध्यक्ष अनीता देवी, प्रांत उपाध्यक्ष जवाहर झा, रंजीत सिंह, पंकज सिंह, महेंद्र यादव एवं सतीश झा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ किया। परिचय सत्र के पश्चात जिला अध्यक्ष नीरज सिंह, महामंत्री संजय वर्मा, मंत्री सन्नी गुप्ता सहित अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा अतिथियों एवं पदाधिकारियों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। प्रशिक्षण वर्ग के दूसरे सत्र में उपस्थित सैकड़ों बहनों को दंड प्रहार, तीर-धनुष, एयर गन एवं मार्शल आर्ट जैसी आत्मरक्षा की विभिन्न विधाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से बहनों को विषम परिस्थितियों में सजग रहने, आत्मविश्वास बनाए रखने तथा अपनी सुरक्षा के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने का प्रशिक्षण दिया गया।वक्ताओं ने कहा कि सनातन संस्ति में नारी को अबला नहीं, बल्कि शक्ति का स्वरूप माना गया है। भारतीय परंपरा की वीरांगनाओं ने सदैव साहस, त्याग और आत्मसम्मान का परिचय दिया है। आज आवश्यकता है कि मातृशक्ति अपने संस्कारों और सनातनी मूल्यों को आत्मसात करते हुए ज्ञान, संगठन और आत्मरक्षा के कौशल से भी सशक्त बने। उन्होंने कहा, जिस नारी में संस्कार है, उसके हाथों में सामर्थ्य भी होना चाहिए। आत्मरक्षा का प्रशिक्षण किसी भय का प्रतीक नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, सजगता और स्वाभिमान का प्रतीक है। ओजस्विनी के इस प्रशिक्षण वर्ग ने संस्कार से चरित्र, संगठन से शक्ति और आत्मरक्षा से आत्मविश्वास का प्रभावी संदेश दिया। कार्यक्रम के माध्यम से मातृशक्ति को सनातन संस्ति, समाज सेवा और राष्ट्रहित के कार्यो में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम की सफलता में अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद एवं राष्ट्रीय महिला परिषद-ओजस्विनी के पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कार्यक्रम में शामिल लोग।

गंगा तट से भरसो तक गूंजा 'हर-हर महादेव'
कांवड़ में गंगाजल लेकर नागेश्वर नाथ मंदिर पहुंचे शिवभक्त

परबत्ता। सावन माह में भरसो ग्राम में आस्था और भक्ति के रंग में रंगा नजर आया। भरसो गांव गंगा तट से लेकर भरसो गांव स्थित श्री नागेश्वर नाथ महादेव मंदिर तक 'हर-हर महादेव' और 'बोल बम' के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। ग्रामवासियों एवं श्रद्धालुओं ने पवित्र गंगा नदी से कांवड़ में जल भरकर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। गंगा तट पर सुबह से ही कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से कांवड़ की पूजा-अर्चना की और गंगा नदी से पवित्र जल भरा। इसके बाद कांवड़ लेकर शिवभक्त जयकारे लगाते हुए श्री नागेश्वर नाथ महादेव मंदिर, भरसो के लिए रवाना हुए। मंदिर पहुंचने के बाद श्रद्धालुओं ने भगवान नागेश्वर नाथ महादेव का विधिवत जलाभिषेक किया। इस दौरान मंदिर परिसर 'हर-हर महादेव' के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से गांव और क्षेत्र में सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस धार्मिक आयोजन में मुख्य रूप से रामानुज प्रसाद रमन, विजय चौधरी, मंटुन राय सहित गांव के कई गणमान्य ग्रामीण एवं श्रद्धालु मौजूद रहे। बच्चों से लेकर बुजुर्गो तक लोगों ने उत्साहपूर्वक कांवड़ यात्रा में भाग लिया। पूरे आयोजन के दौरान भरसो गांव में उत्सव और भक्ति का माहौल बना रहा। गंगा तट से मंदिर तक श्रद्धा, जयकारों और आस्था की यह यात्रा ग्रामीणों के लिए धार्मिक एकता और परंपरा का सुंदर प्रतीक बनी।

पेंशनधारियों को डीबीटी के माध्यम से अंतरित की गई जुलाई माह की पेंशन राशि

खगड़िया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के द्वारा वीडियो कन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत जुलाई माह हेतु 1100 की राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों के खाते में अंतरित की गई। जिला स्तर पर के इस कार्यक्रम में जिलाधिकारी विक्रम विरकर, अपर समाहर्ता जिला लोक शिकायत निवारण, सहायक निदेशक, जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग एवं जिला के पेंशन लाभार्थियों के साथ अनलाइन माध्यम से कार्यक्रम में जुड़े। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के द्वारा राज्य के वृद्धजनों, विधवा महिलाओं एवं दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई गई एवं सभी पेंशनधारियों को आश्वस्त किया गया कि बिहार सरकार के द्वारा हर महीने के 10 तारीख को विगत माह की पेंशन की राशि डीबीटी के माध्यम से उनके खातों में अंतरित कर दी जाएगी। जानकारी के अनुसार इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन के पेंशनधारियों, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन अंतर्गत पेंशनधारियों,इंदिरा गांधी राष्ट्रीय निशक्तता पेंशन योजना के पेंशनधारियों,मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना अंतर्गत पेंशनधारियों,लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत पेंशनधारियों, बिहार निशक्त पेंशन योजना अंतर्गत पेंशनधारियों, समेत कुल 1,61,251 पेंशनधारियों को जुलाई माह का पेंशन की राशि अंतरित किया गया जिसमें 18 करोड़, 52 लाख, 82 हजार 300 रुपए का भुगतान किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि जिला के ऐसे पेंशनधारी जिन्होंने अब तक जीवन प्रमाणीकरण नहीं कराया है वो पेंशन की राशि से वंचित है। उन सभी से अनुरोध है कि अपने आधार कार्ड के साथ अपने नजदीकी वसुधा केंद्र पर जाए एवं जीवन प्रमाणीकरण कराए। यदि किसी कारणवश आपका अनलाइन जीवन प्रमाणीकरण नहीं हो पा रहा है तो अपने क्षेत्र के विकास मित्र से तुरंत संपर्क करें एवं भौतिक सत्यापन के माध्यम से जीवन प्रमाणीकरण अवश्य करा ले। वर्तमान में जीवन प्रमाणीकरण हेतु सभी पंचायतवार कैम्प का आयोजन किया जा रहा है।

डीएम व अन्य।

काली पहाड़ी की तराई को ग्रीन और क्लीन बनाने का संकल्प

जमालपुर (मुंगेर) (एनरएसबी)। अवकाश प्राप्त एवं पर्यावरण प्रहरी समिति, जमालपुर की ओर से सोमवार को काली पहाड़ी की तराई क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व समिति के विष्णु देव प्रसाद यादव ने किया। इस दौरान समिति के सदस्यों ने तराई क्षेत्र में फैले कचरे की सफाई कर लोगों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया।विष्णु देव प्रसाद यादव ने कहा कि काली पहाड़ी जमालपुर की प्रातिक धरोहर है। इसकी तराई को ग्रीन एवं क्लीन बनाने के लिए अवकाश प्राप्त कर्मचारियों और पर्यावरण प्रहरियों ने संकल्प लिया है। प्रति की गोद में बसे इस महत्वपूर्ण स्थल को सुरक्षित रखने के लिए लगातार अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने शहर के युवाओं, बुद्धिजीवियों, समाजसेवियों के साथ रेल प्रशासन एवं नगर परिषद प्रशासन से भी इस मुहिम में सहयोग करने की अपील की।उन्होंने कहा कि काली पहाड़ी की तराई का सर्वांगीण विकास होने तक अवकाश प्राप्त कर्मचारी अपने स्तर से हरसंभव प्रयास करते रहेंगे। आने वाली पीढ़ी को यह प्रातिक धरोहर सुरक्षित और सुंदर रूप में मिले,यही समिति का उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में समिति की शासन-प्रशासन से एक सूत्री मांग होगी कि काली पहाड़ी क्षेत्र का सौंदर्यीकरण कराने के साथ ही इसका सर्वांगीण विकास किया जाए। श्री यादव ने कहा कि रेल प्रशासन और नगर परिषद की ओर से इस दिशा में सकारात्मक पहल की जा रही है, लेकिन इसे और बेहतर तरीके से आगे बढ़ाने की जरूरत है। काली पहाड़ी के विकास के लिए जो भी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि या समाजसेवी आगे बढ़कर कार्य करेंगे, समिति उनका स्वागत और सहयोग करेगी।अभियान में ड़ योगेंद्र प्रसाद, सुबोध चंद्र चौरसिया, गौतम सिंह, विनय दास, भगवान प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद यादव, विवेकानंद राय, अर्जुन मोदी सहित कई लोग मौजूद थे।

स्वच्छता अभियान चलाते सेवानिवृत्ति कर्मचारी।

स्टेशन पर निकली तिरंगा रैली यात्रियों को किया जागरूक

जमालपुर (मुंगेर)। हर घर तिरंगा अभियान को लेकर सोमवार को जमालपुर रेलवे स्टेशन पर जागरूकता रैली निकाली गई। स्टेशन प्रबंधक दीपक कुमार के नेतृत्व में निकली रैली में रेलवे के अधिकारी, कर्मचारी, सफाईकर्मी, यात्री सहित अन्य लोग शामिल हुए। रैली स्टेशन के चारों प्लेटफार्मो से गुजरते हुए स्टेशन परिसर का भ्रमण किया। इस दौरान यात्रियों को हर घर तिरंगा अभियान के उद्देश्य और राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान के प्रति जागरूक किया गया।सीएचआई पंकज कुमार ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान के तहत नौ से 17 अगस्त तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य तिरंगे को घर-घर तक पहुंचाना और आम लोगों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान एवं अपनत्व की भावना को और मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि यात्रियों को जागरूक करने के लिए स्टेशन परिसर में टीवी, प्रोजेक्टर और साउंड सिस्टम के माध्यम से राष्ट्रीय गान का प्रसारण किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान सामुदायिक भावना को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय ध्वज में निहित मूल्यों को सुढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। यह अभियान नागरिकों को अपने घरों, कार्यस्थलों और सार्वजनिक स्थानों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित करता है। साथ ही यह स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है। रैली में रेल थाना अध्यक्ष स्वराज कुमार, रेल संवेदक रिंकू सिंह सहित रेलवे के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में यात्री मौजूद रहे।

स्टेशन पर तिरंगा जागरूकता रैली में शामिल अधिकारी कर्मचारी।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 100 लोगों की हुई जांच

जमालपुर (मुंगेर)। मुंगेर इमरजेंसी अस्पताल, सफियासराय की ओर से सोमवार को जमालपुर स्थित काली पहाड़ी की तराई में एकदिवसीय निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आसपास के ग्रामीण एवं स्थानीय लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठाया। करीब 100 लोगों की विभिन्न स्वास्थ्य जांच की गई।शिविर में लोगों का वजन, ब्लड शुगर, रक्तचाप और ईसीजी की जांच की गई। इसके अलावा लोगों को आयुष्मान कार्ड से मिलने वाली स्वास्थ्य सुविधाओं एवं उसके लाभ से संबंधित आवश्यक जानकारी भी दी गई। शिविर में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर समय रहते चिकित्सकीय परामर्श लेने के लिए जागरूक किया।शिविर का नेतृत्व कर रहे चिकित्सक डा़ दिलीप कुमार एवं डा़ अभिनव ने बताया कि मुंगेर इमरजेंसी अस्पताल की ओर से पूर्व से ही शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किए जाते रहे हैं। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और शरीर में पनपने वाली बीमारियों की समय रहते पहचान कर उन्हें आवश्यक उपचार एवं चिकित्सकीय सलाह उपलब्ध कराना है।उन्होंने बताया कि जांच के दौरान कई ऐसे मरीज भी मिले, जिनमें स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पाई गईं। ऐसे मरीजों को बेहतर इलाज के लिए चिकित्सकीय सलाह दी गई। काली पहाड़ी की तराई में शिविर आयोजित होने से स्थानीय लोगों को काफी सुविधा मिली। लोगों ने शिविर की सराहना करते हुए डा़हर्षवर्धन की पूरी टीम के प्रति आभार जताया।

शिविर में जांच करते ड ाक्टर।

चालू इंजन से प्रेशर पाइप खोल रहा था शातिर चोर,आरपीएफ ने रंगेहाथ दबोचा

जमालपुर (मुंगेर)। मुंगेर रेलवे स्टेशन पर खड़े चालू रेल इंजन से प्रेशर पाइप चोरी करने पहुंचे शातिर चोर को आरपीएफ की टीम ने रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मुंगेर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चुरंबा निवासी मोहम्मद अफजल के रूप में हुई है। आरपीएफ के अनुसार आरोपित के खिलाफ जिले के कई थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर उसके आपराधिक इतिहास और गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है।यार्ड प्रभारी सुजीत कुमार यादव ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से रेलवे यार्ड और स्टेशन क्षेत्र में रेल इंजन से तार एवं पाइप चोरी किए जाने की घटनाएं सामने आ रही थीं। इसे लेकर आरपीएफ लगातार निगरानी कर रही थी। इसी दौरान सोमवार को सूचना मिली कि मुंगेर स्टेशन पर खड़े चालू रेल इंजन से एक व्यक्ति प्रेशर पाइप खोल रहा है।सूचना मिलते ही आरपीएफ की टीम सक्रिय हुई और मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की। टीम ने प्रेशर पाइप खोल रहे मोहम्मद अफजल को रंगेहाथ पकड़ लिया। उसके पास से इंजन से खोला गया प्रेशर पाइप भी बरामद किया गया। कार्रवाई के बाद आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।आरपीएफ अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपित अकेले ही रेल संपत्ति को निशाना बना रहा था या उसके पीछे कोई संगठित गिरोह काम कर रहा है। चोरी की अन्य घटनाओं में उसकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है।विदित हो कि इससे पहले भी आरपीएफ और सीआईबी की संयुक्त टीम ने रेल संपत्ति चोरी के मामले में जमालपुर से दो चोरों को गिरफ्तार किया था। लगातार हो रही कार्रवाई से रेल संपत्ति चोरी करने वाले गिरोह में हड़कंप मचा हुआ है।

शातिर चोर मोहम्मद अफजल।

अखिल भारतीय मजदूर संगठित मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बने अरुण

संगठन विस्तार को लेकर पदाधिकारियों की घोषणा

जमालपुर (मुंगेर)। अखिल भारतीय मजदूर संगठित मोर्चा बिहार के प्रदेश अध्यक्ष के पद पर बलीपुर जमालपुर निवासी अरुण कुमार को मनोनीत किया गया। कार्यक्रम में संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूी में उन्हें प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किए जाने की घोषणा की गई। इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों को प्रमाण-पत्र एवं सम्मान देकर संगठन के प्रति उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया।कार्यक्रम में अरुण कुमार को बिहार प्रदेश अध्यक्ष, पूजा कुमारी को बिहार प्रदेश महिला अध्यक्ष तथा विश्वजीत कुमार गौड़ को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। इसके अलावा संगठन के विस्तार और संचालन के लिए अन्य पदाधिकारियों की भी घोषणा की गई।समारोह के दौरान प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार ने कहा कि संगठन का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करना और जनसेवा के कार्यो को निरंतर आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि नर ही नारायण है, अगर किसी के काम आए की भावना के साथ समाजसेवा को प्राथमिकता दी जाएगी। संगठन के माध्यम से लोगों की समस्याओं को समझकर उनके समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा।कार्यक्रम में मनोज शर्मा, गौरीशंकर सिंह, योगेंद्र, दिनेश दास, राजेश, अभिषेक राउत, मो़ नसीमुद्दीन, सच्चिदानंद, अलख निरंजन, भाहलका, तनीषा गुप्ता, हिमांशु राज सहित अन्य सदस्य एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।नवनियुक्त पदाधिकारियों को उपस्थित लोगों ने बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में संगठन बिहार में समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

प्रदेश अध्यक्ष को मनोनीत करते संगठन के पदाधिकारी।

पिता की वर्दी से मिली प्रेरणा, बेटे ने रचा सफलता का इतिहास

कुमार सौरभ ने यूपीएससी सीएपीएफ परीक्षा में हासिल की ऑल इंडिया 120वीं रैंक

जमालपुर (मुंगेर) (एनएसबी)। जमालपुर के नयागांव ठाकुरबाड़ी रोड वार्ड नंबर 13 निवासी सेवानिवृत्त सैनिक राजेश कुमार मंडल के पुत्र कुमार सौरभ ने अपनी मेहनत और लगन से माता-पिता के सपनों को साकार किया है। कुमार सौरभ ने संघ लोक सेवा आयोग यूपीएससी सीएपीएफ एसी परीक्षा-2025 में सफलता हासिल करते हुए अल इंडिया 120वीं रैंक प्राप्त की है।

अब वह असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर देश की सेवा करेंगे। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, रिश्तेदारों और मोहल्ले में खुशी का माहौल है।बचपन से ही पिता को सेना की वर्दी में देशसेवा करते देखकर कुमार सौरभ के मन में भी फौज में जाने और देश की सेवा करने का सपना था। पिता के सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने इस सपने को अपना लक्ष्य बनाया और लगातार मेहनत करते रहे। आखिरकार यूपीएससी सीएपीएफ परीक्षा में शानदार प्रदर्शन कर उन्होंने अपने लक्ष्य को हासिल कर लिया।कुमार सौरभ की प्रारंभिक शिक्षा केंद्रीय विद्यालय जमालपुर से हुई। इसके बाद उन्होंने आर्मी इंस्टीट्यूट अफ टेक्नोलजी, पुणे से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। पढ़ाई के बाद उन्होंने निजी क्षेत्र में साइबर सिक्योरिटी एनालिस्ट के रूप में भी कार्य किया। नौकरी के साथ-साथ उन्होंने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी जारी रखी और देशसेवा के अपने लक्ष्य की ओर कदम बढ़ाते रहे।कुमार सौरभ की सफलता पर वार्ड पार्षद आलोक कुमार ने उन्हें सम्मानित किया और उनके माता-पिता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कुमार सौरभ की सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। उनकी उपलब्धि से युवाओं में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ-साथ देशसेवा का जज्बा भी मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है।

कुमार सौरभ को सम्मानित करते वार्ड पार्षद।

संक्षिप्त खबरें

'रंजन गिरफ्तारी मामले में इंसाफ की मांग, कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल'

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। मोकामा में नगर परिषद के कर्मचारी रंजन की गिरफ्तारी का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। कर्मचारी की गिरफ्तारी के विरोध में नगर परिषद के कर्मचारियों ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है। कर्मचारियों का आरोप है कि रंजन को पर्याप्त जांच के बिना गलत तरीके से मामले में फंसाकर गिरफ्तार किया गया और उन्हें मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और पूरे मामले में पुलिस का पक्ष सामने आना भी महत्वपूर्ण है। हड़ताल पर गए कर्मचारियों ने स्पष्ट किया है कि उनका आंदोलन किसी व्यक्ति या संस्था के विरोध में नहीं, बल्कि निष्पक्ष जांच और कर्मचारी सम्मान की मांग को लेकर है। कर्मचारियों की ओर से जारी अपील में कहा गया है कि यदि किसी कर्मचारी के विरुद्ध कोई शिकायत या आरोप है तो उसकी विधिसम्मत और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। जांच के बाद ही दोष और निर्दोष का निर्धारण किया जाना चाहिए। 'चार प्रमुख मांगों को लेकर आंदोलन' कर्मचारियों ने रंजन को तत्काल रिहा करने, पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही पुलिस की कार्रवाई को लेकर लगाए गए आरोपों की भी जांच कराने और यदि किसी स्तर पर अनुचित व्यवहार प्रमाणित होता है तो जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की गई है। कर्मचारियों की एक अन्य मांग है कि भविष्य में किसी भी कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई करते समय निर्धारित कानूनी प्रक्रिया और जांच के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी निर्दोष व्यक्ति के साथ अन्याय की स्थिति उत्पन्न न हो। ' 'न्याय मिलेगा, तभी काम होगा'' हड़ताल कर रहे कर्मचारियों ने कहा कि वे न्याय मिलने तक काम पर वापस नहीं लौटेंगे। कर्मचारियों ने एकजुटता का संदेश देते हुए कहा कि किसी भी निर्दोष कर्मचारी के साथ अन्याय केवल एक व्यक्ति का मामला नहीं, बल्कि पूरे कर्मचारी वर्ग की गरिमा से जुड़ा विषय है। आंदोलनकारियों ने 'अन्याय नहीं सहेंगे, सम्मान के साथ काम करेंगे' का नारा देते हुए प्रशासन से मामले में जल्द हस्तक्षेप करने की मांग की है। उनका कहना है कि जांच निष्पक्ष होनी चाहिए और किसी भी पक्ष के दबाव या प्रभाव से मुक्त रहकर तथ्यों के आधार पर कार्रवाई होनी चाहिए। 'पुलिस का पक्ष सामने आना जरूरी' मामले में मोकामा थाना पुलिस की ओर से गिरफ्तारी के आधार और पूरे प्रकरण में की गई कार्रवाई को लेकर आधिकारिक पक्ष सामने आना जरूरी है।

डक्टर के इंतजार में घंटों बैठी रही पुलिस, मोकामा रेफरल अस्पताल की व्यवस्था पर उठे सवाल

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। मोकामा रेफरल अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में है। सोमवार को अस्पताल में सुबह से ड्यूटी पर चिकित्सक के मौजूद नहीं रहने की शिकायत सामने आई। स्थिति यह रही कि एक मामले में पुलिसकर्मियों को भी चिकित्सक के आने का घंटों इंतजार करना पड़ा। अस्पताल जैसी आवश्यक सेवा से जुड़े संस्थान में चिकित्सक की उपलब्धता को लेकर सामने आई इस स्थिति ने स्वास्थ्य व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार की सुबह मोकामा रेफरल अस्पताल में निर्धारित ड्यूटी के दौरान चिकित्सक के उपलब्ध नहीं रहने की बात सामने आई। आवश्यक चिकित्सकीय जांच और प्रक्रिया के लिए पुलिसकर्मी अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन उन्हें भी काफी देर तक चिकित्सक के आने का इंतजार करना पड़ा। इस दौरान अस्पताल पहुंचे मरीजों और उनके परिजनों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकारी अस्पतालों में चिकित्सकों की नियमित उपलब्धता स्वास्थ्य सेवा की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। विशेषकर रेफरल अस्पताल में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में ड्यूटी के दौरान चिकित्सक के उपलब्ध नहीं रहने से मरीजों को अनावश्यक परेशानी झेलनी पड़ सकती है। लोगों ने अस्पताल प्रशासन से ड्यूटी रोस्टर के अनुसार चिकित्सकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने की मांग की है।

संक्षिप्त खबरें

अभयपुर स्टेशन पर चार झोलों से 26.250 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद

बरामद शराब को दिखाते जीआरपी।

जमालपुर (मुंगेर)। अभयपुर रेलवे स्टेशन पर कार्रवाई करते हुए लावारिस अवस्था में रखे चार झोलों से अंग्रेजी शराब बरामद की है। बरामद शराब की कुल मात्रा 26250 लीटर बताई गई है।रेलवे पुलिस के अनुसार स्टेशन पर जांच के दौरान चार लावारिस झोलों पर पुलिसकर्मियों की नजर पड़ी। तलाशी लेने पर झोलों से रयल चौलेंजर 375 एमएल की 70 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद हुई। बरामद शराब की कुल मात्रा 26250 लीटर है।पुलिस ने शराब को जब्त कर लिया है। हालांकि, झोला किसका था और शराब को स्टेशन पर किस उद्देश्य से लाया गया था, इसका पता नहीं चल सका है। पुलिस द्वारा मामले की जांच करते हुए शराब के वास्तविक कारोबारी एवं तस्कर का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।कार्रवाई में एएसआई श्रीमंत कुमार, सिपाही चंदन कुमार एवं सिपाही मुन्ना कुमार शामिल रहे। पुलिस ने बरामद शराब को जब्त कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी है। स्टेशन पर शराब तस्करी के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई से अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप है।

पंचायत चुनाव में जन सुराज की नई रणनीति, सिंबल पर उतारने की तैयारी

जिला परिषद से वार्ड तक संगठन विस्तार पर जोर, पंचायत स्तर पर राजनीतिक आधार मजबूत करने की कवायद

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। पंचायत चुनाव को लेकर बिहार की राजनीति में एक नई रणनीतिक हलचल दिखाई देने लगी है। जन सुराज पार्टी ने आगामी पंचायत चुनाव में पार्टी के चुनाव चि पर प्रत्याशी उतारने की तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने जिला परिषद, पंचायत समिति सदस्य, वार्ड सदस्य समेत पंचायत स्तर के विभिन्न पदों पर पार्टी समर्थित प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारने की घोषणा की है। इस घोषणा के बाद पंचायत चुनाव को लेकर राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। जन सुराज की इस रणनीति को पार्टी के संगठन विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी का जोर अब केवल विधानसभा स्तर की राजनीति तक सीमित रहने के बजाय पंचायत से लेकर प्रखंड और जिला स्तर तक अपना सांगठनिक आधार विकसित करने पर है। पंचायत चुनाव के माध्यम से स्थानीय स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं और समर्थकों को राजनीतिक मंच उपलब्ध कराने की तैयारी की जा रही है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, पंचायत चुनाव बिहार की राजनीति में जमीनी पकड़ बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है। जिला परिषद, पंचायत समिति और वार्ड स्तर के चुनावों में स्थानीय मुद्दों, व्यक्तिगत संपर्क और क्षेत्रीय समीकरणों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। ऐसे में जन सुराज की ओर से पार्टी सिंबल पर प्रत्याशी उतारने का फैसला संगठन को गांव और पंचायत स्तर तक पहुंचाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। विधानसभा चुनाव के प्रदर्शन से बढ़ा राजनीतिक भरोसा जन सुराज की रणनीति के केंद्र में हाल के विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में पार्टी संस्थापक प्रशांत किशोर की जीत ने राजनीतिक समीकरणों पर चर्चा को तेज किया है। लंबे समय से भाजपा के प्रभाव वाले माने जाने वाले बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में जन सुराज की सफलता को पार्टी के लिए महत्वपूर्ण राजनीतिक उपलब्धि के रूप में देखा गया। विधानसभा चुनाव के बाद अब पंचायत चुनाव में संगठन को सक्रिय करने की तैयारी से यह संकेत मिलता है कि पार्टी स्थानीय स्तर पर भी अपनी राजनीतिक उपस्थिति मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहती है। हालांकि पंचायत चुनाव में स्थानीय परिस्थितियां और उम्मीदवारों की व्यक्तिगत स्वीकार्यता महत्वपूर्ण कारक होंगे। गांवों तक संगठन पहुंचाने की कवायद जन सुराज की प्रस्तावित रणनीति में पंचायत स्तर के चुनाव को संगठन निर्माण से जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी की कोशिश जिला परिषद से लेकर पंचायत समिति और वार्ड स्तर तक ऐसे प्रत्याशियों को सामने लाने की है, जो स्थानीय स्तर पर सक्रिय हों और क्षेत्र की समस्याओं से परिचित हों। राजनीतिक रूप से पंचायत चुनाव का महत्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि इसके जरिए किसी दल या राजनीतिक संगठन को गांवों तक अपनी पहुंच बनाने का अवसर मिलता है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, रोजगार, सिंचाई, जलजमाव और स्थानीय विकास जैसे मुद्दे पंचायत चुनाव में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। ऐसे में प्रत्याशियों का चयन और स्थानीय मुद्दों को लेकर पार्टी की रणनीति आगामी चुनाव में महत्वपूर्ण होगी। पंचायत से जिला स्तर तक संगठन विस्तार का लक्ष्य पार्टी की ओर से पंचायत चुनाव में सिंबल पर प्रत्याशी उतारने की घोषणा को संगठनात्मक विस्तार की दीर्घकालिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। पंचायत स्तर पर मजबूत उपस्थिति बनने से प्रखंड और जिला स्तर पर पार्टी के संगठन को सक्रिय करने में मदद मिल सकती है। साथ ही चुनावी राजनीति में स्थानीय कार्यकर्ताओं की भूमिका भी बढ़ेगी। हालांकि पंचायत चुनाव में पार्टी सिंबल पर प्रत्याशी उतारने की रणनीति के सामने कई चुनौतियां भी होंगी। स्थानीय स्तर पर मजबूत दावेदारों की पहचान, प्रत्याशियों के बीच समन्वय, क्षेत्रीय समीकरणों को समझना और चुनाव के बाद संगठन को सक्रिय बनाए रखना पार्टी के लिए अहम होगा। फिलहाल जन सुराज की इस घोषणा ने पंचायत चुनाव की राजनीतिक चर्चा को नया आयाम दे दिया है। विधानसभा चुनाव के बाद अब पंचायत स्तर पर संगठन विस्तार की कवायद से यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पार्टी गांवों में अपनी राजनीतिक पकड़ कितनी मजबूत कर पाती है और उसका यह प्रयोग पंचायत चुनाव के परिणामों पर कितना प्रभाव डालता है।

एक पेड़ लगाएं, खुशहाल देश बनाएं

बाढ़ (दैनिक नवसंदेश)। पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने की जरूरत है। पेड़ केवल हरियाली बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि स्वच्छ हवा, जल संरक्षण, मिट्टी की सुरक्षा और पर्यावरणीय संतुलन के आधार हैं। बढ़ते प्रदूषण, तापमान और जल संकट के बीच वृक्षारोपण को केवल अभियान तक सीमित रखने के बजाय जनभागीदारी से नियमित आंदोलन का रूप देने की आवश्यकता है। विशेषज्ञों और पर्यावरणप्रेमियों का मानना है कि पौधा लगाने से अधिक महत्वपूर्ण उसकी देखभाल कर उसे पेड़ बनाना है। विद्यालयों, पंचायतों, सरकारी संस्थानों, खेतों की मेड़ों, सड़कों के किनारे और सार्वजनिक स्थलों पर स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल पौधे लगाए जाने चाहिए। विद्यालयों में 'मेरा पौधा, मेरी जिम्मेदारी' जैसी गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को भी पर्यावरण संरक्षण से जोड़ा जा सकता है। हर परिवार यदि नियमित रूप से पौधरोपण और उसके संरक्षण का संकल्प ले तो पर्यावरण संरक्षण को व्यापक जनआंदोलन बनाया जा सकता है। आज लगाया गया एक पौधा आने वाले वर्षों में छाया, स्वच्छ हवा और हरियाली का आधार बनेगा। हरियाली बढ़ेगी तो जीवन सुरक्षित होगा और जीवन सुरक्षित होगा तो देश समृद्ध एवं खुशहाल बनेगा।

हर-हर महादेव से गूंजे शिवालय, श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

कुंडवा और सिद्धनाथ मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

शाहपुर (दैनिक नवसंदेश)। सावन माह की दूसरी सोमवारी पर सोमवार को प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। अहले सुबह से ही मंदिरों में भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए महिला और पुरुष श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गईं। हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से पूरा वातावरण शिवमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि और परिवार की मंगलकामना की। प्रखंड के प्रसिद्ध प्राचीन कुंडवा शिव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी रही। हजारों की संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने कतारबद्ध होकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। मंदिर परिसर के आसपास सैकड़ों छोटी-बड़ी दुकानें सजी थीं। इससे पूरे इलाके का माहौल धार्मिक उत्सव के साथ मेले जैसा बना रहा। खिलौने, प्रसाद, पूजा सामग्री, श्रृंगार सामग्री और खान-पान की दुकानों पर भी लोगों की भीड़ देखी गई। शाहपुर प्रखंड के सहजौली, भरौली, सरना, महरजा, चमरपुर, शाहपुर, प्रसौंडा, करनामेपुर, बेलवनिया, झौआं, करजा समेत विभिन्न गांवों के शिवालयों में भी सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। महिलाओं ने पूजा-अर्चना कर भगवान शिव को जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा और पुष्प अर्पित किए।

गांगी नदी में डूबे किशोर का शव दूसरे दिन बरामद

नहाने के क्रम में डूब गया था आठवीं कक्षा का छात्र

आक्रोशित लोगों ने सिंडिकेट मोड़ के समीप आगजनी कर घंटों हंगामा किया और जाम की सड़क

पुलिस ने लोगों को समझा बुझाकर जाम हटाया

आरा (दैनिक नवसंदेश)। शहर के टाउन थाना क्षेत्र के बरहबतरा गांगी नदी में डूबे किशोर का शव दूसरे दिन बरामद हुआ। उसका शव थाना क्षेत्र के गांगी नदी से सोमवार की दोपहर बरामद हुआ।

जानकारी के अनुसार मृत किशोर टाउन थाना क्षेत्र के बरहबतरा वार्ड नंबर-3 निवासी शमीम अंसारी का 17 वर्षीय पुत्र सद्दाम है। वह आठवीं कक्षा का छात्र था। बताते हैं कि रविवार की सुबह वह अपने दोस्तों के साथ बरहबतरा स्थित नदी में नहाने गया था। जहां नहाने के दौरान पानी अधिक गहरा हो जाने के कारण वह डूब गया था। तब उसके दोस्तों द्वारा इसकी सूचना उसके परिजन को दी गई थी। सूचना पाकर परिजन एवं स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंच गई थी और एसडीआरएफ की टीम को भी बुलाया गया था। एसडीआरएफ की टीम द्वारा रविवार को देर शाम तक सर्च अभियान चलाया गया था। लेकिन उसे सफलता नहीं मिल पाई थी। वहीं दूसरी तरफ रविवार की देर शाम तक एसडीआरएफ की टीम द्वारा चलाए गए सर्च अभियान के दौरान शव नहीं मिलने से स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। जिसको लेकर सोमवार की सुबह आक्रोशित लोगों ने सिंडिकेट के मोड़ पर सड़क जाम कर दिया। टायर जलाकर आगजनी की गई। स्थानीय थाना मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बूझाकर जाम को हटवाया।

संक्षिप्त खबरें

सड़क हादसे में जख्मी यूपी के अधेड़ की मौत

आरा (दैनिक नवसंदेश)। सड़क हादसे में जख्मी यूपी निवासी अधेड़ की मौत हो गई। मृतक मूल रूप से उत्तर प्रदेश के झांसी जिले के निवासी स्व़ धनराज सिंह के 55 वर्षीय पुत्र मुन्ना सिंह है। वर्तमान में करीब 16 वर्ष से अपनी पत्नी के साथ उदवंतनगर थाना के जीरो माइल स्थित किराए के मकान में रहकर मजदूरी करता थे।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

आरा (दैनिक नवसंदेश)। बिहिया स्टेशन के समीप डाउन लाइन पर सोमवार की सुबह ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। मृतक.ष्णागढ़ थाना क्षेत्र के हेतमपुर (सोहरा) गांव निवासी पतिराम यादव का 21 वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार है। वह महाराष्ट्र के पुणे में रहकर प्राइवेट कंपनी में काम करता था।

मृत युवक की पांचवे दिन हुई पहचान

आरा (दैनिक नवसंदेश)। ट्रेन हादसे में मृत युवक के शव की पांचवें दिन पहचान हुई। उसकी पहचान गजराजगंज ओपी क्षेत्र के नवादा बेन गांव निवासी स्व़ अक्षय पासी का 25 वर्षीय पुत्र राकेश कुमार के रूप में हुई है।

धैर्य, ईमानदारी और कड़ी मेहनत से जीवन को सफल बनाना संभव है : प्रो. संजय कुमार

आरा (दैनिक नवसंदेश)। महाराजा कॉलेज स्थित पीजी भूगोल विभाग द्वारा विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य एवं भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की थीम सावन के सावन, यादों की बूंदें रखी गई थी, जिसने पूरे कार्यक्रम को सावन, हरियाली, वर्षा और पुरानी यादों के रंग में रंग दिया। प्राचार्या प्रो. कनक लता कुमारी, मुख्य अतिथि एवं विवि भूगोल के विभागाध्यक्ष प्रो. संजय कुमार, पीजी भूगोल, महाराजा कॉलेज की विभागाध्यक्ष डॉ. द्वीपिका शेखर सिंह सहित प्रो. पूनम कुमारी, डॉ. रागिनी कुमारी, डॉ. मंजू कुमारी, डॉ. प्रज्ञा राय सहित अन्य विभागाध्यक्षों एवं शिक्षकों ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। स्वागत गीत की प्रस्तुति से अतिथियों, शिक्षकों एवं विदा ले रहे विद्यार्थियों को शॉल और बुके देकर स्वागत किया गया। प्रो. कनक लता कुमारी, प्राचार्या, महाराजा कॉलेज ने विद्यार्थियों को उनके आगामी जीवन के लिए शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा के दौरान अर्जित ज्ञान एवं मूल्यों को जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि प्रो. संजय कुमार ने भी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और जीवन में सफलता पाने के लिए धैर्य, ईमानदारी और कड़ी मेहनत अपनाने की बात कही। डॉ. द्वीपिका शेखर सिंह ने विद्यार्थियों के साथ बिताए वर्षों की स्मृतियों को साझा किया और जीवन के अगले पड़ाव के लिए शुभकामनाएं दीं। बिपिन द्वारा प्रस्तुत विदाई गीत ने सभी को भावुक कर दिया। इस अवसर पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने कक्षाओं, फील्ड विजिट्स और विभागीय गतिविधियों से जुड़ी अनेक खट्टी-मीठी यादें साझा कीं।

सभी मंडल एवं जिला मुख्यालय में तिरंगा यात्रा निकालेगी भाजपा

आरा (दैनिक नवसंदेश)। भाजपा जिलाध्यक्ष दुर्गा राज की अध्यक्षता मे जिला पदाधिकारियों की मासिक बैठक बीस सूत्री कार्यालय.षि भवन मे हुआ। बैठक के दौरान पिछले सभी कार्यक्रमों की समीक्षा की गई एवं आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए उसे कार्यान्वित करने के लिए चर्चा की गई। बैठक में तय हुआ कि 10 से 14 अगस्त तक सभी मंडल एवं विधानसभाओं मे तिरंगा मार्च निकाला जाएगा।उक्त तिरंगा यात्रा मे क्षेत्र के आम जनता, कार्यकर्ता एवं नेतागण देशभक्ति की भावना के साथ मार्च करेंगे। जिलाध्यक्ष दुर्गा राज ने बताया कि 14 अगस्त को भाजपा भोजपुर जिला इकाई द्वारा जेपी स्मारक से वार मेमोरियल तक तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। पार्टी द्वारा उक्त दिन को विभाजन विभिषिका दिवस के रूप मे जिला मुख्यालय पर संगोष्ठी का कार्यक्रम करेगी। जिसमे वक्ताओं द्वारा विभाजन विभिषिका के समय की परिस्थितियों एवं उसके बाद के भारतवर्ष की विजय गाथा को याद किया जाएगा। मीडिया प्रमुख संजय कुमार सिंह ने बताया गया कि जिलाध्यक्ष द्वारा सभी कार्यक्रमों के लिए प्रभारी एवं टीम का गठन कर दिया गया है। बैठक में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सीडी शर्मा, ईधीरेन्द्र सिंह, सूर्यकांत पाडेय,ज्योति प्रकाश कुशवाहा, राजकुमार कुशवाहा, संतोष चंद्रवंशी, ममता सिंह,मधु मिश्रा, रंजना श्रीवास्तव, संजय कुमार सिंह, सुनील श्रीवास्तव, विभु जैन, विद्यासागर पांडेय, मनीष रौशन, प्रतीक कुमार, पोखराज पासवान आदि शामिल थे।

अतिथि प्राध्यापकों ने विवि अधिनियम का जताया विरोध

आरा (दैनिक नवसंदेश)। प्रस्तावित बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 के प्रावधानों के विरोध में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय समेत विभिन्न महाविद्यालयों में कार्यरत अतिथि प्राध्यापकों ने सोमवार को काला बिल्ला लगाकर शैक्षणिक व प्रशासनिक कार्य किया। अतिथि प्राध्यापक संघ के अध्यक्ष ड़ आदित्य कुमार आनंद ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और महाविद्यालयों में अतिथि प्राध्यापकों ने शांतिपूर्ण तरीके से काला बिल्ला लगाकर विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य किसी व्यक्ति, संस्था या सरकार का विरोध करना नहीं है। प्रस्तावित अधिनियम के कुछ प्रावधानों से विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता, शैक्षणिक व्यवस्था और शिक्षक-कर्मचारियों के अधिकार प्रभावित होने की आशंका है। ड़ आनंद ने कहा कि आंदोलन के बावजूद महाविद्यालयों में कक्षाएं और अन्य शैक्षणिक गतिविधियां सामान्य रूप से चलती रहीं। अतिथि प्राध्यापकों ने अपने प्रशासनिक दायित्वों का भी निर्वहन किया, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि संघ आगे भी शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों को सरकार और संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखेगा। इस दौरान ड़ धनंजय प्रसाद, ड़ राधिका रमन, ड़ अशोक तिवारी, ड़ अनामिका कुमारी, संजय सिंह, ड़ एसपी राय, ड. कंचन कुमारी, ड. जुगल प्रसाद समेत अन्य अतिथि प्राध्यापक मौजूद रहे।

मुखिया गिरिजा देवी ने की निष्पक्ष जांच की मांग

शाहपुर (दैनिक नवसंदेश)। शाहपुर विधायक राकेश रंजन ओझा द्वारा दर्ज मुकदमे को लेकर प्रसौन्डा पंचायत की मुखिया गिरिजा देवी ने प्रशासन से निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं पारदर्शी जांच की मांग की है। जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि किसी भी मुकदमे में केवल एक पक्ष की बात के आधार पर निष्कर्ष निकालना उचित नहीं है। मामले से जुड़े सभी पक्षों को अपनी बात रखने का समान अवसर मिलना चाहिए। मुखिया ने कहा कि उपलब्ध दस्तावेज, साक्ष्य और परिस्थितियों की गहराई से जांच हो तथा सभी संबंधित लोगों के बयान दर्ज किए जाएं। उन्होंने कहा कि जनता का विश्वास पुलिस और प्रशासन की निष्पक्ष कार्यप्रणाली पर निर्भर करता है। इसलिए जांच ऐसी होनी चाहिए। जिससे किसी भी पक्ष को भेदभाव का एहसास न हो। गिरजा देवी ने आरोप लगाया कि जेल में बंद उनके बेटे को विधायक राकेश रंजन ओझा द्वारा साजिश के तहत नुकसान पहुंचाने तथा कैदियों को भड़काकर हमला कराने की बात कही गई है। उन्होंने चार प्रमुख मांगें रखी हैं।

डंपर ने बाइक सवार शिक्षक को रौंदा, मौके पर ही मौत

आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर घंटों जाम किया रोड

दैनिक नवसंदेश

आरा (दैनिक नवसंदेश)। आरा-बक्सर फोरलेन पर जिले के बिहिया थाना क्षेत्र के बेलौना मोड़ के समीप सोमवार की सुबह बेलगाम डंपर ने बाइक सवार प्राइवेट शिक्षक को रौंद दिया। हादसे में उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं घटना के बाद चालक डंपर लेकर मौके से फरार हो गया। घटना को लोगों में अफरा-तफरी मची रही। उधर, घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर बेलौना मोड़ के समीप करीब एक घंटे तक सड़क को जाम रखा। जाम के कारण सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी लाइन लगी रही एवं आवागमन ठप्प रहा। सूचना पाकर स्थानीय थाना मौके पर पहुंची और लोगों को समझा-बूझाकर जाम को हटवाया। जानकारी के अनुसार मृतक शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव निवासी स्व़ सत्य नारायण सिंह के 51 वर्षीय पुत्र सुनील कुमार सिंह है। वह पेशे से प्राइवेट शिक्षक थे।

सड़क हादसे में बाइक सवार युवक समेत दो लोग जख्मी

आरा (दैनिक नवसंदेश)। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र में घटित सड़क हादसे में बाइक सवार युवक समेत दो जख्मी हो गए। जिनका इलाज सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। पहली घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव के समीप की है। जहां सोमवार की दोपहर बाइक सवार ने सड़क पार कर रही एक बच्ची को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई। तब परिजन द्वारा उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। जानकारी के अनुसार जख्मी बच्ची मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव निवासी गांधी कुमार के 3 वर्षीया पुत्री प्रीति कुमारी है। इधर, जख्मी के पिता ने बताया कि वह स्कूल से वापस लौटने के क्रम में दौलतपुर गांव के समीप सड़क पार कर रही थी। इस दौरान विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। वही दूसरी बड़हरा थाना क्षेत्र के बखोरापुर गांव के समीप की है। जहां सोमवार की दोपहर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया।

आवास व अंचल से जुड़ी शिकायतों की जनसुनवाई, त्वरित निष्पादन का निर्देश

शाहपुर (दैनिक नवसंदेश)। प्रखंड मुख्यालय स्थित बीस सूत्री कार्यालय में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सोमवार को जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रखंड बीस सूत्री क्रियान्वयन समिति के अध्यक्ष अंकित पांडे की अध्यक्षता में आयोजित जनसुनवाई में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं और शिकायतें रखीं। जनसुनवाई के दौरान मुख्य रूप से आवास योजना एवं अंचल कार्यालय से संबंधित मामलों को सुना गया। ग्रामीणों ने आवास योजना का लाभ मिलने में आ रही परेशानियों, भूमि एवं अन्य अंचल संबंधी मामलों से जुड़ी शिकायतों को समिति के समक्ष रखा। अध्यक्ष अंकित पांडे ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। अध्यक्ष ने कहा कि बीस सूत्री क्रियान्वयन समिति आम लोगों की समस्याओं को प्रशासन तक पहुंचाने और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है। इस दौरान समिति के उपाध्यक्ष हीरालाल गुप्ता सहित बीस सूत्री क्रियान्वयन समिति के कई सदस्य मौजूद रहे।

बेहतर स्वास्थ्य सेवा की जगी उम्मीद

कोईलवर (दैनिक नवसंदेश)। चांदी गांव में नवनिर्मित अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (एपीएचसी) में जल्द बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं शुरू होने की उम्मीद जगी है। इस संबंध में भोजपुर के सिविल सर्जन ने स्वास्थ्य विभाग के उप सचिव को पत्र भेजकर केंद्र के पद सृजन एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया है। पत्र में बताया गया है कि चांदी में एपीएचसी का भवन बनकर तैयार है। यहां पद सृजित एवं स्वीकृत नहीं होने के कारण वैकल्पिक व्यवस्था के तहत स्वास्थ्य उपकेंद्र, चांदी में पदस्थापित एएनएम एवं सीएचओ के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। सिविल सर्जन ने जनहित में नवनिर्मित एपीएचसी में स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रशासनिक स्वीकृति देते हुए पदों के सृजन की कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

विधायक ने मुख्यमंत्री से मांगी वैकल्पिक सड़कों के निर्माण की मंजूरी

बिहिया आरओबी बंद, ग्रामीण सड़कों पर दौड़ रहे भारी वाहन

ग्रामीण सड़कों की स्थिति हुई जर्जर, दुर्घटना की आशंका बढ़ी

शाहपुर (दैनिक नवसंदेश)। बिहिया प्रखंड मुख्यालय स्थित बिहिया बाजार में आरओबी (रेल ओवरब्रिज) बंद होने के कारण पिछले करीब एक वर्ष से भारी वाहनों का परिचालन ग्रामीण सड़कों से कराया जा रहा है। भारी वाहनों के लगातार दबाव के कारण क्षेत्र की कई ग्रामीण सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। वहीं इन मार्गो पर बड़े वाहनों की आवाजाही से कभी भी बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। समस्या को गंभीरता से लेते हुए शाहपुर विधायक राकेश रंजन ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर वैकल्पिक मार्ग सहित क्षेत्र की क्षतिग्रस्त सड़कों के निर्माण की मांग की है। ग्रामीण इलाकों की सड़कों पर भारी वाहनों की लगातार आवाजाही से स्थानीय लोगों को आवागमन में परेशानी के साथ-साथ दुर्घटना का खतरा भी बना हुआ है। विधायक ने मुख्यमंत्री से क्षेत्र की समस्या को ध्यान में रखते हुए तीन महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण की मांग की है। विधायक ने मांग की है कि एनएच-84 के कटेया-नौसेराटांड़-बियाड़ा फैक्ट्री मार्ग सेबिहिया-जगदीशपुर पथ तक भारी वाहनों के परिचालन के लिए बाइपास मार्ग का निर्माण कराया जाए। इससे भारी वाहनों को ग्रामीण बस्तियों और संकरी ग्रामीण सड़कों से गुजरने से रोका जा सकेगा। कटेया रेलवे फाटक से बिहिया आरओबी तक सड़क निर्माणपत्र में विधायक ने कटेया रेलवे फाटक से बिहिया रेलवे ओवरब्रिज तक सड़क निर्माण कराने की भी मांग की है। विधायक राकेश रंजन ने शाहपुर विधानसभा क्षेत्र में भारी वाहनों के परिचालन के कारण क्षतिग्रस्त हुई सभी ग्रामीण सड़कों का नव निर्माण कराने की मांग भी मुख्यमंत्री से की है। विधायक ने मुख्यमंत्री से क्षेत्र की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए उक्त सड़कों के निर्माण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का अनुरोध किया है। विधायक का यह पत्र 10 अगस्त 2026 को मुख्यमंत्री को भेजा गया है।

रेल कर्मियों को मिलेंगी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं

अस्पताल का उद्घाटन करते मनोज दूबे, जीएम छत्रपाल सिंह, डीआरएम विनोद कुमार व अन्य।

रेल वित्त निगम द्वारा निर्मित उच्चस्तरीय स्वास्थ्य केंद्र का जीएम ने किया उद्घाटन

शाहपुर (दैनिक नवसंदेश)। रेलकर्मियों एवं सेवानिवृत्त रेलकर्मियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में रेलवे वित्त निगम ने महत्वपूर्ण पहल की है। आरा में भारतीय रेल वित्त निगम के सीएसआर फंड से करीब 80 लाख रुपये की लागत से निर्मित उच्चस्तरीय स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया गया।

उद्घाटन समारोह में भारतीय रेल वित्त निगम के सीएमडी मनोज कुमार दूबे, पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक छत्रपाल सिंह, दानापुर के डीआरएम विनोद कुमार सहित रेलवे के कई वरीय अधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। नवस्थापित स्वास्थ्य केंद्र से आरा एवं आसपास के क्षेत्रों में कार्यरत तथा सेवानिवृत्त दो लाख से अधिक रेलकर्मियों और उनके आश्रितों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलने की उम्मीद है।

आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह केंद्र रेलकर्मियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को स्थानीय स्तर पर अधिक सुलभ और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि रेलकर्मियों और उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना रेलवे की प्राथमिकताओं में शामिल है। आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं से युक्त केंद्र रेलकर्मियों के स्वास्थ्य संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

जिलाधिकारी के निर्देश पर अतिक्रमण के विरुद्ध चला प्रशासन का अभियान

आरा (दैनिक नवसंदेश)। जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश पर सोमवार को अंचलाधिकारी, सदर के नेतृत्व में आरा में अतिक्रमण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान शहर के नाला मोड, सीके रोड एवं ट्रक सिंडिकेट के पास सड़क एवं सार्वजनिक स्थलों पर किए गए। अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई की गई। साथ ही, संबंधित अतिक्रमणकारियों को सार्वजनिक मार्गो एवं सरकारी भूमि को अतिक्रमणमुक्त रखने तथा भविष्य में पुनः अतिक्रमण नहीं करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान भारी संख्या में महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मी मुस्तैद दिखे। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि सार्वजनिक मार्गो, सरकारी भूमि एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार्य नहीं है। आमजन की सुगम आवाजाही एवं सार्वजनिक स्थलों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अतिक्रमण के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर एवं नियमानुसार जारी रहेगा।

विवि अधिनियम शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर संयुक्त मोर्चा का धरना

आरा (दैनिक नवसंदेश)। वीर कुँवर सिंह विवि शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर संयुक्त संघर्ष मोर्चा के बैनर तले आज वीर कुँवर सिंह विवि, आरा के नूतन परिसर स्थित प्रशासनिक भवन के समक्ष प्रस्तावित नए विश्वविद्यालय अधिनियम के विरोध में विशाल धरना एवं प्रदर्शन आयोजित किया गया।

यह आंदोलन बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 एवं पटना विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 को समाप्त कर उसके स्थान पर लाए जा रहे नए प्रस्तावित अधिनियम के विरोध में आयोजित किया गया। धरने में विश्वविद्यालय के विभिन्न अंगीभूत महाविद्यालयों के सैकड़ों शिक्षक, lतकोत्तर विभागों के शिक्षक तथा विश्वविद्यालय के प्रशासनिक विभागों के शिक्षकेत्तर कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों की व्यापक एकजुटता ने यह स्पष्ट कर दिया कि विश्वविद्यालय की स्वायत्तता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। वकुटा (वाकुस्टा) के अध्यक्ष प्रो चंचल पाण्डेय एवं वकुस्टा (वाकुस्टा) के अध्यक्ष प्रो दिवाकर पाण्डेय ने संयुक्त रूप से कहा कि बिहार विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 एवं पटना विश्वविद्यालय अधिनियम, 1976 ने लंबे समय से उच्च शिक्षा संस्थानों के लोकतांत्रिक एवं स्वायत्त स्वरूप की रक्षा की है। इन अधिनियमों को समाप्त कर प्रस्तावित नया अधिनियम लाना विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता पर सीधा प्रहार है। पूर्व अध्यक्ष प्रो विश्वनाथ चौधरी ने कहा कि विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता से किसी भी प्रकार का समझौता उच्च शिक्षा के भविष्य को अंधकार में धकेलने के समान है। वकुटा के सचिव ड़ शशि भूषण राय ने कड़े शब्दों में कहा कि सरकार अपनी हर सीमा पार कर ले, लेकिन शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी विश्वविद्यालय की स्वायत्तता की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई की सीमा स्वयं तय करेंगे। ड़ संतोष कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों की स्वायत्तता को कमजोर करने वाले किसी भी प्रावधान को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

हर घर तिरंगा अभियान के तहत निकल गई तिरंगा रैली

अरवल (एनएसबी)। हर घर तिरंगा अभियान के तहत जिला सहकारिता कार्यालय में तिरंगा रैली, इंडोर स्टेडियम में बच्चों ने तिरंगे के साथ लिया फोटो जिला पदाधिकारी अरवल के मार्गदर्शन में जिले में 09 अगस्त से 17 अगस्त 2026 तक 'हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन किया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य जिलेवासियों में राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान, देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ करना है। इसी क्रम में आज दिनांक 10 अगस्त 2026 को जिला सहकारिता कार्यालय, अरवल में जिला सहकारिता पदाधिकारी सुश्री आकांक्षा की अध्यक्षता में कार्यालय के पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली के दौरान कर्मियों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर देशभक्ति एवं राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया तथा आमजनों को भी हर घर तिरंगा अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता के लिए प्रेरित किया। तिरंगा रैली के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि राष्ट्रीय ध्वज केवल हमारी आन-बान-शान का प्रतीक ही नहीं, बल्कि यह देश की एकता, अखंडता, स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों का भी प्रतीक है। रैली में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने 'हर घर तिरंगा' अभियान को जन-जन तक पहुँचाने तथा प्रत्येक नागरिक को अभियान से जोड़ने का संकल्प लिया।वहीं, इंडोर स्टेडियम में भी बच्चों द्वारा हर घर तिरंगा अभियान के तहत उत्साहपूर्वक सहभागिता की गई। बच्चों ने हाथों में तिरंगा लेकर एवं तिरंगे के साथ अपनी तस्वीरें खिंचवाई और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान एवं देशभक्ति की भावना व्यक्त की। बच्चों की इस सहभागिता ने अभियान को और अधिक जीवंत एवं प्रेरणादायी बना दिया। इस अवसर पर बच्चों एवं उपस्थित लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, उसकी गरिमा बनाए रखने तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया गया। जिला प्रशासन अरवल की अपील है कि जिले के सभी नागरिक 'हर घर तिरंगा अभियान में सक्रिय रूप से सहभागी बनें और स्वतंत्रता दिवस के इस राष्ट्रीय उत्सव को जनभागीदारी के उत्सव के रूप में मनाएं।

तिरंगा रैली में भाग लेते लोग।

दूसरे सोमवारी के दिन देवकुंड में भक्तों ने किया जलाभिषेक

शहरतेलपा(एनएसबी)। सावन के दूसरे सोमवार पर चवन ऋषि की तपोभूमि देवकुंड में शिव भक्तों की काफी भीड़ देखने को मिला। सावन के दूसरे सोमवार होने के कारण सुबह से ही महिलाओं एवं पुरुषों की अलग-अलग लंबी कतार देखने को मिली ।क्षेत्रीय लोगों को भी अहले सुबह ही देवकुंड की ओर बाबा दूधेश्वर नाथ पर जलाभिषेक करने को जाते देखा गया। सीमावर्ती दूसरे जिला से भी लोग प्रसिद्ध दूधेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक को लेकर श्रावण मास में पहुंचते हैं एवं बाबा पर जलाभिषेक कर अपनी मनोकामनाओं को मांगते हैं। कांवरिया एवं डाक बम के द्वारा भी बाबा पर जलाभिषेक किया गया ।लगभग 100 किलोमीटर की पटना से देवकुंड की दूरी को तय करके कांवरिया लोग जगह-जगह बने कांवरिया विश्राम गृह में ठहरते हुए सोमवार को सुबह होते ही बाबा की नगरी पहुंचे एवं जलाभिषेक किया ।सावन चढ़ने के बाद से ही पूरा क्षेत्र हर हर महादेव बम बम भोले के नारों से गुंजायमान हो रहा है ।कांवरियों की जत्था में लोग डीजे लगाकर भक्ति गीतों पर थिरकते हुए देवकुंड पहुंच रहे हैं एवं बाबा का दर्शन कर रहे हैं। बाबा दूधेश्वर नाथ पर जलाभिषेक के बाद लोग देवकुंड में लगे श्रावणी मेला का भी आनंद उठाते नजर आ रहे हैं। सावन के आने वाले दिनों में उमड़ने वाली भक्तों की भीड़ को देखकर मंदिर प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन के द्वारा काफी तत्परता दिखाई जा रही है। जगह-जगह सीसीटीवी कैमरा, वाहनों के लिए पार्किंग ,भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल आदि की काफी तैयारी देखी जा रही है।

जलाभिषेक को लेकर उमड़ी भक्तों की भीड़।

सेनाने नहर में पानी नहीं रहने व खाद की किल्लत से किसान परेशान

कुर्था(एनएसबी)। एक तरफ सरकार किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा और पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर अरवल जिले के कुर्था प्रखंड में किसान सिंचाई और खाद की समस्या से जूझ रहे हैं। सेनाने नहर में अब तक पानी नहीं छोड़े जाने के कारण प्रखंड की कई पंचायतों के किसानों के सामने धान की खेती को लेकर संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। किसान विनय कुमार दरोगा ने बताया कि सेनाने नहर में पानी नहीं पहुंचने के कारण किसानों को धान की खेती के लिए निजी ट्यूबवेल और डीजल पंप पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इससे खेती की लागत काफी बढ़ गई है। जिन किसानों के पास निजी ट्यूबवेल की सुविधा नहीं है, उनके लिए धान की रोपाई करना मुश्किल हो रहा है। वहीं, ट्यूबवेल से सिंचाई करने वाले किसानों को डीजल और बिजली पर अतिरिक्त खर्च करना पड़ रहा है।

30 अगस्त तक मांगें पूरी करने का आश्वासन, काम पर लौटे सफाईकर्मी, समयसीमा पूरी नहीं हुई तो फिर होगी हड़ताल

जहानाबाद। नगर परिषद के सफाईकर्मी अपनी 10 सूत्री मांगों को लेकर पिछले चार दिनों से धरना-प्रदर्शन कर रहे थे। सोमवार को विरोध मार्च निकालकर नगर परिषद कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शन किया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने कार्यपालक पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार से वार्ता कर ज्ञापन सौंपा। वार्ता के दौरान कार्यपालक पदाधिकारी ने सफाईकर्मियों की मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए 30 अगस्त तक समाधान की दिशा में कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जायज मांगों को जल्द पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। एनजीओ स्तर पर अनियमितता मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की बात भी कही गई। अधिकारी के आश्वासन के बाद सफाईकर्मियों ने फिलहाल आंदोलन समाप्त कर काम पर लौटने का निर्णय लिया। सफाईकर्मी बबलू कुमार, सूरज और मदन समेत अन्य ने कहा कि शहर की सफाई व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए वे काम पर लौट रहे हैं, लेकिन 30 अगस्त तक 10 सूत्री मांगें पूरी नहीं हुई तो दोबारा हड़ताल की जाएगी। इसके बाद महिला और पुरुष सफाईकर्मी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में लौट गए और सफाई कार्य संभाल लिया। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि 30 अगस्त की समयसीमा के बाद ही आंदोलन की अगली रणनीति तय होगी।

आजीविका मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर पंच सम्मेलन का हुआ आयोजन

अरवल (एनएसबी)। विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर बैठक आयोजित। जिला पदाधिकारी अमृषा बैरा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभा कक्ष में विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) से संबंधित पंच सम्मेलन का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के प्रतिनिधि, जिला परिषद सदस्य, ग्राम पंचायत मुखिया, पंचायत समिति, वार्ड सदस्य एवं पंच सदस्य के साथ अन्य उपस्थित रहे। पंच सम्मेलन में योजना के प्रावधानों, रोजगार सृजन, ग्रामीण आजीविका संवर्धन, ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यों के चयन एवं क्रियान्वयन तथा योजना की निगरानी से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि 1 जुलाई 2026 से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के प्रावधान प्रभावी किए जाने की जानकारी दी गई। इसके तहत ग्रामीण परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण एवं आजीविका के साधनों को मजबूत करने पर विशेष जोर दिया गया है। चीबी -जी राम जी अधिनियम 2025 की मुख्य विशेषताएं योजना के तहत रोजगार की गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन किया गया है। अगर मजदूर को समय पर काम नहीं मिलता है. तो राज्य सरकार द्वारा तय बेरोजगारी भता का भुगतान किया जायेगा। यह स्कीम एक सेंट्रली स्पॉन्सर्ड स्कीन है, जिसमें राज्यों के लिए फंड शेयरिंग पैटर्न 60:40 तथा उत्तर-पूर्वी एवं पहाड़ी राज्यों के लिए 90:10 के अनुपात में वित्तीय भागीदारी का प्रावधान है। केन्द्र सरकार ऑब्जेक्टिव डेवलपमेंट पैरामीटर्स के आधार पर राज्य बार नोंमेंटिव एलोकेशन तय करेगी। एलोकेशन से ज्यादा खर्च राज्य को डान होगा। राज्य सरकार खेती के पीक सीजन बुवाई और कटाई को कवर करते हुए कुल 60 दिनों का समय नोटिफाई करेगी, जब काम नहीं किया जाएगा। विकास के मानको के आधार पर ग्राम पंचायतों की विविध आवश्यकताओं को प्रधानमंत्री गति शक्ति से एकीकृत विकसित ग्राम पंचायत योजनाएं। बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण साप्ताहिक सार्वजनिक प्रकटीकरण प्रणाली, स्थानिक, प्रौद्योगिकी आधारित योजना निर्माण ती मोबाइल एवं डैशबोर्ड आधारित मापनीय मानकों की निगरानी। निगरानी समीक्षा एवं मूल्यांकन हेतु। सोशल ऑडिट तंत्र का और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी। प्राकृतिक आपदाओं अथवा असाधारण परिस्थितियों में समयबद्ध राहत एवं त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए। 04 थिनेटिक क्षेत्रों के अंतर्गत 318 अनुमेय कार्य जल सुरक्षा के तहत कुल 107 कार्य, ग्रामीण आजीविका के तहत कुल 86 कार्य, मुख्य ग्रामीण अवसंरचना के तहत कुल 88 कार्य एवं आपदा न्यूनीकरण के तहत कुल 37 कार्य निर्धारित की गई है। सतत ग्राम विकास के लिए जल संबंधित कार्य योजना के तहत व्यक्तिगत खेत तालाब, सामुदायिक तालाब, चेक डैम, गली नियंत्रण, सिंचाई कुँआ, नहर इत्यादि अवस्थित है। मुख्य ग्रामीण अवसंरचना के तहत सड़क कलवर्ट, ग्राम पंचायत भवन, ऑगनवाड़ी भवन, पुस्तकालय, सौर लाईट, बस स्टैण्ड इत्यादि। जीविका आधारभूत संरचना के तहत प्रशिक्षण केन्द्र, अपशिष्ट से संपदा, कार्य शेड, बकरी शेड, चारा विकास इत्यादि। अपादा न्यूनिकरण के तहत चक्रवात शेल्टर, बाढ़, तटबंध, आपदा के बाद पुनर्वास इत्यादि। जिला पदाधिकारी ने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि योजना के निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा किया जाए तथा नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवारों को रोजगार एवं आजीविका के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ ऐसे कार्य कराए जाएं, जिनका लाभ आने वाले वर्षों तक ग्रामीण समुदाय को प्राप्त हो सके। बैठक के अंत में जिला पदाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को सरकार की मंशा के अनुरूप ग्रामीण रोजगार, आजीविका संवर्धन एवं सतत विकास को प्राथमिकता देते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने का निर्देश दिया। बैठक में अपर समाहर्ता, उप विकास आयुक्त, विशेष कार्य पदाधिकारी के साथ संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

पंच सम्मेलन में भाग लेते जनप्रतिनिधि।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि पेंशनधारियों के खाते में भेजी गई

अरवल (एनएसबी) मख्यमंत्री द्वारा सामाजिक सुरक्षा पेंशन याजेनाओं के अंतर्गत राज्य के सभी पेंशनधारियों के लिए माह जुलाई, 2026 की पेशन राशि का डीबीटी के माध्यम से अंतरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य सचिव, बिहार की अध्यक्षता में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला मुख्यालय, प्रखंड मुख्यालय एवं ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। सामाजिक सुरक्षा पेंशन याजेनाओं का मुख्य उद्द्श्य समाज के कमजारे एवं वंचित वर्गों को आर्थिक सहायता एवं सामाजिक संबल प्रदान करना है, ताकि उनके आत्मसम्मान में वृद्धि हो तथा उन्हें गरिमापर्ण जीवनयापन का अवसर प्राप्त हो सके।

अरवल जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय सभाकक्ष में जिला पदाधिकारी अमृषा बैंस की अध्यक्षता में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया। साथ हीं सभी प्रखंड मुख्यालयों तथा सभी ग्राम पंचायतों के आगंनबाड़ी केंद्रों में इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा गया एवं लाभार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की गई। अरवल जिले में सामाजिक सुरक्षा पेशन याजेनाओं के कुल 81013 लाभार्थी आच्छादित्त है. जिनमें मख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन याजेना के तहत 42060 लाभार्थी, इंदिरा गाधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन याजेना के तहत 19593 लाभार्थी, लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन याजेना के तहत 5620 लाभार्थी, इंदिरा गाधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन याजेना के तहत 3818 लाभार्थी, बिहार निःशक्तता पेंशन याजेना के तहत 7997 लाभार्थी, इंदिरा गाधी राष्ट्रीय निःशक्तता पेंशन याजेना के तहत 1925 लामार्थी। माह जुलाई, 2026 के लिए प्रति लाभार्थी 1,100 रुपए की दर से कुल 9,13,37,500 (नौ करोड़ तेरह लाख सैंतीस हजार पाँच सौ) की राशि डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में अंतरित की गई। कायक्रम में अपर समाहर्ता, उप विकास आयुक्त, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा कोषांग, सहायक निदेशक जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग के साथ अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं पेंशनधारी लाभार्थी उपस्थित रहे।

समारोह के मौके पर उपस्थित लोग।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत सहकारिता भवन से निकली

जहानाबाद (एनएसबी)। हर घर तिरंगा अभियान के तहत सोमवार को जिला सहकारिता भवन से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा में सहकारिता विभाग के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर निकले कर्मियों ने देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, अखंडता और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा जिला सहकारिता भवन से प्रारंभ होकर जिला समाहरणालय भवन तक पहुंची। यात्रा के दौरान कर्मचारियों में खासा उत्साह देखने को मिला। जिस मार्ग से तिरंगा यात्रा गुजरी, वहां देशभक्ति का माहौल बन गया। कर्मियों ने लोगों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया। यात्रा के माध्यम से आम लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान, देश की एकता और अखंडता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का संदेश दिया गया। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कहा कि तिरंगा केवल एक ध्वज नहीं, बल्कि देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा में जिला अंकेक्षण पदाधिकारी धनंजय कुमार, अनुमंडल अंकेक्षण पदाधिकारी कैंसर आलम, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी श्रीकृष्ण रजक, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी ललन प्रसाद, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी रिजवानूर रहमान, प्रधान लिपिक संजू कुमार समेत सहकारिता विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। इस अवसर पर जिला अंकेक्षण पदाधिकारी धनंजय कुमार ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देश की एकता और अखंडता का संदेश देता है। तिरंगा हम सभी के लिए गौरव, सम्मान और राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने जिलेवासियों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराने तथा राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी एवं सम्मान व्यक्त करने की अपील की। धनंजय कुमार ने कहा कि सहकारिता विभाग के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरे उत्साह के साथ इस अभियान में भाग लिया है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से समाज में देशभक्ति की भावना को मजबूत करने और नई पीढ़ी को राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों से जोड़ने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि आजादी केवल उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि उन वीरों के त्याग और बलिदान को याद करने का भी समय है, जिनके संघर्ष से देश को स्वतंत्रता मिली। हर घर तिरंगा अभियान इसी राष्ट्रीय भावना को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है। तिरंगा यात्रा के दौरान कर्मचारियों में उत्साह और राष्ट्रप्रेम की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। हाथों में लहराता तिरंगा और देशभक्ति से ओत-प्रोत वातावरण ने स्वतंत्रता दिवस के पूर्व ही जहानाबाद को राष्ट्रीय गौरव और देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

देशभक्ति के रंग में रंगा जहानाबाद, हाथों में तिरंगा लेकर कर्मियों ने दिया एकता-अखंडता का संदेश

जनता से साक्षात्कार कार्यक्रम में आए मामलों का डीएम ने किया निष्पादन

अरवल (एनएसबी) जिला पदाधिकारी ने आयोजित किया जनता से साक्षात्कार कार्यक्रम, विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों का किया गया त्वरित निष्पादन जिला पदाधिकारी अमृषा बैस द्वारा कार्यालय प्रकोष्ट में जनता से साक्षात्कार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनता से साक्षात्कार में लगभग 05 नागरिकों के द्वारा अपनी समस्याओं से जिला पदाधिकारी को अवगत कराया गया। प्राप्त शिकायतें मुख्य रूप से भूमि विवाद, जमाबंदी, भूमि सुधार उप समाहर्ता कार्यालय, अनुमंडल कार्यालय, प्रखण्ड कार्यालय, अंचलाधिकारी कार्यालय, ग्रामीण कार्य विभाग एवं अन्य विभाग से संबंधित थे। जनता से साक्षात्कार में विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिया गया कि जनता की समस्याओं का रामाधान शेष मामलों का त्वरित और पारदर्शी तरीके से करें। अरवल प्रखण्ड स्थित ग्राम रामपुर वैना निवासी विपत दास द्वारा बताया गया कि मेरा जमीन में नल जल योजना संचालित है, जिसमें अनुरक्षक के रूप में नाम जोडवाना आवश्यक है, नाम जोड़वाने की कृपा प्रदान की जाए। इस पर जिला पदाधिकारी द्वारा प्रखण्ड विकास पदाधिकारी अरवल एवं प्रखण्ड पंचायती राज पदाधिकारी अरवल को नियमानुसार कार्रवाई करने हेतु निदेशित किया गया। अरवल प्रखण्ड स्थित ग्राम असलानपुर निवासी जनक कुमार द्वारा बताया गया कि जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के आदेश का अनुपालन से संबंधित एवं समाहरणालय परिसर मार्ग की मरम्मती करवाने की कृपा प्रदान की जाए। इस पर जिला पदाधिकारी द्वारा ग्रामीण कार्य विभाग अरवल को नियमानुसार कार्रवाई करने हेतु निदेशित किया गया। करपी प्रखण्ड स्थित ग्राम बख्तारी निवासी रेशमी देवी द्वारा बताया गया कि अपर समाहर्ता अरवल के आदेश के आलेक में अंचलाधिकारी करपी द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

लोगों की समस्याएं सुनते डीएम।

सफाई मजदूरों की हड़ताल से गूंजा जहानाबाद, मांगों को लेकर नगर परिषद कार्यालय पर प्रदर्शन

जहानाबाद (एनएसबी)। सफाई मजदूर कामगार यूनियन के बैनर तले सोमवार को जहानाबाद नगर परिषद क्षेत्र के सफाई मजदूरों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एक दिवसीय हड़ताल की और प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में सफाई मजदूर स्टेशन परिसर से जुलूस की शक्ल में निकले। जुलूस अरवल मोड़ होते हुए नगर परिषद कार्यालय पहुंचा, जहां मजदूरों ने अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन करते हुए धरना दिया। प्रदर्शन का नेतृत्व भाकपा माले के राज्य कमिटी सदस्य रविंद्र यादव ने किया। इस दौरान माले नेता लक्ष्मण साह के साथ सफाई कर्मी अंजू देवी, डोमन राम, बिज्जू राम समेत बड़ी संख्या में सफाई मजदूर मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान मजदूरों ने अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर आवाज बुलंद की तथा संबंधित अधिकारियों से मांगों पर गंभीरता से विचार करने की अपील की। प्रदर्शनकारी सफाई मजदूरों ने कहा कि वे प्रतिदिन शहर को स्वच्छ रखने के महत्वपूर्ण कार्य में जुटे रहते हैं। इसके बावजूद उन्हें उनके कार्य के अनुरूप उचित वेतन और आवश्यक सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। मजदूरों ने उचित वेतनमान निर्धारित करने तथा सभी सफाई कर्मियों को सुरक्षा किट उपलब्ध कराने की मांग की। मजदूरों का कहना था कि सफाई कार्य के दौरान उन्हें कई तरह के जोखिमों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में दस्ताने, जूते, मास्क और अन्य आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना जरूरी है, ताकि वे सुरक्षित तरीके से अपना कार्य कर सकें। सफाई मजदूरों ने अपने खातों में पीएफ की राशि नियमित रूप से जमा करने की मांग की। इसके साथ ही स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना बीमा और जीवन बीमा की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि सफाई कर्मियों के हितों को ध्यान में रखते हुए श्रम विभाग द्वारा निर्धारित मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित किया जाना चाहिए। मजदूरों ने आरोप लगाया कि उन्हें उनके श्रम के अनुरूप अधिकार और सुविधाएं मिलनी चाहिए, जिसके लिए प्रशासन को प्रभावी कदम उठाना चाहिए।

19 सूत्री मांगों को लेकर किसान-मजदूर संगठनों का जेल भरो आंदोलन

जहानाबाद (एनएसबी)। बिहार राज्य किसान सभा, सीआईटीयू, बिहार प्रांतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन जिला कमेटी जहानाबाद समेत विभिन्न किसान-मजदूर संगठनों ने सोमवार को राष्ट्रीय आह्वान पर 19 सूत्री मांगों को लेकर जेल भरो आंदोलन किया। आंदोलन के बाद प्रतिनिधिमंडल ने जिला पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर किसानों, मजदूरों और ग्रामीण गरीबों की समस्याओं के समाधान की मांग की। बिहार राज्य किसान सभा के जिला सचिव दिलीप कुमार ने कहा कि किसान बढ़ती कृषि लागत और उपज का उचित मूल्य नहीं मिलने से परेशान हैं। उन्होंने एमएसपी की कानूनी गारंटी, किसानों-मजदूरों की कर्जमाफी तथा खाद-बीज की कालाबाजारी पर रोक लगाने की मांग की। आंगनवाड़ी सेविका वीणा कुमारी ने आंगनवाड़ी कर्मियों को उचित मानदेय एवं आवश्यक सुविधाएं देने की मांग उठाई। ज्ञापन में चार श्रम संहिताओं को रद्द करने, बिजली अधिनियम 2025 वापस लेने, मनरेगा को मजबूत करने, बेरोजगारों को रोजगार तथा भूमिहीन परिवारों को आवास के लिए जमीन देने की मांग शामिल रही। संगठनों ने खाद-बीज की खरीद में किसान आईडी की बाध्यता समाप्त करने, राशन कार्ड से पात्र लोगों के नाम काटने पर रोक और सभी पात्रों को वृद्धावस्था पेंशन देने की मांग भी की। इसके अलावा बाढ़-सुखाड़ से प्रभावित किसानों को तत्काल राहत, स्थायी जलनिकासी व्यवस्था, बंद नलकूपों को चालू करने तथा फल्गु नदी को सोन नदी से जोड़ने की मांग उठाई गई।

जिला स्तरीय रेड रिबन क्विज में दिखी विद्यार्थियों की जागरूकता

जहानाबाद (एनएसबी)। बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति, पटना एवं राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (NACO) के मार्गदर्शन तथा शिक्षा विभाग, जहानाबाद के सहयोग से स्वास्थ्य विभाग द्वारा सोमवार को राज्य संपोषित बालिका इंटर विद्यालय, जहानाबाद में जिला स्तरीय रेड रिबन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न प्रखंडों के विद्यालयों से करीब 100 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं युवाओं को ल्क्व्/एड्स, संक्रमण से बचाव, उपचार, अफ्ळ सेवाओं, रळ्क/फ्ळ्क तथा ल्क्व् से संबंधित भ्रांतियों और सही तथ्यों के प्रति जागरूक करना था। साथ ही युवाओं की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से समाज में ल्क्व् से जुड़े भेदभाव को समाप्त करने का संदेश दिया गया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने ल्क्व्/एड्स एवं स्वास्थ्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपनी जानकारी और समझ का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में गांधी मेमोरियल इंटर विद्यालय, जहानाबाद के कृष्णानंद एवं पलक कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

खबरें : एक नजर में

जहानाबाद के गौरक्षणी प्राथमिक विद्यालय का भवन शीघ्र बनेगा, भवन के निर्माण के लिए मिल चुकी है 10 डिसमिल भूमि

पटना (दैनिक नवसंदेश)। । जहानाबाद के गौरक्षणी स्थित प्राथमिक विद्यालय के लिए भवन निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस भवनहीन विद्यालय में वर्तमान में 65 छात्र-छात्राएं नामांकित हैं।

विद्यालय भवन के निर्माण के लिए 10 डिसमिल भूमि उपलब्ध कराई जा चुकी है। भूमि के सीमांकन की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। जहानाबाद के डीईओ ने प्राथमिक शिक्षा निदेशक से विद्यालय में आवश्यक सुविधाओं के निर्माण की स्वीकृति का अनुरोध किया है।

डीईओ ने जो प्रस्ताव भेजा है, उसके मुताबिक विद्यालय में 4 अतिरिक्त क्लास रूम, 2 शौचालय, पेयजल के लिए डीप ट्यूबवेल एवं हैंडवश स्टेशन तथा एक रसोईघर का निर्माण कराया जाएगा।

डीईओ ने इन कार्यो को प्राथमिकता के आधार पर कराने का अनुरोध किया है। विद्यालय में भवन और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होने से बच्चों को बेहतर एवं सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण मिल सकेगा।

शिक्षा में सुधार और नवाचार पर मंथन के साथ दो दिवसीय चिंतन शिविर का समापन

पटना (दैनिक नवसंदेश)। संकल्प से सिद्धि और चिंतन से परिवर्तन के मूल मंत्र को आत्मसात करने के प्रण के साथ अधिवेशन भवन में आयोजित दो दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला सह चिंतन शिविर का सोमवार को समापन हुआ। दूसरे दिन शिक्षा में सुधार और नवाचार से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों और विभागीय अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण के जरिये विचार-विमर्श किया।

कार्यशाला में शिक्षकों की नई स्थानान्तरण नियमावली पर विस्तार से चर्चा हुई। प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के साथ हुए समझौता ज्ञापनों और उनके माध्यम से शिक्षा में सुधार के प्रयासों की जानकारी दी गई।

माध्यमिक शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और पीएम श्री विद्यालयों के प्रभावी संचालन पर भी चर्चा हुई। विद्यालयों में आधुनिक सुविधाएं बढ़ाने के लिए सोलर पैनल और इंटरनेट कनेक्टिविटी से जुड़े विषयों पर भी प्रस्तुतीकरण दिया गया।

कार्यशाला में सरस्वती विद्या निकेतन (आदर्श विद्यालय) की अवधारणा पर चर्चा की गई। साथ ही 'हुनरमंद बचपन, आत्मनिर्भर बिहार' के लक्ष्य के तहत विद्यालयों में व्यावसायिक शिक्षा को प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। इस दौरान उच्च विद्यालयों में स्थापित प्रयोगशालाओं के बेहतर संचालन, डिजिटल शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने के उपायों पर भी विचार-विमर्श हुआ।

विद्यालयों में बच्चों की स्वास्थ्य जांच, पोषण और स्वच्छता को शिक्षा से जोड़ने पर विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। इसके अलावा ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की ओर से विद्यार्थियों को नशे से दूर रखने और नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने से जुड़े कार्यक्रमों की भी जानकारी दी गई।

कार्यशाला के अंत में प्रतिभागियों के साथ खुला संवाद हुआ। अधिकारियों और प्रतिभागियों ने शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव साझा किए। कार्यक्रम का समापन बिहार गीत, ग्रुप फोटो सेशन और प्रमाण-पत्र वितरण के साथ हुआ।

दिनारा के जोगिया गांव की घटना पर जितेंद्र मिश्रा ने जताया आक्रोश, कहा- न्याय में पक्षपात बर्दाश्त नहीं

पटना (दैनिक नवसंदेश)। दिनारा के जोगिया गांव में अजीत तिवारी जी के घर पर कथित हमला, आगजनी एवं महिला के साथ बदतमीजी की घटना को लेकर परशुराम सेवा संघ राष्ट्रीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय संयोजक सह प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र मिश्रा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

जितेंद्र मिश्रा ने कहा कि यदि किसी परिवार के घर पर हमला किया जाता है, आगजनी की जाती है और परिवार की महिला के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है, तो यह बेहद गंभीर मामला है। प्रशासन को पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों के खिलाफ तत्काल कठोर कानूनी कार्रवाई करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि दूसरी ओर, एक मजदूर की हत्या के मामले में अजीत तिवारी जी को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर ले जाने की बात सामने आ रही है। ऐसे में प्रशासन को जनता के सामने स्पष्ट करना चाहिए कि पूरे मामले में वास्तविक तथ्य क्या हैं और कानून सभी पक्षों पर समान रूप से लागू क्यों नहीं दिखाई दे रहा है जितेंद्र मिश्रा ने प्रशासन को स्पष्ट शब्दों में कहा कि कानून-व्यवस्था किसी जाति, व्यक्ति या राजनीतिक प्रभाव के आधार पर नहीं चल सकती। यदि प्रशासन दोषियों पर कार्रवाई करने में असमर्थ है तो इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। किसी निर्दोष को फंसाना और वास्तविक दोषियों को संरक्षण देना किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ब्राह्मण और भूमिहार समाज को कमजोर समझने की भूल कोई न करे। समाज संविधान और कानून के दायरे में रहकर अपने अधिकारों, सम्मान और न्याय के लिए मजबूती से आवाज उठाना जानता है। हमारी लड़ाई किसी जाति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि अन्याय, अपराध और पक्षपातपूर्ण कार्रवाई के खिलाफ है।

उन्होंने बिहार प्रशासन से मांग की कि जोगिया गांव की घटना की तत्काल निष्पक्ष जांच हो।2 घर में आगजनी और महिला के साथ कथित अभद्रता के दोषियों की पहचान कर कठोर कार्रवाई हो।3 पीड़ित परिवार को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए।4 अजीत तिवारी जी के खिलाफ कार्रवाई की भी निष्पक्ष जांच हो और यदि वे निर्दोष हैं तो उन्हें न्याय मिले।5 पूरे मामले में किसी भी प्रकार के राजनीतिक अथवा सामाजिक दबाव के बिना कानून के अनुसार कार्रवाई की जाए। जितेंद्र मिश्रा ने कहा कि न्याय चाहिए, पक्षपात नहीं।कानून का राज चाहिए, अराजकता नहीं।प्रशासन निष्पक्ष कार्रवाई करे, अन्यथा लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से जनता की आवाज को और मजबूती से उठाया जाएगा।

शिक्षा अधिकारियों का जनता के बीच विश्वास बढ़ाना सबसे बड़ा संकल्प : मिथिलेश तिवारी

जन सहयोग से समस्याओं का समाधान निकालने की विकसित करें क्षमता

दैनिक नवसंदेश

पटना। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा है कि शिक्षा अधिकारियों को आम जनता से सरोकार रखना होगा। अधिकारी शिक्षक हितैषी बनें और आम लोगों के बीच अपने व्यवहार से विश्वास पैदा करें। यही हमारा सबसे बड़ा संकल्प हो।

श्री तिवारी सोमवार को अधिवेशन भवन में आयोजित दो दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला सह चिंतन शिविर के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राज्यस्तरीय कार्यशाला सह चिंतन शिविर के समापन समारोह को शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि अधिकारी केवल सरकार के भरोसे काम न करें, बल्कि जन सहयोग से भी समस्याओं का समाधान निकालने की क्षमता विकसित करें। इसके लिए गांव-गांव जाकर लोगों से मिलना होगा और जनप्रतिनिधियों से दूरी कम करनी होगी। उन्होंने बताया कि एक सप्ताह तक घर छोड़कर जनता के बीच रहने का अभियान चलाने पर भी विचार किया जा रहा है।

छठी से 12वीं तक के बच्चों को कौशलयुक्त बनाने की योजना

श्री तिवारी ने कहा कि छठी कक्षा से 12वीं तक के बच्चों को कौशलयुक्त बनाने के लिए एक माह के भीतर योजना तैयार की जाएगी। स्कूलों में वोकेशनल कोर्स शुरू किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि रोजगार के अवसर उपलब्ध होने के बावजूद केवल डिग्रीधारी नहीं, बल्कि कौशलयुक्त युवाओं को तैयार करना जरूरी है।

उन्होंने बताया कि जल्द ही हर प्रखंड में समेकित विद्यालय और गुरुकुलम की स्थापना की जाएगी। यहां वेद-विज्ञान, कौशल विकास सहित विभिन्न विषयों की पढ़ाई होगी। इसकी शुरुआत बक्सर से की जाएगी।

अन्य विभागों के सहयोग से शिक्षा व्यवस्था होगी मजबूत

शिक्षा मंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य, पीएचईडी, राजस्व एवं भूमि सुधार सहित अन्य विभागों को शिक्षा विभाग से जोड़ने का काम किया जा रहा है, ताकि विद्यालयों और बच्चों से जुड़ी जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा किया जा सके।

उन्होंने कहा कि विद्यालय सिर्फ भवन नहीं, बल्कि भविष्य निर्माण का केंद्र हैं। शिक्षक शिक्षा की आत्मा हैं। श्री तिवारी ने कहा कि हर क्षेत्र में बिहार की बेटियों ने बेटों को पीछे छोड़ा है। राज्य सरकार की प्रोत्साहन योजनाओं ने बेटियों की शिक्षा और आगे बढ़ने की गति को और तेज किया है।

उर्दू और संस्कृत दोनों को मिलेगा बढ़ावा

शिक्षा मंत्री ने कहा कि मदरसों के माध्यम से उर्दू को भी बढ़ावा दिया जाएगा और संस्कृत को भी। उन्होंने कहा कि दोनों भारत माता की संतान हैं और शिक्षा व्यवस्था में सभी भाषाओं एवं विषयों के विकास पर ध्यान दिया जाएगा।

अनियमितता पर होगी सख्त कार्रवाई

शिक्षा अधिकारियों के अधिकारों में कटौती से संबंधित चर्चा पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस विषय पर सरकार ध्यान देगी, लेकिन किसी को भी अनियमितता या लूट की छूट नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि 13 जिलों से अनियमितता की शिकायतें मिली हैं। संबंधित अधिकारी इन शिकायतों को तुरंत दूर करें। शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हर छह माह में होगी चिंतन कार्यशाला

श्री तिवारी ने कहा कि अब हर छह माह में इसी तरह की राज्यस्तरीय कार्यशाला आयोजित की जाएगी। अगली कार्यशाला गया या वाल्मीकिनगर में आयोजित करने पर विचार किया जा रहा है।

वहीं, सरस्वती विद्या निकेतन के रूप में स्थापित मॉडल स्कूलों के प्राचार्यों की अलग कार्यशाला पटना के ज्ञान भवन में आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इन्हीं मॉडल स्कूलों से भविष्य की प्रतिभाओं को तराशना होगा। शिक्षा मंत्री ने सभी अधिकारियों और शिक्षकों से 17 अगस्त तक अपने-अपने जिलों में बच्चों और शिक्षकों के साथ तिरंगा यात्रा में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी यहां से यह संकल्प लेकर जाएं कि शिक्षा विभाग से कहीं से कोई शिकायत नहीं आए।

समापन के अवसर पर श्री तिवारी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की इन पंक्तियों के साथ अपना संबोधन समाप्त किया।

**छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता,
टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता।**

विधायक सिद्धार्थ ने किया शम्भूनाथ धाम बोलबम कावरिया सेवा शिविर का उद्घाटन

हाजीपुर(दैनिक नवसंदेश)। सावन माह में बाबा धाम जाने वाले शिवभक्त कावरियों की सेवा के लिए गोरौल थाना परिसर में स्थित का विधिवत उद्घाटन वैशाली विधायक सिद्धार्थ पटेल ने दीप प्रज्वलित कर किया।उद्घाटन के बाद विधायक ने शिविर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और सेवा में लगे स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाया।इस सेवा शिविर का संचालन गोरौल के जनप्रतिनिधियों, पुलिस-प्रशासन और समाजसेवियों के संयुक्त सहयोग से किया जा रहा है। शिविर में दूर-दराज से आने वाले डाक बम और बोलबम कावरियों के लिए भोजन, पानी, प्राथमिक उपचार और विश्राम की समुचित व्यवस्था की गई है।स्वागत कार्यक्रम में गोरौल बीडीओ पंकज कुमार निगम ने विधायक सिद्धार्थ पटेल को बुके एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। वहीं सीओ सीमा रंजन का स्वागत समाजसेवी नीतू सिंह ने किया। प्रखंड प्रमुख मुन्ना कुमार का स्वागत बीस सूत्री अध्यक्ष भगवान सिंह ने किया।बोल बम सेवा शिविर के अध्यक्ष त्रिविरम प्रसाद ने बीडीओ को और थानाध्यक्ष का स्वागत अशोक सिंह ने किया।मौके पर विधायक सिद्धार्थ पटेल ने कहा कि ष्बोलबम और डाक बम की सेवा में गोरौल के लोगों का योगदान हमेशा से अद्भुत रहा है। कावरियों की कठिन यात्रा में सहयोग से बड़ी कोई सेवा नहीं हो सकती। यह हमारी संसति और आस्था का प्रतीक है।उन्होंने आगे कहा कि ष्मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में कावरिया पथ का निर्माण प्रस्तावित है। इसके बन जाने से कावरियों की यात्रा और भी सुगम और सुरक्षित हो जाएगी। राज्य सरकार शिवभक्तों की सुविधा के लिए लगातार काम कर रही है।उद्घाटन समारोह में ड़ सत्यनारायण पासवान, लक्ष्मी कुमारी, बिक्रम कुमार, जितेंद्र कुमार, मुकेश कुमार सिंह, बीरेंद्र सिंह, पवन कुमार सिंह सहित दर्जनों समाजसेवी, जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक सिद्धार्थ ने किया शम्भूनाथ धाम बोलबम कावरिया सेवा शिविर का उद्घाटन।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत विद्यालयों में तिरंगा यात्रा, प्रभात फेरी, चित्रकला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

जिला पदाधिकारी ने अभियान में अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने का दिया निर्देश

जिले में 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत राष्ट्रभक्ति एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न विद्यालयों में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए।

हाजीपुर (दैनिक नवसंदेश)। जिला पदाधिकारी, वैशाली श्रीमती वर्षा सिंह के मार्गदर्शन में जिले में 'हर घर तिरंगा अभियान' के तहत राष्ट्रभक्ति एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न विद्यालयों में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रमों में छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिला पदाधिकारी ने जिले के विद्यालयों एवं संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि हर घर तिरंगा अभियान को व्यापक जनभागीदारी से सफल बनाया जाए तथा बच्चों एवं युवाओं के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं राष्ट्रध्वज के प्रति सम्मान का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाया जाए। अभियान के तहत विभिन्न विद्यालयों में छात्र-छात्राओं द्वारा तिरंगा यात्रा एवं प्रभात फेरी निकाली गई। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर विद्यार्थियों ने देशभक्ति के नारों एवं गीतों के साथ विद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में भ्रमण किया तथा आमजनों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया। विद्यालयों में चित्रकला एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने तिरंगा, राष्ट्रप्रेम, स्वतंत्रता संग्राम, भारत की विविधता में एकता तथा 'हर घर तिरंगा' अभियान की भावना को चित्रों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय स्तर पर प्रोत्साहित किया गया। इसी क्रम में देशभक्ति गीत, समूहगान, नृत्य, भाषण, कविता-पाठ एवं नाटक सहित विभिन्न सांसतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग एवं बलिदान, राष्ट्र की एकता-अखंडता तथा नागरिक कर्तव्यों से संबंधित संदेश प्रस्तुत किए। कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यालय परिसरों में देशभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव का वातावरण बना। जिला पदाधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज केवल देश की स्वतंत्रता एवं संप्रभुता का प्रतीक नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावनाओं, त्याग, बलिदान एवं राष्ट्रीय गौरव से जुड़ा है। उन्होंने अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों एवं युवाओं में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन, सामाजिक जिम्मेदारी तथा जिम्मेदार नागरिकता की भावना को और मजबूत करने पर बल दिया।

30 वर्षो बाद रामाशीष चौक बस पड़ाव-टेम्पो स्टैण्ड की बन्दोबस्ती 2.75 करोड़ रुपये में

हाजीपुर (दैनिक नवसंदेश)। जिला पदाधिकारी, वैशाली श्रीमती वर्षा सिंह के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा सार्वजनिक संसाधनों के पारदर्शी एवं प्रभावी प्रबंधन तथा राजस्व संग्रहण को प्राथमिकता देते हुए रामाशीष चौक, हाजीपुर स्थित बस पड़ाव टेम्पु स्टैण्ड की वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए टोल चुंगी वसूली हेतु बन्दोबस्ती की प्रक्रिया सफलतापूर्वक सम्पन्न कराई गई।

निर्धारित प्रक्रिया के तहत आज 10 अगस्त 2026 को समाहर्त्ता, वैशाली के कार्यालय प्रकोष्ठ में पूर्वा 11 बजे बन्दोबस्ती की द्वितीय तिथि की कार्रवाई आयोजित की गई।

वित्तीय वर्ष 2026-27 में दिनांक 01 अगस्त 2026 से 31 मार्च 2027 तक की अवधि के लिए आयोजित इस बन्दोबस्ती में न्यूनतम निर्धारित राशि 70 लाख रुपये रखी गई थी। निर्धारित एवं पारदर्शी प्रक्रिया के तहत कुल तीन डाकवक्ताओं ने बोली में भाग लिया। इनमें श्री अमरेन्द्र कुमार, ग्राम-पोस्ट विशुनपुर पकड़ी, बेऊर, जिला पटनाय श्री आनन्द कुमार, गाँधी आश्रम, हाजीपुर, वैशाली तथा श्री दीप नारायण सिंह, ग्राम मजलीसपुर, बिदुपुर शामिल थे।

श्रीमती वर्षा सिंह
जिला पदाधिकारी, वैशाली

बन्दोबस्ती की प्रक्रिया के दौरान डाकवक्ताओं के बीच कुल 61 राउंड की प्रतिस्पर्धी बोली हुई। लगातार प्रतिस्पर्धी बोली के पश्चात श्री दीप नारायण सिंह द्वारा सर्वाधिक 2 करोड़ 75 लाख रुपये की बोली प्रस्तुत की गई, जिसे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सर्वाधिक बोली के रूप में स्वीकार किया गया।

जिला पदाधिकारी श्रीमती वर्षा सिंह के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा अपनाई गई इस पारदर्शी एवं प्रतिस्पर्धी प्रक्रिया से निर्धारित न्यूनतम राशि की तुलना में काफी अधिक राजस्व प्राप्त होना सुनिश्चित हुआ है। इससे जिला प्रशासन के राजस्व में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा सार्वजनिक परिसंपत्तियों से राजस्व प्राप्ति की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी।

खबरें खास-खास

पंचशील सामाजिक संस्था द्वारा सावन हरियाली महोत्सव का भव्य आयोजन

पर्यावरण संरक्षण एवं हर घर तिरंगा अभियान का लिया गया संकल्प

हाजीपुर (दैनिक नवसंदेश)। पंचशील सामाजिक संस्था के तत्वावधान में सावन हरियाली महोत्सव का भव्य एवं सांस्कृतिक आयोजन नारायण वाटिका, हाजीपुर में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सावन की हरियाली, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान के माध्यम से राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान एवं राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुंचाना था।

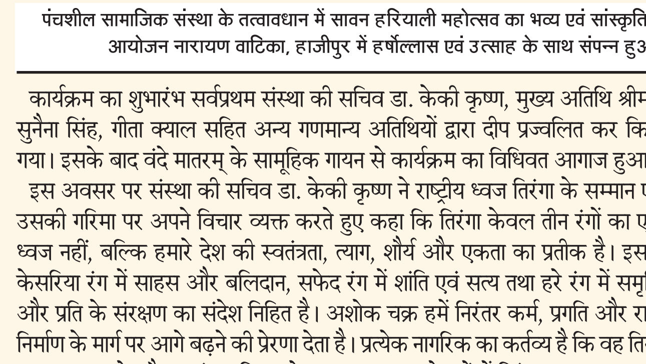
पंचशील सामाजिक संस्था के तत्वावधान में सावन हरियाली महोत्सव का भव्य एवं सांस्कृतिक आयोजन नारायण वाटिका, हाजीपुर में हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम संस्था की सचिव डा. केकी कृष्ण, मुख्य अतिथि श्रीमती सुनैना सिंह, गीता क्याल सहित अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से कार्यक्रम का विधिवत आगाज हुआ।

इस अवसर पर संस्था की सचिव डा. केकी कृष्ण ने राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के सम्मान एवं उसकी गरिमा पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि तिरंगा केवल तीन रंगों का एक ध्वज नहीं, बल्कि हमारे देश की स्वतंत्रता, त्याग, शौर्य और एकता का प्रतीक है। इसके केसरिया रंग में साहस और बलिदान, सफेद रंग में शांति एवं सत्य तथा हरे रंग में समृद्धि और प्रति के संरक्षण का संदेश निहित है। अशोक चक्र हमें निरंतर कर्म, प्रगति और राष्ट्र निर्माण के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह तिरंगे का सम्मान करे और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों में तिरंगा लगाकर राष्ट्र के प्रति अपनी श्रद्धा और जिम्मेदारी प्रकट करे।

सुनैना सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्र सम्मान दोनों ही हमारी सामाजिक जिम्मेदारी हैं। जिस प्रकार हम अपने राष्ट्रध्वज का सम्मान करते हैं, उसी प्रकार हमें प्रति और पर्यावरण की रक्षा का भी संकल्प लेना चाहिए।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों एवं महिलाओं ने सावन के पारंपरिक गीतों, नृत्य एवं सांसतिक प्रस्तुतियों से वातावरण को मनमोहक बना दिया। सावन गीतों की मधुर धुनों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में सावन से जुड़े मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए गए, जिसमें पारंपरिक लोक संस्कृति की सुंदर झलक देखने को मिली। सीता कुमारी ने सावन पर आधारित अपनी सुंदर कविता पाठ से सभी को भाव-विभोर कर दिया।

सामूहिक गायन में रूबी सिंह, निशा क्याल, संगीता सरावगी,आरती सोनी, शैल कुमारी, अरुणा श्रीवास्तव सहित अन्य सदस्यों ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। माया चौधरी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए सभी अतिथियों का अभिनंदन किया।

इस अवसर पर संस्था में दो नए सदस्यों का स्वागत किया गया। अधिवक्ता सीमा सिंह एवं गीता दुबे ने पंचशील सामाजिक संस्था की सदस्यता ग्रहण की।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डा मीना सिंह, आरती सोनी, संगीता सोनी, सरोज मिश्रा, सहित सभी आगंतुक अतिथियों ने संस्था के सामाजिक एवं सांसतिक प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित सदस्यों ने हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने, राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके पर माया चौधरी , रेखा जायसवाल सिम्मी चौधरी, आरती सोनी, रूबी सिंह,सीता कुमारी, आशा जी, कुमुद दूबे सहित संस्था के सभी सदस्य एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थी।

पुत्रकारक सोम प्रदोष में मनी सावन की दूसरी सोमवारी

हर हर महादेव, नमः शिवाय् से गूंजे शिवालय

जलाभिषेक को मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

पटना (दैनिक नवसंदेश)। सावन मास की दूसरी सोमवारी आर्दा व पुनर्वसु नक्षत्र के साथ वज्र योग, जयद् योग तथा सिद्धि योग में मनायी गई । दूसरी सोमवारी पर सुबह से ही जलाभिषेक को लेकर मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ने लगी थी, जो देर शाम तक चलता रहा । राजधानी के मंदिरों से हर हर महादेव, नमः शिवाय, बोल बम.क़ी गूँज सुनाई दे रही थी । सोमवारी पर बच्चे, बूढ़े, महिलाएं, कुवांरी कन्याएं सब चंदन व त्रिपुण्ड धारण कर फूल माला, भांग, धतूरा, अक्षत, चंदन, हुमाद, गंगाजल, इत्र, दूब आदि से सुसज्जित पूजा की थाली हाथों में लिए तेजी से मंदिर की ओर जा रहे थे । शिव भक्त अपनी कामनाओं की पूर्ति हेतु नाना प्रकार से भोलेनाथ की पूजा-अर्चना किये । सावन की दूसरी सोमवारी पर मंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। मंदिरों में पुरे दिन जलार्पण के बाद संध्याकाल में महादेव व पार्वती के साथ शिव परिवार का भव्य श्रृंगार किया गया। महादेव की पूजा को लेकर प्रदोष काल के समय भी शिवालयों में काफी भीड़ दिखी।

पुत्रकारक सोम प्रदोष में मनी दूसरी सोमवारी : आचार्य राकेश झा ने बताया कि सावन मास की दूसरी सोमवारी पर पुत्रकारक सोम प्रदोष का शुभकारी संयोग बना था। सनातन धर्मावलंबियों के घरों में भी रुद्राभिषेक, पार्थिव पूजन, भजन-कीर्तन आदि हुआ । श्रद्धालुओं ने दूसरी सोमवारी पर शिव शंभु को गंगाजल, दूध, दही, गन्ना रस, अनार रस, शहद, घी, पंचामृत से अभिषेक कर वस्त्र, उपवस्त्र, जनेऊ अष्टगंध चंदन, भस्म, गुलाल, अभ्रक, अक्षत, इत्र, फूलमाला, बेलपत्र, भांग, समी पत्र, धतूरा, अकावन से पूजा कर मिष्ठान, ऋतुफल व पान-सुपारी चढ़ाकर कर्पूर से आरती किये । फिर महामृत्युंजय मंत्र का जाप, शिव महापुराण, रुद्राष्टक, लिंगाष्टक, शिव पंचाक्षर, शिव तांडव, बिल्वाष्टक, द्वादश ज्योतिर्लिंग स्त्रोत, शिव शतनाम आदि का पाठ भी किया ।सोम प्रदोष में महादेव की पूजा करने से मानसिक अशांति, गृह क्लेश, स्वास्थ्य संबंधी चिंता दूर तथा संतान की कामना पूर्ण होती है । शिव की पूजा के बाद भक्तों ने नंदी की पूजा कर उनके कान में गुप्त रूप से अपनी मनोकामना भी कहा । मिथिलावासी ने मिट्टी से पार्थिव शिवलिंग बनाकर भगवान शंकर, कीर्तिमुख, एकादश रूद्र आदि की पूजा-अर्चना किए ।

जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा के दौरान परिवार नियोजन सेवाओं में बिहार की उल्लेखनीय उपलब्धि

पटना (दैनिक नवसंदेश)। विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर मिशन परिवार विकास अभियान पखवाड़ा के तहत बिहार में परिवार नियोजन सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए 11 जुलाई 2026 से 31 जुलाई 2026 के बीच विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान योग्य दंपतियों को परिवार नियोजन के स्थायी और अस्थायी साधनों की जानकारी दी गई तथा इच्छुक लाभार्थियों को आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई गईं।

11 जुलाई 2026 से 31 जुलाई 2026 तक आयोजित जनसंख्या स्थिरता पखवाड़ा के दौरान राज्य में परिवार नियोजन की विभिन्न सेवाओं में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की गई। इस दौरान 19,065 महिला बंध्याकरण, 470 पुरुष नसबंदी और 50,453 कॉपर-टी संस्थापन किए गए। वहीं, 93,787 लाभार्थियों को गर्भनिरोधक सूई (अंतरा) की सेवा प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त गर्भनिरोधक गोलियां (माला-एन, छाया एवं ईसी) तथा अन्य गर्भनिरोधक साधनों का वितरण किया गया।

महिला बंध्याकरण ऑपरेशन में पटना जिला 1,364 ऑपरेशन के साथ सबसे आगे रहा। इसके बाद बेगूसराय में 1,280 और वैशाली में 1,058 महिला बंध्याकरण ऑपरेशन किए गए। जनसंख्या अनुपात के आधार पर खगड़िया, नवादा, बेगूसराय और वैशाली ने निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले 80 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि हासिल की।

पुरुष नसबंदी में वैशाली जिला 70 ऑपरेशन के साथ प्रथम रहा। सिवान में 64, जबकि बेगूसराय और रोहतास में 47-47 पुरुष नसबंदी ऑपरेशन किए गए। जनसंख्या अनुपात के आधार पर वैशाली, सिवान, औरंगाबाद, रोहतास, नवादा, शेखपुरा और बेगूसराय निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध बेहतर प्रदर्शन करते हुए शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल की।

कॉपर-टी संस्थापन में सिवान जिला 2,834 संस्थापन के साथ सबसे आगे रहा। बेगूसराय में 2,702 और पटना में 2,675 कॉपर-टी लगाए गए।